10 सचिन तेंदूलकर...

12 सामंथा...

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, गुरुवार, 27 फरवरी 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 04 | अंक -250 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन देवघर में महाशिवरात्रि महोत्सव में हुए सम्मिलित, बोले

देवघर में शिवरात्रि महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में बढ़ रहा आगे

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिव बारात को किया रवाना

मुख्यमंत्री ने कहा वाले समय में आप सभी के सहयोग से आस्था के इस केंद्र को और मजबूती के साथ आगे ले जाएंगे

महाशिवरात्रि के महापर्व की आप सभी को शुभकामनाएं

इस महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता असीम आस्था और श्रद्धा का परिचायक है

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

देवघर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा नगरी देवघर में बाबा भोलेनाथ के चरणों पर शीश नवाकर आप सभी का अभिनंदन करता हूं । आज यहां शिव बारात में सम्मिलित होने का मुझे भी अवसर मिला है। यहां हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं, जिसमें इंसान के साथ जीव -जंतु भी शामिल है। यह शिव बारात मात्र नहीं है । ऐसे महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना यह दशार्ता है कि इससे ऊपर और कोई ताकत नहीं है और कहीं ना कहीं दुनिया इसी की बदौलत चल रही है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा नगरी देवघर के केएनएन स्टेडियम में आयोजित शिव बारात महोत्सव को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक झांकियों के साथ शिव बारात को रवाना किया।

उमंग, उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का है दिन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए उमंग, उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का दिन है। महाशिवरात्रि का महापर्व सदियों से मनाते आ रहे हैं और आगे भी यह अनवरत जारी रहेगी। बाबा नगरी देवघर के लिए यह महापर्व विशेष है। यहां महाशिवरात्रि के पर्व के साथ निरंतर नया अध्याय जुड़ता जा रहा है। आप सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है। आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है।

आस्था का यह केंद्र और मजबूती के साथ आगे बढ़े, सभी का सहयोग जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर की पावन धरती असीम आस्था का केंद्र है। श्रावणी मेले के दौरान देश- दुनिया से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। इतना ही नहीं सालों भर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला चलता रहता है। इस पवित्र स्थल को और बेहतर करने के लिए सरकार मंथन करेगी और इसमें आपका सहयोग काफी मायने रखेगा। आने वाले समय में आस्था के इस केंद्र को और मजबूती के साथ आगे ले जाना है।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शिव बारात महोत्सव में मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश पासवान, विधायक उदय शंकर सिंह, पूर्व मंत्री बादल, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी, संताल परगना के आयुक्त लालचंद दादेल, पुलिस महानिरीक्षक क्रांति कुमार गड़िदेशी, पुलिस उपमहानिरीक्षक अंबर लकड़ा तथा जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

अजय दास,
समाज सेवी, (मंगलहाट/साहिबगंज)

जिस समाज की नियत अच्छी होगी उस समाज की आपस मे मिलजुलकर आगे बढ़ने की रवायत होगी। समाज मे अच्छा जरूर होगा यदि समाज द्वेष भावनाओं से दूर होगा। समाज के हित के लिए लड़ना पड़े तो लड़ो समाज विरोधियों के खिलाफ खड़ा होना पड़े तो खड़ा रहो। समाज को मुझे विकास से भरपूर करके गरीब की मदद करने की आदत है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **79,700**

चांदी (प्रति किलो) : **97,000**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **74,602.12**

निफ्टी :- **22,547.55**

मौसम

अधिकतम तापमान : **29** °

न्यूनतम तापमान : **16** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **06:11**

संध्या :- **17:51**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1931 को क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद ने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरफ्तारी से बचने के लिए खुद को गोली मार ली थी।

संक्षिप्त समाचार

टीएसी का गठन, सीएम अध्यक्ष और बाबूलाल समेत 15 विधायक बने सदस्य

रांची। नए ट्राईबल एडवाईजरी कमेटी में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अध्यक्ष होंगे, जबकि समाज कल्याण मंत्री चमरा लिंडा पदेन उपाध्यक्ष होंगे. एससी, एसटी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. जिसके मुताबिक 15 विधायकों को कमेटी का सदस्य बनाया गया है. जिन विधायकों को कमेटी का सदस्य बनाया गया है. उनमें पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन का नाम भी शामिल है. कमेटी में विधायक पूर्व मंत्री स्टीफन मरांडी, विधायक आलोक सोरेन, सुईस मरांठी, संजीव सरदार, सोनाराम सिंकु, जगत मांझी, दशरथ गगराई, सुदीप गुड़िया, राम सूर्य सुंठा, राजेश कच्छप, जिगा सुसारन होरो, नमन विक्सल कोंगाडी और रामचंद्र सिंह को भी सदस्य बनाया गया है.

जम्मू कश्मीर में सेना के वाहन पर आतंकियों ने फायरिंग की

राजौरी। जम्मू कश्मीर के राजौरी में सेना के वाहन पर आतंकियों द्वारा गोलीबारी किये जाने की खबर है, हमला सुंदरबनी इलाके के एक गांव में दोपहर एक बजे के आसपास हुआ. शुरूआती रिपोर्ट्स के अनुसार आतंकियों ने सेना के वाहन पर एक से दो राउंड फायरिंग की. हमले के समय सेना का वाहन गश्त लगा रहा था. हमले के बाद सेना ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है. एक्स्ट्रा फोर्स को भेजा गया है. आतंकियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. इससे पहले भी आतंकियों ने कई बार घात लगाकर सेना पर हमला किया है. हालांकि हर बार सेना उसका मुंहतोड़ जवाब देती रही है. इससे पूर्व सात फरवरी को भारतीय सेना ने पाकिस्तान के सात घुसपैठियों को ढेर कर दिया था.

झारखंड-बिहार का मोस्टवांटेड 13 लाख इनामी का नक्सली विवेक यादव की गोली मारकर हत्या

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड-बिहार का मोस्टवांटेड 13 लाख इनामी नक्सली विवेक यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई. उसकी हत्या बिहार के गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र के मंझौली स्थित टेकरा खुर्द गांव के समीप जंगल में की गई. हत्या के पीछे का कारण नक्सलियों की आपसी वर्चस्व की लड़ाई बताई जा रही है.

जंगल में पड़ा मिला विवेक का शव

घटना के संबंध में बताया जा रहा हैं कि पहाड़ी क्षेत्र में मंगलवार लकड़हारों और चरवाहों ने एक युवक का शव पड़ा देखा. उन्होंने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी. पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए गया के मगध मेडिकल कॉलेज भेजा और उसकी पहचान में जुट गई. मंगलवार की देर शाम में मृतक की पहचान नक्सली नेता विवेक यादव के रूप में की गई.

प्रेमिका से आया था मिलने

बताया जा रहा है कि विवेक यादव अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए आया था. इसी दौरान उसके साथियों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी. हत्या को क्यों अंजाम दिया गया, ये फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है. लेकिन आशंका जताई जा रही है कि पुलिस से पकड़े जाने के डर से विवेक के साथियों ने उसकी हत्या की है. बता दें कि झारखंड पुलिस ने विवेक पर दस लाख का इनाम रखा था. जबकि बिहार पुलिस ने उस पर तीन लाख का इनाम घोषित किया रखा था. विवेक बिहार झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी और मध्य बिहार जोनल कमेटी में शीर्ष नक्सली लीडर में शामिल था और कई सालों से वह सक्रिय था. विवेक झारखंड में कई नक्सली घटनाओं में शामिल था.

नक्सली नेता संदीप की मौत के बाद संभाली थी कमान

नक्सली नेता संदीप की मौत के बाद विवेक यादव ने ही माओवादी संगठन की कमान संभाल रखी थी.

महाकुंभ से लौट रही राज्यसभा सांसद की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, महुआ माजी और बेटा-बहू घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झामुमो से राज्यसभा सांसद महुआ माजी सड़क हादसे में घायल हो गयी हैं. जानकारी के मुताबिक उनका हाथ फ्रैक्चर है. उनके साथ साथ पुत्र, बहू और चालक को भी गहरी चोट आयीं हैं. घटना अहले सुबह 4 बजे लातेहार के सतबरवा में मां वैष्णवी फ्यूल्स के पास की है. सांसद को ऑर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

महुआ माजी का हाथ हुआ है फ्रैक्चर

महुआ माजी के साथ उनके 42 वर्षीय पुत्र सोमबीत माजी, उनकी बहू कृति श्रीवास्तव माजी और चालक भूपेंद्र को भी गंभीर चोटें आयी हैं. सभी को ऑर्किड में भर्ती कराया गया है. जानकारी के मुताबिक वे सभी लोग महाकुंभ स्नान कर रांची वापस लौट रहे थे. इस दौरान लातेहार के सतबरवा में

उनकी कार की टक्कर वहां पर पहले खड़े ट्रक से हो गयी. बताया जाता है कि थकान की वजह से चालक को झपकी आ गयी थी, जिस कारण ये हादसा हुआ.

प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को किया गया रेफर

घटना के बाद लातेहार पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल भेजा. जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी लोगों को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया दिया. फिलहाल सभी लोगों का इलाज रांची के ऑर्किड अस्पताल में चल रहा है. चिकित्सकों ने बताया है कि सांसद के चेस्ट का सीटी स्कैन किया जा रहा है. हालांकि सभी की स्थिति स्थिर बतायी जा रही है. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है.

सीएम और कल्पना ने की महुआ माजी से मुलाकात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने एचबी रोड स्थित ऑर्किड अस्पताल पहुंचकर सड़क दुर्घटना में घायल राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. मुख्यमंत्री ने इस दौरान अस्पताल के चिकित्सकों से महुआ माजी के स्वास्थ्य में सुधार और उनके उपचार से संबंधित जानकारी ली. गौरतलब है कि महुआ माजी और उनके परिजन महाकुंभ स्नान कर लौटते समय दुर्घटना का शिकार हो गए थे. बुधवार की सुबह लातेहार जिले के होटवाग गांव के पास उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें वे और उनके परिजन घायल हो गए थे. मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने अस्पताल पहुंचकर न केवल सांसद के स्वास्थ्य की जानकारी ली, बल्कि उनके परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा भी दिलाया.

भारतीय संविधान आर्टिकल 14 कानून के समक्ष सबों की बराबरी अधिकार: जयराम कुमार महतो

डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने विधानसभा में उठाया मांडू कोतरे बसंतपुर पचमो कोल परियोजना (KBP) का मामला

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने झारखंड के जवलंत मुद्दों में से रामगढ़ जिला अंतर्गत मांडू प्रखंड के कोतरे बसंतपुर- पचमो कोल परियोजना (KBP) का मामला को लेकर विधानसभा में आवाज उठा कर सरकार के संज्ञान मे दिया। जयराम कुमार महतो ने सरकार को अवगत कराया की मांडू के प्रभावित गांव बसंतपुर, पचडा ,कोतरे ,बालमहुआ ,इचाकडीह ,बरगइया, रहावन ,पचमो, हुरदाग, लइयो, दनिया है। यहां पावर मेक लिमिटेड कंपनी और उनके सहयोगी अमर लिमिटेड के माध्यम से खनन कार्य होना सुनिश्चित हुआ है। तथा विगत दो-तीन दिनों से 500 से अधिक संख्या में महिलाएं धरने पर बैठी है। इनके समस्याओं के समाधान बुलंदी से रखे। जयराम महतो ने विधान सभा मे कहा कि अगर सरकार संवेदनशील है। चुकी लॉ एंड ऑर्डर की बात करती है, सामाजिक न्याय की बात करती है। विधि कानून की बात करती है। आपका एक डीएसपी घायल हुआ, आपने लॉ एंड आर्डर को हाथ में लिया, डीआईजी, आईजी ने मार्च किया, डीएसपी संज्ञान में लिया, डीसी धरने पर गई। लेकिन जब ग्रामीणों को पीटा जाता है, ग्रामीणों का जमीन जबरन अधिग्रहण लिया जाता है, उस समय कानून अपनी प्रतिक्रिया क्यों नहीं देती है। भारतीय संविधान आर्टिकल 14 कानून के समक्ष सबों की बराबरी की बात करता है। जिसके पास भूमि नहीं है उसे सरकार भूमि आवंटित करेगी। लेकिन जिसके पास भूमि है सदियों से हजारों वर्षों से जो जोत कोड करते हैं। उनकी जमीन को जबरजस्ती अधिकृत किया जाता है। लगता है ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन बरकरार है। आज इसी प्रशासन के दौर पर ग्रामीणों का जबरन जमीन अधिग्रहण कर लिया जाता है। इससे पूर्व 5 दिसंबर 2024 को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय संगठन महामंत्री रवि कुमार महतो ने बयान जारी कर कहा था कि झुमरा पहाड़ के अस्तित्व को बचाने की जरूरत है। बसंतपुर कोतरे परियोजना सीसीएल की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना के लिए 1162 हेक्टेयर जमीन, यानी 2872 एकड़ जमीन जंगल को उजाड़ कर 50 लाख मिट्रिक टन प्रति वर्ष कोयला का उत्पादन करना लक्ष्य है। यह परियोजना क्षेत्र वासियों के लिए अभिशाप साबित होगा। सरकार को इसके लिए वैकल्पिक ऊर्जा की स्रोतों की खोज करनी चाहिए। कोयला वर्तमान में है इसके निकाले जाने के बाद समाप्त होगा। इसलिए सरकार को रिन्यूएबल सोर्स ऑफ एनर्जी की ओर पहल करनी चाहिए, न कि जंगल नष्ट करना चाहिए। कुछ साल के बाद वहां के लोग को पलायन करने को मजबूर होना पड़ेगा। लोग सोचे, समझे और विचार करे।तभी अपना जल , जंगल,जमीन सरकार को दे। उक्त जानकारी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा इकाई रामगढ़ के जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने दी।

मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष धीरज बंसल सचिव श्रिंजय मेवाड़ बने

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा की बैठक में नये सत्र के लिए पदाधिकारियों का हुआ चयन। मारवाड़ी युवा मंच की बैठक आशीष अग्रवाल की अध्यक्षता में सोमवार को की गयी. बैठक में नये सत्र 2025-26 के लिए चुनाव प्रक्रिया संपन्न करायी गयी. नये सत्र के लिए सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी निलिंद अग्रवाल के उपस्थिति में किया गया। जिसमें अध्यक्ष धीरज बंसल, सचिव श्रिंजय मेवाड़ को चयनित किया गया। दोनों पदाधिकारियों को मंच की तरफ से अग्रिम शुभकामनाओं के साथ ही आशा की कि आने वाले नये सत्र में सभी पदाधिकारियों द्वारा समाज के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे. बैठक में चुनाव प्रक्रिया खत्म होने के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों को वर्तमान अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष लोकेश बगड़िया एवं अमित अग्रवाल के साथ सभी सदस्यों ने मिलकर पुष्प गुच्छ देकर सभी का अभिनंदन किया, सभी को आगे नये सत्र में समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करते रहने के लिए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाए दी. बैठक में मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा में एक नये सदस्यों को भी सदस्यता दिलाने के विषय में चर्चा की गई।

कुंभ से लौट रही राज्यसभा सांसद की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, महुआ माजी और बेटा-बहू घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची : प्रयागराज से कुंभ स्नान कर लौट रही राज्यसभा सांसद महुआ माजी की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. इस घटना में महुआ माजी, बेटा-बहू और चालक घायल हो गये हैं. यह घटना बुधवार की सुबह लातेहार जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित होटवाग एनएच 75 के खुशबू ढाबा के पास हुई है. जहां एक खड़ी ट्रक में सांसद की कार ने टक्कर मार दी. दुर्घटना की सूचना मिलते ही लातेहार पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सभी घायलों को सदर अस्पताल लातेहार लाया, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सभी को रांची रेफर कर दिया. जिसके बाद ऑर्किड मेडिकल सेंटर में उन्हें भर्ती कराया गया. घायलों में राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पुत्र सोमबीत माजी, बहू कृति श्रीवास्तव माजी और चालक भूपेंद्र बास शामिल हैं.

महुआ माजी का बायां हाथ टूट गया

महुआ माजी के बेटे सोमवित माजी ने बताया कि महाकुंभ से लौटने के दौरान यह दुर्घटना हुई. कार मैं खुद चला रहा था. नींद आने के कारण कार खड़ी गाड़ी से टकरा गयी. बताया कि डॉक्टरों का कहना है कि महुआ माजी का बायां हाथ टूट गया है और उनकी पसलियां हल्की क्षतिग्रस्त हैं. उनके हाथों की सर्जरी करनी होगी.

सीएम समेत कई नेताओं ने शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत राज्य के विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेताओं ने सांसद महुआ माजी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है. सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्यसभा सांसद महुआ माजी जी और उनके परिवार के सड़क दुर्घटना में घायल होने की सूचना मिली है. मरांग बुरु से उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि महुआ माजी जी के दुर्घटना में घायल होने की खबर मिली. ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं.मंत्री इरफान अंसारी ने एक्स पर लिखा कि महुआ माजी जी के सड़क हादसे में घायल होने की खबर दुखद है. पूरा झारखंड उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा है.पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भी हादसे पर दुख जताया और कहा कि राज्यसभा सांसद महुआ माजी और उनके परिजनों के घायल होने की खबर मिली. बाबा बैद्यनाथ से उन सभी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं.

शिवरात्रि के शुभ अवसर पर शिव मंदिर बटुका एवं रसदा सहित क्षेत्र के सभी शिवालयों में भजन कीर्तन सह भण्डारा का हुआ आयोजन

पतरातू। महाशिवरात्रि के शुभ उपलक्ष्य पर बटुका शिव मंदिर, रसदा ठाकुरबाड़ी मंदिर, शिव शक्ति मंदिर सहित क्षेत्र के सभी शिवालयों में भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती की पूजा अर्चना के साथ रात्रि में शिव बारात निकाली गई। इसके साथ ही शिवालयों में भंडारे का भी आयोजन किया गया। शिवरात्रि के दिन प्रातः काल से ही शिवालयों में भक्त जनों की भीड़ उमड़ी रही। विभिन्न शिवालयों में महिलाओं ने पूजा अर्चना की। वहीं अधिकांश शिवालयों में अखंड कीर्तन का भी आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम रसदा के ठाकुरबाड़ी मंदिर में 12 घंटे का अखंड कीर्तन तो कटिया शिव मंदिर में भी अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया।

जिले में फूल उत्पादन में है अपार सभावनाएं:संतोष कुमार

लोहरदगा: जिला उद्यान पदाधिकारी संतोष कुमार ने बुधवार को कुडू प्रखंड के चंदलासो में फूलों की खेती का निरीक्षण किया। फूलों की खेती को देखकर उन्होंने कहा कि जिले में फूलों की खेती की असीम संभावनाएं है। जिले के किसान फूल की खेती करके अपनी आय बढ़ा सकते हैं। मौके पर चंदलासो के उप मुखिया अखिलेश कुमार सिंह जिला उद्यान कार्यालय राकेश कुमार सत्य प्रकाश दीपक कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

पेड़ में झूलता मिला महिला का शव

लोहरदगा: जिले के किस्को थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरहोर कॉलोनी में बीते रात एक महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। महिला की पहचान 43 वर्षीय अगहनी बिरहोर पति गणेश बिरहोर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला मंगलवार की रात्रि में खाना खाकर सोयी थी इसके बाद रात्रि में ही घर के समीप स्थित एक केंद्र पेड़ में फांसी लगा ली। जिसकी जानकारी लोगों को बुधवार को सुबह 6:00 बजे तब हुई जब पेड़ में शव झूलता हुआ देखा गया। इसके बाद मामले की जानकारी खरकी पंचायत की मुखिया चांदमनी उराँव एवं पूर्व पंचायत समिति सदस्य अबुशमा परवेज एवं किस्को थाना को मिलने पर मौके पर पहुंचे। और पुलिस ने शव को कब्जे में लिया गया और किस्को थाना ले जाया गया। जहाँ से लोहरदगा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जाएगा। साथ ही मामले पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन का आग्रह, पासओवर और एडजर्नमेंट की प्रकिया सुचारू रूप से लागू हो

रांची : झारखंड हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन ने हाईकोर्ट से यह आग्रह किया है कि अदालतों में मुकदमों की सुनवाई के दौरान पासओवर और एडजर्नमेंट की प्रकिया सुचारू रूप से लागू की जाये. दरअसल झारखंड अधिवक्ता संघ की आम सभा 21 फरवरी को हुई थी, जिसमें पासओवर और एडजर्नमेंट एक बड़ा मुद्दा रहा. इस सभा में अधिवक्ताओं ने न्यायिक प्रथा से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए दो प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये. विस्तृत चर्चा के बाद, अधिवक्ताओं और वादियों को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें ध्यान में रखते हुए यह प्रस्ताव पारित किया गया, आम सभा में वकीलों की ओर से यहां मुद्दा रखा गया कि उच्च न्यायालय के कुछ माननीय न्यायाधीश जल्द पासओवर नहीं देते हैं, जिससे उन्हें और उनके क्लाइंट को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. जबकि सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को पूरे दिन के दौरान कम से कम एक पासओवर दिया जाता है. इसलिए, अधिवक्ताओं ने उच्च न्यायालय से इस प्रथा को अपनाने की मांग की है, ताकि सभी के लिए सुनवाई का काम आसान हो सके.

कटिया में शिवरात्रि का मनाया गया महोत्सव, शिव बारात की निकाली गई झांकी

पतरातू। बुधवार को ग्राम पंचायत कटिया बस्ती के कटिया शिव मंदिर में धूमधाम से मना महाशिवरात्रि पूजा। भक्तों के बीच में प्रसाद के रूप में बटा खिचड़ी और साथ में पूरे ग्राम कटिया गरेवटांड में भगवान शंकर और पार्वती की झांकी गाजे बाजे के साथ घुमाया गया। अंत में कटिया देवी मंडप में भगवान शंकर और पार्वती का विवाह करवाया गया। मुखिया किशोर कुमार महतो ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर सभी क्षेत्र वासियों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुखिया किशोर कुमार महतो भुवनेश्वर महतो मोहित कुमार कौलेश्वर महतो शंकर महतो भुनेश्वर ठाकुर सुखन महतो हरिद्वार सिंह नारायण महतो सतीश कुमार बीरबल कुमार योगेश्वर महतो नितेश कुमार आदित्य कुमार संदीप कुमार निक्की कुमार मुकेश कुमार जगदेव कुमार सुरेंद्र कुमार वीरेंद्र कुमार रविंद्र कुमार तुलेश्वर कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्राचीन शिव मंदिर कैथा और बूढ़ा छत्तर धाम रायपूरा में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। रामगढ़ जिला के विभिन्न गांवों में महाशिवरात्रि के अवसर में सभी शिवालयों में श्रद्धाओं की भीड़ उमड़ी। रामगढ़ जिला के कैथा स्थित प्राचीन शिव मंदिर में लगभग हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किया। वहीं गोला से चार किलोमिटर दूर रायपुरा ग्राम स्थित बूढ़ा छत्तर धाम में महाशिवरात्रि में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। जन आस्था का केन्द्र बूढ़ा छत्तर धाम में भगवान शिव एवं पावर्ती काली के रूप में विराजमान हैं। कहा जाता हैं कि बूढ़ा छत्तर के रास्ते रामगढ़ राजा कामाख्या नारायण सिंह के पूर्वज जगन्नाथ पूरी की यात्रा करते थे। इस दौरान वे यहां विश्राम करते थे। एक बार रामगढ़ राजा और कलिंग महाराज नील माधव बूढ़ा छत्तर में शिव की आराधना के साथ शिवलिंग को साथ ले गये थे, परंतु शिवलिंग लुढ़ककर वापस बूढ़ा छत्तर आ गयी थी। शिवलिंग को पुनः ले जाने का अथक प्रयास विफल रहा था। इस क्रम में शिवलिंग थोड़ी क्षतिग्रस्त भी हो गयी। जिससे दूध की धारा बहने लगी थी। बूढ़ा छत्तर स्थित शिवलिंग थोड़ी क्षतिग्रस्त और एकदम गोलनुमा आकर का है। यहां भगवान शिव खुले आकाश के नीचे रहते हैं। भक्तों ने यहां मंदिर निर्माण करवाया था, परंतु भगवान शिव के मंदिर में नहीं रहने की इच्छा पर मंदिर गिर गया। श्रावण मास में यहां श्रद्धालु रजरप्पा से जल लाकर जलाभिषेक करते हैं। गांव की परंपरा रही है कि किसी बछड़े के जन्म पर ग्रामीण गाय का पहला दूध बूढ़ा छत्तर में समर्पित करते हैं। इस परिसर में काली के रूप में विराजमान देवी पार्वती को बकरे अथवा नारियल की बलि दी जाती है। भगवान को दिया जाता है भोग महाशिवरात्रि खीर भोग के साथ महोत्सव मनाया जाता है। खीर भोग के आयोजन में पूरे गांव के लोग अपने-अपने घरों से दूध लाते हैं और बूढ़ा छतर परिसर में ही भोग बनाकर प्रसाद का वितरण करते हैं। दिन भर पूजा-अर्चना होती है और रात में भक्ति भरा सांस्कृतिक कार्यक्रम छउ नृत्य होता है। बूढ़ा छत्तर धाम में महाशिवरात्रि महोत्सव के बाद से ही क्षेत्र में मंडा पर्व की शुरूआत होती है।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विधिविधान के साथ पूजा अर्चना को उमड़ी शिव भक्तों की

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: महाशिवरात्रि को लेकर पूरे देशभर में धूमधाम से विभिन्न रूप से पर्व मनाया जा रहा है। इसी क्रम में सूदूरवर्ती चंदवा गढ़गांव में गुफा स्थित शिवलिंग में पूजा अर्चना भक्तों द्वारा सुबह से ही आरम्भ कर दिया गया। जो आकर्षण का केंद्र बना रहा। जबकि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भी श्राद्धभाव से पूजा अर्चना किया गया। विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत स्थित चंदवा गढ़गांव के समीप स्थित 12 सौ फीट पहाड़ के ऊपर गुफा में प्राचीन काल से स्थापित शिवलिंग पर श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक करते हुए पूजा अर्चना किया गया। महाशिवरात्रि पर्व के दौरान प्रखंड क्षेत्र के सभी शिवालयों में भक्तों का भीड़ व उत्साह चरम पर देखा गया। और हर जगह बम-बम भोले के जयकारे से क्षेत्र गूँजमान रहा। महाशिवरात्रि पर्व की विशेषता पर चर्चा किया जाए तो धार्मिक मान्यता है कि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह संपन्न हुआ था। जिसे याद करते हुए विशेष रूप से चार पहर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। और भक्त व्रत रखते हुए शिवलिंग पर जल, दूध, गंगाजल ,बेलपत्र, शहद,दही, चंदन,अक्षत और फल आदि अर्पित कर भोग लगाते हैं ताकि भगवान भोलेनाथ सभी श्रद्धालुओ का मनोकामना पूर्ण करें। इसके साथ ही 12 घंटे का अखंड हरिकीर्तन का आयोजन समस्त स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आयोजन किया गया। तथा रात्रि में संस्कृति कार्यक्रम तथा 27 फरवरी को जतरा का भी आयोजन किया जाना है। पुनः गुफा स्थित शिवलिंग की ओर आकर्षित कराते हुए बताना चाहता हूं कि महाशिवरात्रि त्यौहार के अलावे सावन माह एवं जनवरी माह में भी दूर दूर से श्रद्धालु भक्तगण की भीड़ उमड़ती है। और यहां की एक अलग विशेषता भी स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में ही पूर्वजों के द्वारा गुफा स्थित शिवलिंग का खोज किया गया था। और उसी समय से पगडंडी रास्ते 12 सौ फीट पहाड़ के ऊपर शिव भक्त पहुंच पूजा अर्चना करते थे। समय बदलते गया तथा धीरे धीरे विकसित हुआ और काफी संख्या में विभिन्न जिला व प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। मौके पर त्रिलोकी सिंह,राजकुमार वर्मा,राकेश कुमार सहित जिला व प्रखंड क्षेत्र के शिव भक्त एवं स्थानीय आयोजन कर्ता समस्त ग्रामीण शामिल थे।

खान सुरक्षा सप्ताह समारोह में कंपनियां लगायेंगी प्रदर्शनी

पिपरवार. मगध-संघमित्रा क्षेत्र की ओर से बचरा चार नंबर मैदान में प्रस्तावित 67वां वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह समारोह की तिथि में परिवर्तन किया गया. एसओपी संजय कुमार चौबे ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से 28 फरवरी को प्रस्तावित यह समारोह अब एक मार्च को आयोजित किया जायेगा. जीएम नृपेंद्रनाथ स्वयं समारोह स्थल पर उपस्थित हो कर तैयारी की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. खान सुरक्षा महानिदेशालय के निदेशक आफताब अहमद ने पिपरवार पहुंच कर समारोह स्थल का खुद जायजा लिया. महानिदेशक उज्ज्वल ताह समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. खान सुरक्षा महानिदेशालय अंतर्गत आने वाले रांची, कोडरमा व चाईबासा जोन की खनन कार्य करने वाली कंपनियों अपने-अपने क्षेत्रों की प्रदर्शनी लगायेंगे. इसके अलावा सीसीएल के सभी क्षेत्रों के द्वारा प्रदर्शनी लगायी जायेगी. समारोह में लेजर शो मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा. इसके माध्यम से सीसीएल के खदानों में सेफ्टी को लेकर बरती जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया जायेगा. समारोह दोपहर 1:30 बजे मुख्य अतिथि द्वारा सुरक्षा ध्वज फहरा कर समारोह का शुभारंभ किया जायेगा.

हर हर महादेव के नारों से गुंजायमान हुआ शहर

पहाड़ी मंदिर शिव बारात समिति की शोभायात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

भगवान शिव भूत-प्रेतों संग कर्पूरगौरं करुणा अवतरं के रूप में नजर आए

हजारों भक्तों ने किया पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक

रांची। श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर रांची के द्वारा भव्य शिव बारात पहाड़ी मंदिर से निकाला गया जो पिस्का मोड़, विश्वनाथ मंदिर में शिव-पार्वती के शुभ विवाह के साथ संपन्न हुआ। पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार पर बने मंच से महासमिति के मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय ,विधायक सीपी सिंह , संरक्षक कुणाल अजमानी , कुमार राजा , रंजन कुमार अध्यक्ष राजेश साहू ,बादल सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं शिव-पार्वती के जीवंत स्वरूप को आरती कर बारात प्रस्थान हुआ । शिव भगवान अपने भूत प्रेतों के साथ कर्पूरगौरं करुणा अवतरं के रूप में नजर आएं जिनकी दिव्य की झांकी के दर्शनमात्र से लोगो का कल्याण होगा। क्योंकि शिव सत्यम शिवम सुंदरम हैं । इनके जैसा कोई सुंदर नही , जब ये दूल्हे के रूप में चलेंगें तो 51 माताएं इनका परछन और दिव्य आरती करेंगी, क्योंकि शिव जी का बारात बनने का सौभाग्य हम सबको प्राप्त होगा । भोलेनाथ के साथ सभी देवी देवता जैसे राम- लक्ष्मण सीता जी , राधे-कृष्ण , अयोध्या के राम जी , मां दुर्गा की सवारी महिषासुर मर्दनी भी साथ साथ चलेंगे , भूत प्रेतों की टोली अपने स्वामी के बारात जाने की खुशी में नाचेंगे और तांडव करते दिखे । आपको भोलेनाथ के विवाह का अवलोकन पूरी जगह यथा बारात निकलने के बाद शनि मंदिर अपरबाजार , शहीद चौक , फिरायालाल चौक से शहीद चौक ,गांधी चौक ,महावीर चौक ,रातू रोड होते हुए पिस्का मोड़ विश्वनाथ मंदिर में सनातनी विधि विधान से विवाह हुआ। देश के कोन कोने से आये कलाकार ने सबका मनमोह लिया। इस बार बारात में शामिल मुख्य रूप भिक्षुओं , सपेरा , जोगी एवं अघोरी को आमंत्रित किया गया और सभी लोग शामिल हुए, ये दिव्य बारात रहा जिसके दर्शन मात्र से कल्याण होगा ।इस बार मुख्यरूप से शिव तांडव , 21 लड़कियों के द्वारा काली तांडव , अघोरियों को तांडव नृत्य , भजन संध्या , छौ नृत्य , डीजे , झारखंड का प्रसिद्ध ताशा पार्टी , मनमोहक प्रेम नृत्य ने सबका मनमोह लिया । पांच रथ जिसके घोड़ा सारथी थे, सभी मे जीवंत रूप विराजमान रहे , सब मिला कर 14 से 15 गाड़ी के साथ हजारों हजार शिव भक्तों के साथ विश्वनाथ मंदिर पहुँचा। आज बारात में मुख्य संरक्षक सुबोधकांत सहाय , विधायक सीपी सिंह , संरक्षक कुणाल अजमानी , कुमार राजा , रंजन कुमार , सुमित सिंह , अध्यक्ष राजेश साहू , राजकुमार तलेजा , दीपक नंन्दा , बादल सिंह , गगन कुमार , शुभाशीष चटर्जी ,उर्मिला चौधरी, स्वपना चटर्जी , पूनम जायसवाल , राजीव वर्मा , अमन सिंह , राम सिंह , कुमकुम गुप्ता , अनीश सिंह ,कात्यानी जायसवाल ,माही ,प्रिया ,अलका ,संवी ,अनुष्का ,आयुष , प्रिंस , मयंक , श्रेया ,रियांश आदि लोग साथ साथ चले । जगह जगह पुष्प वर्षा के साथ सबका स्वागत किया गया एवं अनेको प्रकार के खाद्य सामग्री सबको खिलाया गया एवं पेयजल दिया गया। काली तांडव को देखने के लिए सभी लालायित दिखे।ये जानकारी प्रवक्ता बादल सिंह ने दिया।

महाशिवरात्रि पर भजन-कीर्तन और भंडारा

खलारी। खलारी में महाशिवरात्रि का पर्व भक्तिभाव से मनाया गया. शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे थे. श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की विधि पूर्वक उपासना की. मौसमी फल-फूल, बेलपत्र, भांग, दूध, घी, मधु, धतूरा, जल से भगवान का जलाभिषेक किया. प्रसिद्ध शिवालयों में श्रीराम जानकी मंदिर शिवालय, पहाड़ी मंदिर शिवालय, खलारी बाजारटांड़ शिवालय, करकट्टा शिवालय, चूरी, नौ नंबर मंदिर धमधमिया आदि में श्रद्धालुओं की भीड़ रही. इधर, खलारी थाना परिसर स्थित शिवालय में शिव पार्वती विवाह का और भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया. यजमान के रूप में दिनेश पांडेय घंटु सपत्नी पूजन किये. इसके अलावा जानकी मंदिर शिवालय व करकट्टा शिवालय में भी भगवान शिव-पार्वती का विवाह संपन्न हुआ. इधर, केदल भगत मोड़ स्थित शिव महेश्वर आश्रम सेवाधाम के सहेदा मंदिर में पुजारी महेश भगत आदि ने भगवान शिव स्तुति के साथ पूजा-अर्चना व हवन किया. सैकड़ों श्रद्धालु शिव महेश्वर धाम शिवालय में बोलबम व हर-हर महादेव की जयकारा के साथ जलाभिषेक किये. इस अवसर पर पारंपरिक मेला भी लगाया गया.

3000 करोड़ नहीं मिला, तो लटकी रह जायेगी सड़क-पुल की योजना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची. इस बार अनुपूरक बजट से ग्रामीण कार्य विभाग को 3000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि नहीं मिली, तो राज्य भर में ग्रामीण सड़क व पुल का काम लटका रह जायेगा. फिर अगले वित्तीय वर्ष में नये बजट से पैसा मिलने के बाद ही इसका काम शुरू हो सकेगा. अभी राज्य के अधिकतर प्रमंडलों में पैसे के अभाव में सड़क व पुल का काम प्रभावित हो गया है. कई जगहों पर काम बंद भी हो गया है. आगे काम करने के लिए ठेकेदारों के पास भी पैसे नहीं हैं. वे लगातार काम के एवज में राशि की मांग कर रहे हैं. पैसे का भुगतान नहीं कर पाने का बुरा असर योजना पर पड़ रहा है.

विभाग ने बजट व खर्च का आकलन कराया

ग्रामीण कार्य विभाग ने स्थिति देखने के बाद योजना का हाल, बजट व खर्च का आकलन कराया. वहीं, सारे प्रमंडलों से अब तक हुए कार्यों के विरुद्ध भुगतान की रिपोर्ट मंगायी. काम के एवज में कितनी देनदारी है, इसका आकलन करने पर स्पष्ट हुआ कि अभी 3000 करोड़ रुपये से भी अधिक की राशि की जरूरत है. इतनी राशि का काम हो गया है, पर उसका भुगतान नहीं हुआ है. ऐसे में इतनी राशि की जरूरत बतायी गयी है. इस राशि से अब तक जो कार्य हुए हैं, उसका भुगतान किया जायेगा. विभाग की ओर से इस राशि की मांग अनुपूरक बजट में की जायेगी. इसकी तैयारी की गयी है. राशि मिलने पर काम आगे बढ़ाया जा सकेगा. इंजीनियरों का कहना है कि अगर राशि नहीं मिली, तो आगे योजना जारी नहीं रह सकेगी. फिर काम के लिए अगले वित्तीय वर्ष का इंतजार करना होगा.

डीवीसी की टैरिफ 10 और 11 मार्च को जनसुनवाई

रांची . दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के टैरिफ प्रस्ताव (वित्तीय वर्ष 2025-26) पर झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग 10 और 11 मार्च को जनसुनवाई करेगा. 10 मार्च को हजारीबाग के मृदा संरक्षण कार्यालय में दिन के 12.30 बजे से जनसुनवाई होगी. वहीं 11 मार्च को मैथन (धनबाद) स्थित प्रशासनिक भवन सभागार में दिन के 11.30 बजे से होगी.

2.08 रुपये प्रति यूनिट बढ़ाने का दिया है प्रस्ताव

डीवीसी ने प्रति यूनिट 2.08 रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिय है. वहीं फिक्स चार्ज में भी 50 रुपये प्रतिमाह बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव दिया है. गौरतलब है कि वर्तमान में 11 केवी के बिजली आपूर्ति की दर 4.05 रुपये है. वहीं फिक्स्ड चार्ज भी 400 रुपये प्रति माह है. जिसे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. डीवीसी अपने कमांड एरिया धनबाद, बोकारो, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमाव चतरा में उद्योगों को बिजली आपूर्ति करता है. डीवीसी का बोकारो, चंद्रपुरा, कोडरमा, पंचेत और तिलैया में पावर प्लांट है. बोकारो थर्मल पावर स्टेशन की क्षमता 500 मेगावाट है. चंद्रपुरा की क्षमता भी 500 मेगावाट है. कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन की क्षमता 1000 मेगावाट तो वहीं पंचेत हाइडल स्टेशन की क्षमता 80 मेगावाट और तिलैया हाइडल स्टेशन की क्षमता चार मेगावाट है.

दो दिवसीय ईद मेला का आयोजन, मुस्लिम महिलाओं को मिल रहा व्यवसाय का प्लेटफॉर्म

रांची। फेडरेशन ऑफ मुस्लिम वुमेन झारखंड की ओर से अंजुमन प्लाजा, मेन रोड में दो दिवसीय ईद मेला का आयोजन किया गया है. यह मेला 26 फरवरी से 27 फरवरी तक चलेगा. इसमें 50 स्टॉल लगाए गए हैं. मेला सुबह 10 बजे से लेकर रात 10 बजे तक खुला रहेगा. इस मेले में हाथों से बनाई गई हैंडलूम से संबंधित दुकानें सजी हैं. यहां ओरी फ्लेम, कॉस्मेटिक्स, सूट, फिंगर रिंग, ज्वेलरी, हैंडमेड सेट, फेस वॉश, बॉडी वॉश, बॉडी क्रीम, साबुन, ऐलोवेरा, हीलिंग हल्दी और चारकोल जैसे उत्पाद उपलब्ध हैं.फेडरेशन ऑफ मुस्लिम वुमेन झारखंड की निदेशक खुशबू खान ने बताया कि पिछले साल हुनर कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ था. घर में जो महिलाएं छोटा-मोटा काम कर रही हैं, उन्हें अब एक बड़ा प्लेटफॉर्म दिया जा रहा है. इसके साथ ही उन्हें अपने काम के लिए ग्राहक उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य है.

ईद मेला में लगाए गए 50 स्टॉल

मेला में लगभग 50 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें कपड़े, एसी सीरीज, जूते-चप्पल, नकाब, अबाया, गिफ्ट आइटम, हिजाब, ड्राई फ्रूट्स, चूड़ी, सेवई, कुनाफा, बाकलावा, नाइटवियर समेत अन्य कई वस्तुओं की बिक्री हो रही है. खुशबू खान ने कहा कि हमारा ईद मेला हमारी संस्कृति, विरासत, एकता और विविधता का जश्न है. पारंपरिक पोशाक, पाक कला के खजाने और हार्दिक सौहार्द का यह मेला है, जिसमें सभी आनंद लेते हैं. ईद मेला समाज को ईद का सही मतलब समझाने का एक प्रयास है, जहां लोग ईद के दौरान अपनी खरीदारी करते हैं, बच्चों के लिए गेमिंग की सुविधा भी उपलब्ध है.

बेटी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षक पद छोड़ दिया

शगुफ्ता जबीन एक शिक्षक हैं. उन्होंने अपनी दिव्यांग बेटी अरुबा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए साई इंटरनेशनल, भुवनेश्वर की शिक्षिका की पेशे को छोड़ दिया. आज वह अपनी बेटी के साथ एक छोटा सा व्यवसाय चला रही हैं, जिसे उन्होंने आठ साल पहले शुरू किया था. आज इस व्यवसाय को लोग पहचानते हैं और फेसबुक तथा इंस्टाग्राम के माध्यम से यह लोगों तक पहुंच रहा है. अगर सरकार से सहयोग मिले, तो इसे एक बड़े उद्योग के रूप में स्थापित किया जा सकता है.

बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए

मेहंदी प्रतियोगिता, चित्रांकन, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई. बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए.

मौके पर उपस्थित लोग

इस अवसर पर फेडरेशन ऑफ मुस्लिम वूमेन झारखंड की निदेशक खुशबू खान, शहला जबीन, शाहीन, नसरीन रिजवी, सादिया फुजैल, नजमा, नेहा, रेशमा, सबीहा, निखत, माविया, शरमीन हुसैन, नाजिया समेत संस्था की कई सदस्य उपस्थित थीं.

सीयूजे में डाटा साइंस के प्रयोग पर व्याख्यान

रांची . केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) में गणित और सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में डाटा साइंस के प्रयोग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर ओड़िशा की पूर्व टेक्निकल डायरेक्टर निरुपमा महापात्रा ने कहा कि आज के समय में डाटा साइंस एक उभरता हुआ और महत्वपूर्ण क्षेत्र है. इसमें अपार संभावनाएं हैं. साथ ही, उन्होंने छात्रों को इस क्षेत्र में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने छात्रों को डाटा साइंस में कौशल विकसित करने और इसके बारे में गहरी समझ हासिल करने के लिए प्रेरित किया.

फ्रंटियर्स इन केमिकल साइंसेज पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एक से

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा एक मार्च से फ्रंटियर्स इन केमिकल साइंसेज विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा. तीन मार्च 2025 तक चलनेवाले इस सम्मेलन में आइआइटी, आइआइएसइआर, एनआइटी, सीएसआइआर संस्थान, केंद्रीय एवं राज्य विवि तथा प्रमुख उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल होंगे. विदेश के प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग लेंगे. आइआइएसइआर बेरहामपुर के निदेशक प्रो अशोक के गांगुली मुख्य अतिथि होंगे. सम्मेलन के संयोजन प्रो एके पाढ़ी व डॉ सौमेन डे आयोजन सचिव हैं. सम्मेलन में शामिल होने के लिए स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी सुविधा है.

नयी उत्पाद नीति लागू होने तक जेएसबीसीएल बेचेगा खुदरा शराब

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची. राज्य में नयी उत्पाद नीति लागू होने तक खुदरा शराब की बिक्री झारखंड स्टेट बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) बेचेगा. राज्य में नयी शराब नीति एक अप्रैल से लागू करने का प्रस्ताव है. इस संबंध में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग तेजी से कार्य कर रहा है. नयी उत्पाद नीति का ड्राफ्ट जारी कर इस पर लोगों से आपत्ति व सुझाव मांगे गये थे. 16 फरवरी तक लोगों को आपत्ति व सुझाव देने को कहा गया था. सुझाव पर रिपोर्ट तैयारउत्पाद नीति को लेकर प्राप्त सुझाव व आपत्ति पर रिपोर्ट तैयार की गयी है. उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने इस पर सहमति दे दी है. उत्पाद नीति में लोगों द्वारा दिये गये कुछ सुझाव को भी लागू किया गया है. अब प्रस्तावित उत्पाद नीति को वित्त विभाग, विधि विभाग व राजस्व पर्षद के पास भेजा जायेगा. तीनों विभाग की सहमति के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जायेगी. इसके बाद नीति लागू होगी. इसमें एक माह से अधिक समय लग सकता है. ऐसे में नयी उत्पाद नीति एक अप्रैल से लागू होने की संभावना कम है. ऐसे में नयी उत्पाद नीति एक मई से लागू की जा सकती है. इस दौरान जेएसबीसीएल की देखरेख में खुदरा शराब की बिक्री की जायेगी.

वर्तमान में खुदरा शराब बेचने की प्रक्रिया

राज्य में वर्तमान उत्पाद नीति के तहत खुदरा शराब की बिक्री प्लेसमेंट एजेंसी की देखरेख में होती है. राज्य के अलग-अलग जिलों में अलग-अलग एजेंसी को शराब बिक्री की जिम्मेदारी दी गयी है. राज्य के कुछ जिलों में प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा शराब बेचकर राशि जमा नहीं किये जाने का मामला भी सामने आया है. प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा जितनी राशि की बैंक गारंटी जमा की गयी है, उससे अधिक राशि शराब बेचकर जमा नहीं की गयी है.

खुदरा दुकानों की होगी बंदोबस्ती

नयी उत्पाद नीति में खुदरा शराब दुकानों की बंदोबस्ती होगी. नयी नीति में मॉडल शराब दुकान खोलने का भी प्रावधान किया गया है. इसमें दुकान परिसर में शराब पीने की अनुमति दी जायेगी. खुदरा शराब की बिक्री के लिए थोक शराब जेएसबीसीएल द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी. राज्य के शराब व्यापारी काफी दिनों से लाइसेंस के माध्यम से दुकान आवंटन की मांग कर रहे थे. नयी नीति को लेकर तेजी से हो रहा कामराज्य में प्रस्तावित नयी उत्पाद नीति को लेकर तेजी से काम किया जा रहा है. नीति पर प्राप्त सुझाव व आपत्ति को लेकर प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है. नयी उत्पाद नीति के तहत एक अप्रैल से खुदरा शराब बेचने की तैयारी है. अगर नीति लागू करने की प्रक्रिया 31 मार्च तक पूरी नहीं हो पाती है, तो नयी नीति लागू होने तक जेएसबीसीएल के माध्यम से खुदरा शराब की बिक्री की जा सकती है.

अल्बर्ट एक्का चौक पर बनी 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र

रांची : राजधानी में धूमधाम से महाशिवरात्रि मनाया जा रहा है. हर तरफ माहौल शिवमय हो गया है. इस खास मौके पर अल्बर्ट एक्का चौक के सामने कपड़ा व्यवसायी राहुल मिढा ने शिव जी के 12 ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति बनायी है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. 12 ज्योतिर्लिंगों में सोमनाथ (गुजरात), मल्लिकार्जुन (आंध्र प्रदेश), महाकालेश्वर (उज्जैन), ओंकारेश्वर (मध्यप्रदेश, केदारेश्वर (उत्तराखंड), भीमाशंकर (महाराष्ट्र), विश्वेश्वर/काशी विश्वनाथ (वाराणसी), त्र्यंबकेश्वर (नासिक, महाराष्ट्र), वैद्यनाथ (देवघर), नागेश्वर (द्वारका, गुजरात), रामेश्वर (तमिलनाडु), घुष्मेश्वर/घृष्णेश्वर (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) शामिल हैं.राहुल मिढा ने बताया कि वो पिछले 15 सालों से महाशिवरात्रि के मौके पर श्रद्धालुओं की सेवा कर रहे हैं. हालांकि हर साल की तुलना में इस बार महाशिवरात्रि पर भव्य आयोजन किया है. बताया कि वो अपनी बेटी तिष्या के नाम पर श्रद्धालुओं को 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन करा रहे हैं. इसके अलावा, दोपहर दो बजे शिव-पार्वती का विवाह भी कराया जायेगा. इसके बाद 505 किलो दूध से बनी खीर का प्रसाद वितरण किया जायेगा.

छात्रों व शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार योजना लागू

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची. उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग ने राज्य के विवि व कॉलेजों के विद्यार्थियों, शिक्षकों व संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए नौ पुरस्कार योजना लागू की है. कैबिनेट से स्वीकृति के बाद विभाग ने इसका संकल्प जारी कर दिया है. साथ ही विभाग ने सभी विवि को पत्र भेज कर सरकार की योजनाओं से विद्यार्थियों व शिक्षकों को अवगत कराने तथा इसे लागू करने का निर्देश दिया है. यह पुरस्कार शोध कार्य, सामाजिक कार्य, नयी शिक्षा नीति, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण कार्य करने, इनोवेशन करने या फिर उच्च शिक्षा के विकास के लिए आजीवन योगदान देनेवालों को दिया जायेगा. इसकी राशि न्यूनतम एक लाख रुपये से अधिकतम आठ लाख रुपये निर्धारित की गयी है.

शोध रत्न के तहत प्रथम पुरस्कार दो लाख

जारी संकल्प के अनुसार झारखंड राज्य शोध रत्न (छात्र वर्ग व शिक्षक वर्ग) के तहत प्रथम पुरस्कार दो लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार डेढ़ लाख रुपये व तृतीय पुरस्कार एक लाख रुपये निर्धारित है. यह पुरस्कार अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान, एप्लाइड साइंस, बेसिक साइंस, गणित, सांख्यिकी, जनजातीय भाषा, गैर जनजातीय भाषा में शोध करनेवाले को दिये जायेंगे. इसके अलावा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण योगदान पर संस्थान को प्रथम पुरस्कार स्वर्ण पदक व पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार रजत पदक व चार लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार कांस्य पदक व तीन लाख रुपये दिये जायेंगे. प्रत्येक तीन वर्ष में किसी संस्थान को एक बार ही यह पुरस्कार मिलेगा.

उत्कृष्ट व्यक्तिगत योगदान पुरस्कार

सरकार ने नयी शिक्षा नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए उत्कृष्ट व्यक्तिगत योगदान पुरस्कार देने की घोषणा की है. यह पुरस्कार भी तीन वर्ष में एक बार मिलेगा. इसके तहत प्रथम पुरस्कार दो लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार डेढ़ लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार एक लाख रुपये है. सरकार ने एनइपी के सफल कार्यान्वयन के लिए उच्च शिक्षण संस्थान के लिए पुरस्कार योजना लागू की है. इसमें प्रथम को पांच लाख, द्वितीय को चार लाख व तृतीय को तीन लाख रुपये मिलेंगे. राज्य इनोवेशन पुरस्कार (संस्थान) योजना के तहत प्रथम पुरस्कार पांच लाख, द्वितीय पुरस्कार चार लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार तीन लाख रुपये रखे गये हैं.

राज्य इनोवेशन पुरस्कार (व्यक्तिगत) योजना

साथ ही राज्य इनोवेशन पुरस्कार (व्यक्तिगत) योजना भी लागू की गयी है. इसमें व्यक्तिगत रूप से इनोवेशन करनेवाले छात्र व शिक्षक को पुरस्कार मिलेंगे. इसमें प्रथम पुरस्कार दो लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार डेढ़ लाख रुपये व तृतीय पुरस्कार एक लाख रुपये है. पर्यावरण, सामाजिक तथा शासन विधि में उत्कृष्टता के लिए संबंधित शिक्षण संस्थान को भी पुरस्कार दिये जायेंगे. इसके तहत प्रथम पुरस्कार पांच लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार चार लाख रुपये व तृतीय पुरस्कार तीन लाख रुपये है. इसके अलावा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आजीवन योगदान के लिए मुख्यमंत्री पुरस्कार व्यक्ति या समूह को दिया जायेगा. इसमें कम से कम 20 वर्ष का अनुभव जरूरी है. इसमें अधिकतम आठ लाख रुपये दिये जायेंगे. यह पुरस्कार एक बार ही मिलेगा.

महाशिवरात्रि पर सभी शिवालयों में भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर में शिव पार्वती का विवाह धूमधाम के साथ हुआ संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ के आसपास सभी शिवालयों में महाशिवरात्रि का त्यौहार बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। वहीं श्री श्री 108 महाशिवरात्रि समिति नीचे टोला, शिव मन्दिर से महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर बुधवार संध्या 7 बजे भागवान शिव जी का भव्य बारात निकली गई। बारात में सैकड़ो लोग शामिल थे सभी शिव भक्त बाबा भोलेनाथ के भक्ति गानों में नाचते हुए दिखाई दिए। वहीं मुरली पहाड़ स्थित बाबा धनेश्वर नाथ मंदिर में शिव भक्तों का भारी भीड़ देखने को मिला। हजारों की संख्या में शिव भक्त बाबा भोलेनाथ का पूजा करने के लिए लंबी कतार में खड़े थे। मंदिर कमेटी की तरफ से भक्तों को लाइन में लगाते हुए देखा गया, और रात में शिव पार्वती का विवाह बड़े ही धूमधाम के साथ संपन्न कराया गया।बभनगामा मोड़ स्थित शिव मंदिर में भी सैकड़ो की संख्या में शिव भक्तों को पूजा अर्चना करते हुए देखा गया है। वहीं बाबूपुर रेलवे फाटक स्थित शिव मंदिर में भी काफी संख्या में शिव भक्तों को जलाभिषेक करते हुए देखा गया, मंदिर कमेटी के द्वारा शिव मंदिर में महाप्रसाद का भी उत्तम व्यवस्था देखने को मिला। वहीं हिंदू पंचांग के अनुसार, हर वर्ष फाल्गुन मासके कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है. इस दिन शिवजी के भक्त श्रद्धा और विश्वास के साथ व्रत करते हैं। इस वर्ष की महाशिवरात्रि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। साथ ही साथ विशेष तौर पर तीनपहाड़ थाना के प्रभार महेंद्र कुमार ने सभी शिव मंदिरों में जाकर विधि व्यवस्था का जायजा लिया, और मंदिर कमेटी के लोगों को उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से महाशिवरात्रि का त्यौहार को मानना है। वही सभी शिव मंदिरों में तीनपहाड़ थाना के द्वारा पुलिस बल तैनात दिखाई दिए। पूरा क्षेत्र के सभी शिवालयों में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर हर हर महादेव का जय घोष गूंज रहा था।

मारपीट मामले के नामजद आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

उधवा/साहिबगंज।राधानगर थाना पुलिस ने देर रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के प्राणपुर गांव में छापेमारी कर मारपीट मामले के नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने बताया कि कांड संख्या 241/24 के नामजद आरोपी प्राणपुर निवासी मोजीबुर शेख के विरुद्ध थाना में मारपीट का मामला दर्ज है। उक्त आरोपी फरार चल रहा था। माननीय न्यायालय से उक्त आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर वारंट निर्गत जारी किया है। न्यायालय के निर्देश के आलोक में देर रात्रि गुप्त सूचना पर प्राणपुर गांव में पुलिस बलों को लेकर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान आरोपी मुजीबुर शेख को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद आरोपी को बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, एसआई पंकज दुबे आदि पुलिस बल शामिल थे।

पूर्वीय उधवा दियारा में आग लगी से एक घर जलकर राख, हजारों का हुआ नुकसान

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुर्वी उधवा दियारा पंचायत में मंगलवार की दोपहर खाना बनाने के दौरान आग लगी से एक घर समेत रसोई घर जलकर राख हो गया है।आग लगी से हजारों रुपए का नुकसान हो गया है।जानकारी के अनुसार पूर्वी उधवा दियारा पंचायत के बालू ग्राम गांव निवासी सेनाउल शेख के घर में मंगलवार की दोपहर खाना बनाने के दौरान आग लगी से एक घर समेत रसोई घर जलकर राख हो गया है। धीरे-धीरे आग विकराल रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते आग पुरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर में रखे सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगी की खबर गांव में फैलते ही कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने अपनी सुझबुझ से आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाते तब तक हजारों रुपए की नुकसान हो गया था। आग पीड़ित परिजनों ने बताया कि आग लगी में हजारों का नुकसान हुआ है। वहीं सरकार से मुआवजा की मांग किया है।

प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का विधायक ने किया उद्घाटन, लोगों ने कराया स्वास्थ्य जांच.

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया.कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा,अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू व झामुमो राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनीसुर रहमान संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.इस दौरान विधायक ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा इस तरह का मेला लगाकर लोगों को इलाज व निशुल्क दवा उपलब्ध करा रही है.उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेला से गरीब व असहाय लोगों का निःशुल्क इलाज होगा.कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करना मेरी प्राथमिकता है. अस्पताल और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा. राज्य सरकार प्रखंड स्तर पर स्वास्थ्य मेला का आयोजित कर गरीब,असहाय व जरूरतमंद लोगों का इलाज कर निशुल्क दवा वितरण कर रही हैं.आगे कहा कि राज्य सरकार हर विभाग में लगातार मजबूती के साथ विकास कर रही है.वहीं स्वास्थ्य मेला में आंख, नाक,कान जांच केंद्र, प्रयोगशाला केंद्र,परिवार नियोजन केंद्र, आयुष्मान केंद्र, कुपोषण केंद्र ,स्तानपान केंद्र, टीकाकरण केंद्र ,दांत जांच केंद्र, मलेरिया,कालाजार, फाइलेरिया केंद्र,टीबी,कुष्ठ केंद्र,आयुष्मान कार्ड आदि का स्टॉल लगाया गया.विभिन्न स्टॉलो में लोगों ने बारी-बारी से स्वास्थ्य जांच कराया. जांच के उपरांत लोगों को निःशुल्क दवा दी गई . विधायक ने सभी स्टॉल का निरीक्षण किए. मौके पर मो मारूफ उर्फ गुड्डू, मो हेना, डॉ राजकुमार, अमित कुमार, मधुसूदन कुमार ,गौरव कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

अनुमंडलीय अस्पताल में एनसीडी क्लीनिक का विधायक ने किया उद्घाटन, अनुमंडलीय अस्पताल में होगी कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों की जांच.

साहिबगंज। अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में बुधवार को एनसीडी क्लीनिक का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा व अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शुभारंभ किए. विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा बहाल करने को लेकर काफी गंभीर है. सकारात्मक सोच के साथ अनुमंडलीय अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं बहाल होगी जिससे क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य सेवा का लाभ उठा सकेंगे. अनुमंडलीय अस्पताल की उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू ने कहा कि एनसीडी क्लीनिक के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर हाइपरटेंशन डायबिटीज का जांच किया जाएगा. क्षेत्र के लोग इस जांच के लिए राज्य के बड़े शहर जाते थे अब यह जांच राजमहल में ही उपलब्ध है. उन्होंने कहा कि आपातकालीन से जुड़ी अस्पताल में सभी दवाएं एवं सामग्री उपलब्ध है.

उधवा में विधायक व सांसद ने दस करोड़ की लागत से बनने वाली दो योजनाओं का किया शिलान्यास

उधवा/साहिबगंज। प्रखंड क्षेत्र के दो अलग अलग जगहों में बुधवार को राजमहल विधायक मो.ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा एवं सांसद विजय कुमार हांसदा ने करीब दस करोड़ की लागत से दो योजनाओं का शिलान्यास किया।करोड़ो की लगत में गंगा किनारे कटावरोधी कार्य का शिलान्यास राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा,राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने पूर्वी प्राणपुर पंचायत के गंगा नदी तट पर 7.54 करोड़ की लागत से गंगा नदी के दाएं तट पर पूर्वी प्राणपुर से श्रीधर कॉलोनी नंबर दस के बीच छः सौ मीटर कटाव निरोधक कार्य का शिलान्यास किया।उक्त योजना का शिलान्यास होने से अब गंगा किनारे बसे लोग भयमुक्त रहेंगे।यहां प्रतिवर्ष सैकड़ों घर व कृषि योग्य जमीन बाढ़ की चपेट में आते है।वर्षों से यहां कटाव निरोधक कार्य नहीं हुआ था।राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा ने कहा कि राज्य सरकार निरंतर विकास कार्य कर रहे हैं।सांसद ने आगे कहा कि गंगा किनारे सभी क्षेत्रों में विकास कार्य होगा।विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि आज छः सौ मीटर कार्य का शिलान्यास हुआ।आने वाले समय में अन्य सभी जगहों का भी कटाव निरोधक कार्य होना है।मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारुफ उर्फ गुड्डू,प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली उर्फ बबुआ, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष तमरुद्दीन शेख,हारून रशीद,मो सावन, मुखिया जियाउल हक उर्फ शास्त्री,आताउर रहमानडॉ रूहुल अमीन,तजरुल हक, आताउर उर्फ टुनु, मेहबूब शेख, पंसस प्रतिनिधि हन्नान शेख वहीं उधवा प्रखंड के पश्चिमी उधवा दियारा पंचायत अंतर्गत मनवारूल उलूम मदरसा में 2.88 करोड़ रुपए की लागत से 50 बेड का छात्रावास का राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधिवत फीता काटकर शिलान्यास किया।उक्त मदरसा में छात्रावास नहीं रहने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा।मौके पर विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कहा कि अब लगातार क्षेत्रों में विकास ही होगी।कहा कि क्षेत्र में बहुत सारे कार्य अधूरे हैं जिसे पूरा करना है.छात्रावास का शिलान्यास होने से मदरसा का शिक्षक तथा स्थानीय लोगों ने विधायक का आभार प्रकट किया।

पंचायत कमेटी गठन को लेकर हुई बैठक

बोरियो/साहिबगंज। प्रखंड के पंचायत सचिवालय मोतीपहाड़ी बड़ा में झारखंड मजदूर संघ(प्रजा) के प्रखंड सहायक मंत्री मैसा पहाड़िया की अध्यक्षता में पंचायत कमेटी गठन को लेकर बैठक हुई।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी उपस्थित हुए।बैठक में पंचायत कमिटी का गठन किया गया।जिसमें अध्यक्ष जार्ज पहाड़िया,कार्यकारी अध्यक्ष मेशा पहाड़िया,उपाध्यक्ष दिवी लाल हेंब्रम,उपाध्यक्ष छोटा बबलू पहाड़िया,संयुक्त मंत्री मैसा पहाड़िया,सहायक मंत्री बड़ा सूरज पहाड़िया और मैसा पहाड़िया,संगठन मंत्री पलटन किस्कू,कार्यालय मंत्री चुलवा पहाड़िया,कोषाध्यक्ष मैसा पहाड़िया,सदस्य बड़ा चमड़ा पहाड़िया को बनाया गया।बैठक को संबोधित करते हुए संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मानव तस्करी के नाम पर रोजगार देने की बात आती है तो एजेंट के द्वारा ऐसे झांसा में ना पड़े,अगर इस तरह की बातें होती है तो सीधे तौर पर जिला प्रशासन को सूचना दें।मौके पर मुखिया बाबूराम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

1008 कन्याओं के द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा.

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड क्षेत्र में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई जा रही है.वही मंगलहाट निकट गढतलाव गांव स्थित मुगलकाल राजा मानसिंह शिव मंदिर की ओर से महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को 1008 क्षेत्र की कन्याओं के द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा का निकाली गई.कलश यात्रा निकालने से पहले मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह जिला परिषद प्रतिनिधि राजेश मंडल, सैदपुर मुखिया प्रतिनिधि दुर्गा प्रसाद मंडल, कस्बा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि मनीष टुडू, कंपनी प्रबंधक सुभाष चंद्र दास,सुदर्शन पासवान, विश्वनाथ मंडल, बसंती देवी, बिंदेश्वरी यादव अन्य के संयुक्त रूप से फीता काटकर कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया. इससे पहले कमेटी की ओर से मुख्य अतिथियों को पुष्प की वर्षा तथा अंग वस्त्र के रूप में पट्टा से सम्मानित किया. इस दौरान गाजे-बाजे के साथ क्षेत्र के कन्याओं ने भोले की जय जयकार लगाते हुए भक्ति भाव में मगन होकर नृत्य कर क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कन्हैया स्थान स्थित उत्तरवाहिनी गंगा नदी से पुरोहित के द्वारा कलश में गंगाजल भरकर पूजा अर्चना एवं वैदिक मंत्र उच्चारण कर कन्याओं ने कलस मे गंगाजल भरकर मंदिर परिसर पहुंचीं जहां स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक किया कमेटी के द्वारा श्रद्धालुओं को शरबत व प्रसाद वितरण किया. शाम में शिव बारात 28 फरवरी से 6 मार्च तक से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा. मौके पर कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे.

शहर के विभिन्न गंगा घाटों पर गंगा स्नान करने को उमड़ी भीड़

साहिबगंज।साहिबगंज शहर के विभिन्न गंगा घाटों पर बुधवार की अहले सुबह से लोगों की भारी भीड़ गंगा स्नान करने को उमड़ पड़ी। लोगों ने गंगा स्नान करने के बाद पास के शिव मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर जलार्पण व पूजन किया। शहर के बिजली घाट पर इस मौके पर सर्वाधिक भीड़ रही। वही महाशिवरात्रि को लेकर शहर स्थित सभी शिव मंदिरों में अहले सुबह से भक्त जनों की भीड़ और दिनों से अधिक रही। शहर के जीआरपी मंदिर, डाकीनाथ मंदिर, नगर थाना मंदिर, गुल्लीभट्टा शिव शक्ति मंदिर, बमकाली शिव मंदिर, भरतिया कॉलोनी मनसकामना ठाकुरबाड़ी, बिजली घाट मंदिर, गंगेश्वरानंद धाम, पुलिस लाइन मंदिर, जैप नौ मंदिर, स्टेशन प्रांगण का त्रिलोचन धाम मंदिर, गोड़ाबाड़ी वन विभाग मंदिर, सहित कई मंदिरों में बुधवार को काफी भीड़ उम्र पड़ी।

सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

उधवा/साहिबगंज।राजमहल उधवा मुख्य सड़क मार्ग में बुधवार को तीन बजे सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल राधानगर थाना क्षेत्र के बताए जा रहे है। घायलों में हाफिज रबीउल इस्लाम(45) अल्ताफ शेख (17) व हाफिज कौशर शेख (16) शामिल है। सभी पलाश गाछी निमाई टोला गांव के है। जानकारी के अनुसार राजमहल थाना अंतर्गत फुलबरिया में देर रात्रि जलसा का आयोजन किया गया था। इस दौरान हाफिज रबीउल इस्लाम(45) अल्ताफ शेख (17) व हाफिज कौशर शेख (16) तीनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर जलसा में शामिल होने गया था। जलसा समाप्त कर बुधवार को सुबह 3 बजे तीनों घर लौट रहे थे। तभी मनसिंगा के समीप मोटर साईकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटना हो गया। इस हादसे में तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में परिजनों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में घायल एक युवक की हालत नाजुक होने के कारण उसे बाहर रेफर कर दिया गया है।

प्रखंड क्षेत्र में महाशिवरात्रि बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाए गए, साथी प्रशासन रहे मुस्तैद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मंडरो/साहिबगंज।महाशिवरात्रि के दिन क्षेत्र के महादेववरण शिव मंदिर , युवराजेश्वर महादेब मन्दिर ,पांथेश्वर मन्दिर समेत अन्य मंदिरों में भक्तों की भीड़ सुबह से ही उमड़ पड़ी।महाशिवरात्रि के दिन मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई और मिजाचौकी प्रशासन के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मिजाचौकी थाना के निकट युवराजेश्वर मंदिर के अध्यक्ष थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव, संजय मिश्रा (बबलू मिश्रा) के साथ और भी कई श्रद्धालु ने भव्य रुद्राभिषेक किया। साथ हीं पंथ्वेश्वर मंदिर में संतोष महतो, चंद्रशेखर यादव, रंजीत कुशवाहा, रिंका शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा, व पूजा समिति के सभी मेंबर्स के द्वारा पूजा अर्चना के साथ रुद्राभिषेक बहुत ही धूमधाम से किया गया, बताते चले की क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों में भोज भंडार का भी आयोजन किया गया और क्षेत्र वासियों ने मंदिर प्रांगण में जाकर भोजन किया और शिव विवाह का आनंद लिया। वही मंदिररुद्राभिषेक महादेववरण आपरूपी शिवलिंग मंदिर में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर 54 फीट का कावर में उत्तर वाहिनी गंगा कहलगांव से जल भरकर हजारों की संख्या में शिव भक्तों ने पैदल चलकर महादेववरण शिव मंदिर में शिवलिंग पर जलाभिषेक किया , जिसमें महिला पुरुष बालक बालिकाएं बच्चे बढ़ चढ़ कर भारी संख्या में भाग लिया, इस संबंध में महादेववरण शिव मंदिर के अध्यक्ष रामनारायण भगत एवं बद्री भगत बालेश्वर भगत पशुपतिनाथ गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव भक्तों की काफी भीड़ उमड़ पड़ी है, कहलगांव गंगा घाट, विक्रमशिला राम जानीपुर शिव मंदिर , शिवनारायणपुर, मकरामपुर, पीरपैंती,कीशनीचक ,पथलखान वहां के शिव भक्तों ने कांवरियों का भव्य स्वागत किया एवं 54 फीट के कांवर को दर्शन श्रघालूओं ने किया,बताते चलें कि कहलगांव से मिजाचौकी पैदल चलकर जलाभिषेक एक ही दिन में होना एक बड़ी आस्था है, पूजा समिति के अलावे कहलगांव विक्रमशिला शिवनारायणपुर मकरामपुर श्रद्धालुओं के द्वारा व्यवस्था रखी जाती है।हजारों की संख्या में भीड़ आपरूपी शिवलिंग को दर्शन कर अपने मनोकामना पूर्ण होती हैं ऐसा मानना है, शिव?लिंग पर जलाभिषेक को लेकर दर्जनों गांव के शिव भक्त बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवाजी की बारात संध्या में निकाली गई जहां बच्चे देवताओं एवं दूत-भूत के मुखौटे बनाकर नगर भ्रमण किया जिसमें नीमगाछी, गांधीनगर, उतरी महादेववरण, नयाटोला, शाहाबाद, बड़तल्ला, शांतिनगर एवं मिजाचौकी बाजार के आस-पास मुहल्ले का भ्रमण कराया गया गाजे बाजे के साथ बच्चे नाचते गाते दिखे इतना ही नहीं भारी संख्या में सफाहोड़ आदिवासियों ने गंगा स्नान कर महादेववरण शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया।

माननीय सांसद विजय हांसदा ने शिवगादी मेले का किया उद्घाटन

बरहेट/साहिबगंज।राजमहल लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद विजय हांसदा झामुमो नेता संजय गोस्वामी ने दो दिवसीय शिवगादी मेले का उद्घाटन किया। मौके पर बीडीओ अंशु कुमार पांडे,अध्यक्ष रूपक साह,झामुमो अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष राजाराम मरांडी , निमाय चंद्र शील,पप्पू भगत,विनोद भगत,लड्डु भगत,पूनम भगत,गुंजन सिंघानिया, धीरज मोदी,प्रदीप डोकानिया सहित अन्य मौजूद थे।

धूम धाम से निकाली गई शिव बारात

बरहेट/साहिबगंज।प्रखंड क्षेत्र के बरहेट बाजार स्थित भूतेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण से भूतेश्वर नाथ मंदिर सह यज्ञ कमिटी की ओर से महाशिवरात्रि के अवसर पर धूमधाम से गाजे बाजे के साथ शिव बारात निकाली गई जो कि पूरे बाजार का भ्रमण करते हुए। पुनः भूतेश्वर नाथ मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई जगह-जगह शिव बारात का स्वागत लोगों ने किया वहीं मौके पर कमेटी के अध्यक्ष चंद्रशेखर साह अजय भगत धीरज मोदी रूपक मित्रा दिलीप सिंह सोमनाथ शील के अलावे थाना प्रभारी पवन कुमार अपने दल बल के साथ मुस्तैद दिखे।

कोयला लदे चार बाइक को हिरणपुर पुलिस ने किया जब्त

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

हिरणपुर (पाकुड़)। कोयले के अवैध कारोबार व परिवहन पर अंकुश कोयला लदे चार बाइक को जब्त किया गया।लगाने को लेकर पुलिस द्वारा निरन्तर कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को एसआई गोपाल कुमार महतो के नेतृत्व में पुलिसबल ने छापेमारी कर उपरबन्धा में कोयला लदे चार बाइक को जब्त किया गया। सभी कोयला लदे बाइक लिंक पथ निकट बाइक में कोयला लादकर देवपुर , सिउलीडांगा , उपरबन्धा होते हुए कोटालपोखर की ओर जा रहा था कि पुलिस ने सभी बाइक को रोका। इस बीच चारो बाइक चालक मौके से भाग निकला। सभी बाइक में करीब 20 क्विंटल कोयला लदा हुआ था। बताते चले कि कोयले की यह अवैध गोरखधंधा काफी वर्षो से बदस्तूर जारी है। वही पुलिस भी निरन्तर कार्रवाई कर रही है। बाइक के साथ साथ साइकिल में भी कोयले की ढुलाई कर ईंट भट्ठा में ले जाया जा रहा है। कोयले ढोने वाले अधिकांश बाइक चोरी के होने की अंदेशा बनी हुई है। इसको लेकर विभागीय रूप से यथार्त जांच होना आवश्यक है। इस सम्बंध में थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि कोयले की अवैध परिचालन व कारोबार किसी भी हालात में चलने नही दी जाएगी। छापेमारी कार्य निरन्तर जारी रहेगी।

अनुमंडलीय अस्पताल में डॉक्टरों की मनमानी, मरीज प्राइवेट हॉस्पिटल में ईलाज कराने को मजबूर

झारखंड उजाला, संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू : झारखंड सरकार बेहतर चिकित्सा व्यवस्था को लेकर सजग है। स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव भी अनुमंडलीय अस्पताल में बेहतर चिकित्सक, व चिकित्सीय व्यवस्था को लेकर लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को पत्र लिखकर हुसैनाबाद हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र की चिकित्सा व्यवस्था में हो रही कमी को दूर करने का आग्रह किया है। समय समय पर हुसैनाबाद एसडीओ भी अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चिकित्सीय व्यवस्था में सुधार करने का निर्देश देते रहे हैं लेकिन हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सक,कर्मी एवं अस्पताल प्रबंधन व्यवस्था में सुधार करने में असफल रहा है। अनुमंडलीय अस्पताल केवल रेफरल अस्पताल बन कर रह गया है। हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल का सबसे अधिक उपयोग मरे हुए लोगों को पोस्टमार्टम करने एवं लड़ाई झगड़ा होने पर ईलाज के लिए किया जाता है।अगर पोस्टमार्टम की व्यवस्था प्राइवेट हॉस्पिटल में भी होती तो इसके लिए भी लोग सरकारी अस्पताल में नहीं जाते।समय पर चिकित्सा उपलब्ध नहीं रहने के कारण हुसैनाबाद का एक बड़ा हिस्सा प्राइवेट अस्पतालों में इलाज करने को मजबूर है। बुधवार को दोपहर 2:30 बजे के बाद कई मरीज अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद से इलाज कराए बगैर ही लौट गए। लगभग 2:30 बजे से 3:00 बजे के बीच में अनुमंडलीय अस्पताल में डॉ मुकेश कुमार सिंह ड्यूटी पर थे कई मरीज ने उनसे देखने के लिए आग्रह किया की लेकिन उन्होंने मरीजों की बात को नहीं सुना। जनरल ड्यूटी पर तैनात धर्मजीत कुमार ने भी डॉ मुकेश कुमार सिंह को बीपीएम का रेफरेंस देते हुए कहा कि सबको देख लीजिए बीपीएम सर बोले हैं। तब डॉ मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि बीपीएम को ही बोल दो वहीं सबको देख लें।वहीं उपस्थित कुछ लोगों ने बताया कि डॉ मुकेश कुमार सिंह सिद्धनाथ गेट साहित कई अन्य जगहों पर प्राइवेट ओपीडी में देखते हैं आपलोग वहां 400 रुपए फीस देकर उनसे ईलाज करा सकते हैं। इस प्रकार से मरीज को सरकारी अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल में भेजा जाता है।हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी हुसैनाबाद विनेश कुमार,बीपीएम विभूति कुमार को दी गई। मरीजों का कहना है कि हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में कार्यरत कई चिकित्सक अपनी-अपनी प्राइवेट जगह पर ओपीडी चलाकर इलाज करते हैं अस्पताल में केवल अटेंडेंस बनाकर किसी प्रकार से अपना समय को पास करते हैं और सरकार से तनख्वाह के रूप में मोटी रकम लेते हैं।

इंसानियत फाउंडेशन के तीन सदस्यों ने जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को किया रक्तदान

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ः सोनाजोड़ी सदर अस्पताल मे इलाजरत धोबाडंगा के 27 वर्षीय गर्भवती महिला इसमोतारा बीबी को ए पॉजिटिव,हिरणपुर रानीपुर के 30 वर्षीय आहना खातून जो गर्भवती है उन्हें ए पॉजिटिव एवं हाथी पारा के 20 वर्षीय हसीना बीबी जो पाकुड़ नर्सिंगहोम मे है बी पॉजिटिव ब्लड कमी के कारण इलाज नहीं पा रहा था काफी दिक्कत हो रही थीं डॉक्टर ने रक्त चढ़ाने को कहा `मरीजों के परिजनों ने रक्तदाता खोजने का प्रयास किया लेकिन विफल रहा`इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज शेख, परिवहन विभाग के कर्मचारी अजहद आंसरी एवं सदस्य जुबैर से संपर्क किया `सभी ने अपने मित्रगणों को जानकारी साझा कर रक्त अधिकोष जाकर रक्तदान किया कराया जिनमे जुबैर आलम, सोयब अहमद और हाबिल शेख रक्त दाता के रूप मे मौजूद रहे है`परिजनों ने इंसानियत फाउंडेशन का शुक्रिया अदा किया रक्तदाताओ ने कहा कि बहुत अच्छा लगता है जब किसी जरूरतमंदो को अपना खून देकर मदद कर पाते है आगे भी असहाय गरीब जरूरतमंद लोगों को रक्तदान करता रहूंगा`मौके पर सचिव बानिज शेख, एक्टिव सदस्य जुबैर शेख, नूर आलम, अलाउद्दीन शेख कर्मचारी नवीन कुमार और पियूष दास मौजूद रहे।

दोलाबड़ पंचायत में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

कुलबीर सिंह@ झारखंड उजाला संवाददाता

सिंदरी/बलियापुर /धनबाद। महाशिवरात्रि के अवसर पर दोलाबड़ पंचायत के शिव मन्दिर प्रांगण स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बुधवार को जोहार झारखंड फाउंडेशन के तत्वधान में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। नेत्र जांच का कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। शिविर का विधिवत उदघाटन उप प्रमुख आशा देवी, मुखिया प्रतिनिधि राकेश मल्लिक और पंसस भोलानाथ महतो ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि आजकल बच्चे, बुजुर्ग सभी में आंखों की समस्या देखने को मिलती है। जहां बच्चों में अधिक मोबाइल के उपयोग करने से दृष्टि दोष पाए जाते है, वहीं बुजुर्गों में दृष्टिदोष और मोतियाबिंद की समस्या देखने को मिलती है। हर ग्रामीण के लिए दूर शहर जाकर आंखों की जांच करना संभव नहीं है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र जांच शिविर लगाया जा रहा है और आने वाले दिनों में सभी पंचायतों के विभिन्न गांवों में इस तरह की निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाकर असहाय, गरीब लोगों की सहायता करने का लक्ष्य है। इस अवसर पर उन्होंने नेत्रम के नेत्र जांच टीम के सभी सदस्यों को धन्यवाद दी और उनकी समाज सेवा की सराहना की। शिविर में केयर नेत्रम के नेत्र जांच टेनिशियन डॉ अंतेश्वर राम, हिना कुमारी, दीपा कुमारी, अजय कुमार, महादेव मंडल, रौशन कुमार और कैंप कॉर्डिनेटर प्रभाष कुमार महतो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस शिविर में कुल 36 मरीजों की जांच की गई, जिसमें 7 मरीजों में मोतियाबिंद के मरीज पाए गए। मोतियाबिंद से प्रभावित मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन केयर नेत्रालय और नयनदीप अस्पताल में किया जाएगा। इस मौके पर वार्ड सदस्य अजीत गोप, अशोक सेन, सुशील सेन, स्वपन कुमार महतो, विश्वजीत महतो, काशीनाथ महतो, प्रभाष महतो, चंडी विद, भवानी बाउरी आदि लोग का लोग मौजूद थे। शिविर के माध्यम से स्थानीय लोगों को आंखों की समस्याओं की जांच और उचित इलाज की सुविधा मिली, जिससे ग्रामीणों को काफी लाभ हुआ।

बलियापुर ब्लास्टर ने खिताब पर कब्जा जमाया

कुलबीर सिंह@ झारखंड उजाला संवाददाता

सिंदरी/बलियापुर /धनबाद। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बलियापुर क्रिकेट क्लब (बीसी सी) द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट लीग का आयोजन प्लस टू उच्च विद्यालय बलियापुर के मैदान में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आज फाइनल हुआ, जिसका विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और बल्ला चलाकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप प्रमुख ने सभी से खेल भावना से खेल खेलने की बात कही। फाइनल मैच बलियापुर ब्लास्टर और ब्लैक डायमंड क्लब के बीच खेला गया। ब्लैक डायमंड क्लब निर्धारित दस ओवरों में 134 रन बनाए। जवाब में बलियापुर ब्लास्टर टीम 4 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। विजेता, उप विजेता टीम तथा मेन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फिल्डर आदि को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। मौके पर घड़बड़ मुखिया प्रतिनिधि दिनेश सरखेल, अनवर अली खान, सागर दास, मो आजाद, गंभीर दास आदि उपस्थित थे। खेल को सफल बनाने में गुड्डू आलम, इस्तेखार आलम, मोहम्मद इस्तमुल, गौरव, कामदेव, शहबान, एमडी वसीम, शेख दिलमोहम्मद, मो काइम आदि मौजूद थे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालियों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, गाजे बाजे के साथ निकली शिव की बारात

कुलबीर सिंह@ झारखंड उजाला संवाददाता

सिंदरी/ धनबाद। सिंदरी एवं बलियापुर में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। सुबह से ही सभी शिवालियों में भक्तों की लंबी कतार देखी गई। हर कोई भोले बाबा के जलाभिषेक और आशीर्वाद के लिए बेताब था। शिवालियों में घंटियां और शंख की ध्वनि के बीच बम बम भोले के जयकारे गूंज रहे थें। रोहड़ाबांध स्थित थानेश्वर मंदिर से बुधवार को संध्या 4:00 बजे शिव बारात और झांकी निकाली गई। ढोल नगाड़ों एवं गाजेबाजे के साथ निकाली गई बारात के स्वागत और दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु मार्ग पर खड़े होकर इस विहंगम दृश्य को मोबाइल पर कैद करते हुए नजर आए। पालकी में सुसज्जित डमरू लिए दूल्हा बन विराजे भोलेनाथ एवं बाजे पर नृत्य करते देवता,भूत ,प्रेत,वानर एवं राक्षसों के रूप में कलाकारों की टोली शिव तांडव नृत्य से देखने वालों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर रही थी। श्रद्धालुओं द्वारा बारात का स्वागत फल का स्टॉल लगाकर किया गया। बारात रोहड़ावान थानेश्वर मंदिर, अंबेडकर चौक ,कल्पना टॉकीज गोलंबर से चलकर शाहरपुरा बाजार से गुजरते हुए ए सी सी मुख्य गेट समीप स्थित संकट मोचन मंदिर पहुंची, जहां वधू पक्ष की ओर से अगवानी करते हुए मंदिर कमेटी के सदस्यों द्वारा बारात का स्वागत किया गया। उपरांत मंदिर पुरोहित संतोष पांडेय द्वारा मंत्रोच्चार कर माता पार्वती और शिव के वरमाला की रस्म हुई। मंदिर परिसर में मंगल स्त्रोत पाठ कर शिव विवाह की लीला का सांकेतिक विवाह रचाया गया एवं सभी भक्तजनों को महाप्रसाद का वितरण किया गया। पुनः बारात का समापन रोहड़ावान स्थित शिव मंदिर पहुंचकर किया गया जहां कमेटी के सदस्यों द्वारा रोहड़ावान थाना परिसर में सभी भक्तजनों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान प्रशासन की टीम भी व्यवस्था को लेकर चाकचौबंद थी। मौके पर दीपक कुमार दीपू, दिनेश सिंह, सिंदरी थाना प्रभारी संजय कुमार,सुनील वर्मा ,मणि भूषण सिंह, विनय शंकर सिंह, दिलीप रोटोलिया, अखिलेश सिंह , संजय सिंह ,बृजेश सिंह, शैलेंद्र द्विवेदी, महेंद्र पांडेय,अमरिंदर सिंह, बासुकीनाथ सिंह ,विक्रम ,रवि ,गुड्डू, उप्पल चौबे ,रूपेश कुमार सिंह सहित कई उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि के अवसर पर पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता व विधायक प्रत्याशी रश्मि प्रकाश पहुंचे महादेव मठ

चतरा। महाशिवरात्रि पूजा पर कुंदा प्रखंड में धुमधाम से महादेव की पूजा अर्चना किया गया।इस अवसर पर राज्य सरकार के पूर्व मंत्री सत्यानन्द भोक्ता एवं विधायक प्रत्याशी रश्मि प्रकाश शामिल हुए।इस दौरान उन्होंने महादेव मठ मंदिर में जाकर भोलेनाथ की दर्शन कर क्षेत्र में सुख-समृद्धी के लिए प्रार्थना किया।प्रसाद ग्रहन किया मंदिर के व्यवस्था को देख मंत्री ने कमिटी के सदस्यो सराहना किया।मंत्री ने शिवरात्रि पूजा की शुभकामनाएं देते हुए मुझे जनता से काफी जुड़ाव रहा है मै हमेशा जनता के सुख-दुख में साथ हूं।मौके पर अपने कार्यकर्ता एवं समर्थक से मिलकर हाल-चाल जाना।

पूजा करने गए पारा शिक्षक का पैर फीसलने से हुई मौत

चतरा। पारा शिक्षक पंकज कुमार गुप्ता का निधन बांकेधाम बाँकेबाजार में महाशिवरात्रि को आकस्मिक रूप से हो गई।इस संदर्भ में पारा शिक्षक नेता मिथिलेश कुमार सोनू ने बताया कि पूरे परिवार के साथ आज बाके बाजार पहाड़ी मंदिर पर पूजा करने के लिए पंकज गुप्ता गए हुए थे।किंतु होने को कुछ और ही मंजूर थी पहाड़ी मन्दिर के सीढ़ी से पैर फिसलता है और गिर जाने से उन्हें काफी चोट आई।लोगों के द्वारा स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सक ने इन्हें मृत घोषित कर दिया।पंकज कुमार गुप्ता की अचानक इस निधन से पूरा पारा शिक्षक परिवार और जिले के लोग हतप्रभ है। पारा शिक्षक नेता मिथिलेश कुमार सोनू, डूमरवार पंचायत मुखिया प्रतिनिधि रामजी पासवान, मनोज कुमार सिन्हा, प्रवीण कुमार सिन्हा पिंकू,अरविंद कुमार सिन्हा, धनंजय शर्मा, मोहन प्रसाद गुप्ता सहित कई लोगों ने इस असामायिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के चुनाव में समर्थन जुटाने के लिए प्रत्याशियों ने मांगा समर्थन

चतरा। झारखंड पुलिस एसोसिएशन झारखंड रांची केंद्रीय कार्यालय में आयोजित आम अधिवेशन समारोह एवं चुनाव को लेकर चतरा एसोसिएशन से समर्थन मांगने के लिए प्रत्याशियों ने चतरा पहुंचे। इस अवसर पर चतरा एसोसिएशन ने प्रत्याशियों को फूल माला एवं अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया। मंच का संचालन चतरा एसोसिएशन के सचिव दुखी राम महतो ने किया। इस अवसर पर इंस्पेक्टर विपिन कुमार सदर थाना प्रभारी मौजूद थे।रांची से आए प्रत्याशियों ने उपस्थित एसोसिएशन को बताया कि 27 फरवरी को केंद्रीय कार्यालय रांची में महाधिवेशन समारोह तथा 28 फरवरी को चुनाव की तिथि निर्धारित है। दोनों कार्यक्रम केंद्रीय कार्यालय, लाइन टैंक रोड, रांची में आयोजित किए जाएंगे।प्रत्याशियों ने चुनाव को लेकर समर्थन मांगा तथा कहा कि वे अनुभवी, मेहनती, योग्य एवं जुझारू प्रत्याशी को वोट दें तथा उसे भारी मतों से विजयी बनाएं।इस अवसर पर 31 बिंदुओं पर आधारित संकल्प पत्र भी प्रस्तुत किया गया।

लंगरकोट मुरली पहाड़ी पर महाशिवरात्री पर्व के अवसर पर मेला का हुआ आयोजन

सत्यम शिवम सुंदरम की भक्ति करने से मोक्ष की प्राप्ती होती है : एसडीएम

मेला का उद्घाटन एसडीएम व थाना प्रभारी ने फीता काटकर किया

दीपक कुमार, झारखंड उजाला संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू : हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध लंगर कोट मुरली पहाड़ी पर हर साल की भांति इस बर्ष भी महा कालेश्वर शिव धाम परिसर में महाशिवरात्री पर्व के अवसर पर क्षेत्रीय मेला का आयोजन हुआ।मेला का उद्घाटन हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी गोरांग महतो व हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी शिव धाम पुजारी महंत विनय कुमार सिंह त्यागी ने फीता काटकर किया। मौके अनुमंडल पदाधिकारी गोरांग महतो ने कहा कि महाशिवरात्रि के पर्व मेला के अवसर पर आए हुए सभी सम्मानित श्रद्धालुओ को हार्दिक शुभकामनाए, उन्होंने कहा की सत्यम शिवम सुंदरम सत्य ही शिव है और देवो के महादेव हैं इनके अराधना से हर प्राणी सुख समृद्धी व मोक्ष कि प्राप्ति होती है।वहीं थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने कहा की यह मेला में आए हुए अभी श्राद्धालुओ से निवेदन हैं की कृपया शांति माहौल बना कर मंदिर परिसर जाकर पूजा अर्चना करें और एक दुसरे को सहयोग करें ताकी भक्त को किसी प्रकार के परेशानी ना हो। पुजारी महंत विनय कुमार सिंह त्यागी ने कहा की प्रत्येक वर्ष महाशिवरात्री के दिन महाकालेश्वर शिवधाम परिसर में मेला का आयोजन किया जाता है और हजारो हजार की सख्या में श्रद्धालुओं वेल पत्र भांग धतुरा अन्य पूजा समाग्री चढ़ाकर जलाभिषेक कर पुन्य कि भागी बनते हैं। यह मेला का सफल बनाने में अखबार बिक्रेता प्रेमचन्द चौधरी शिक्षक मनोज कुमार चौधरी पुर्व पंचायत समिति सदस्य रामजी राम समाजसेवी पवन कुमार पटेल समाजसेवी सैनिक सुधीर कुमार सिह उर्फ पप्पू सिह डां रामचन्द्र चौधरी अजय कुमार शर्मा बिहारी चौधरी रामजवित पासवान विकास चौधरी गोपाल पटेल लल्लू प्रसाद सिंह सरजू चौधरी सहेन्द्र ठाकुर गौधन ठाकुर विपीन कुमार पटेल सुदेश्वर प्रसाद गुप्ता रामवृक्ष सिंह चौकीदार मनोज कुमार पासवान मुन्नी राम कमता पासवान अंगद कुमार दिनेश्वर चौधरी सहित हजारो शिव भक्त मौजूद थे।

स्थानीय पत्रकारों के साथ अपने रिश्तों को ओर प्रगाढ़ करते हुए चार दिवसीय यात्रा का आयोजन

केरेडारी/हजारीबाग। एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने स्थानीय पत्रकारों के साथ अपने रिश्तों को ओर प्रगाढ़ करते हुए चार दिवसीय यात्रा का आयोजन किया। स्थानीय पत्रकारों की टीम को उनके परिवार जनों के साथ सर्व प्रथम कुंभनगरी प्रयागराज ले जाया गया जहाँ पर सभी पत्रकार बंधुओं ने अपने प्रियजनों के साथ पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान किया। कुंभ में स्नान के पश्चात सभी माँ विंध्यवासिनी की नगरी विध्यांचल पहुँचे जहाँ पर सभी ने माता का दर्शन किया। यात्रा के तीसरे दिन सभी सांस्कृतिक धरोहर और अध्यात्म की नगरी काशी पहुँचे जहाँ पर इस पौराणिक शहर का सभी ने भ्रमण के साथ साथ ऐतिहासिक मंदिरों का दर्शन भी किया। बनारस पहुँचते ही पत्रकार बंधु घाटों की ओर बढ़े और अस्सी घाट से शुरू हुआ सिलसिला मणिकर्णिका तक जा पहुँचा जहाँ उन्होंने जीवन के अंतिम सत्य को देखा। प्रयाग, विंध्याचल, वारणसी के प्रवास के बाद पूरी टीम अपने घरों के लिए रवाना हुई जहां अपने घर से नजदीक पडने वाली माँ भद्रकाली मंदिर का भी दर्शन पूजन किया। इस पूरी यात्रा ने सभी के चेहरों पर अध्यात्म, उत्साह और उमंग लौटाई है। सभी ने इस यात्रा के लिए पकरी बरवाडीह प्रबंधन का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इस टूर से हमने कई सारी यादें, कई लम्हें बटोरी हैं जो आने वाले दिनों में हमारी चेहरों पर मुस्कान लाने की वजह बनेगी!

चतरा एंव गिद्धौर प्रखंड के पीडीएस दुकानों मे मची है लूट, जदयू जिलाध्यक्ष ने किया जांच की मांग

मुकेश कुमार यादव @ झारखंड उजाला ब्यूरो

चतरा। जिले के सभी पीडीएस दुकानदारो को जहां सरकारी दर पर खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जाता है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि लगभग सभी दुकानों में लाभुकों को नियमों के हिसाब से कम माप के साथ अनाज दिया जाता है। जदयू जिला अध्यक्ष राम आशीष कुमार ने बताया कि सभी पीडीएस में नियमों के अनुसार पांच किलो अनाज मिलने का सरकारी प्रावधान है लेकिन लगभग सभी पीडीएस दुकानदार लाभुकों को चार से साढ़े चार किलो ही अनाज देते हैं।

गोदाम मालिकों ने कहा कि पीडीएस दुकानों में भेजे जा रहे हैं पर्याप्त अनाज

लोगों की शिकायत पर पीडीएस दुकानदारों से जब बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया।वहीं हमने जब गोदाम इंचार्ज से बात की तो उन्होंने बताया कि उनके द्वारा सभी पीडीएस में नियमों के अनुसार पर्याप्त खाद्य पदार्थ ही दिया जाता है। यदि पीडीएस के द्वारा लाभुकों को पांच किलो अनाज नहीं दिया जा रहा है तो इसमें गोदाम मालिक की कोई गलती नहीं है।

जदयू जिला अध्यक्ष उपायुक्त से कार्रवाई करने का की मांग

जदयू जिला अध्यक्ष ने कहा कि अगर जल्द से जल्द सदर एंव गिद्धौर प्रखंड में जन वितरण प्रणाली की दुकानों को दुरुस्त नहीं किया जाता है, तो जल्द ही वह राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री को इसकी शिकायत करेंगे।इसके साथ ही यह मांग करेंगे कि चतरा में जन वितरण प्रणाली की दुकानों में चल रहे भ्रष्टाचार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए इसपर नियंत्रण लगाया जा सके।

बाल श्रम के रोकथाम हेतु ज़िला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला ब्यूरो।

हजारीबाग। बाल श्रम ज़िला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आज दिनांक 25.05.2025 को अपर समाहर्ता श्री संतोष सिंह के अध्यक्षता में की गई। बैठक में बाल श्रम से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान श्रम अधीक्षक अनिल कुमार रंजन ने बताया कि वर्तमान वित्तिय वर्ष में अब तक 14 बाल श्रमिक इस ज़िले से विमुक्त कराये गये हैं। सभी नियोजक पर बाल श्रम आधिनियम के अंतर्गत एफआइआर की गई है,एवम् सभी नियोजक से 20 हजार रुपए की दर से राशि की वसूली की गई है। विमुक्त चौदह बच्चों में ग्यारह बच्चे ज़िले के बाहर एवं अन्य राज्य से हैं,शेष तीन हजारीबाग ज़िला से हैं। विमुक्त बच्चों के परिवार को सरकार के विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया है। जिला में बाल श्रमिको को विमुक्त कराने के लिए धावा दल क्रियाशील है। धावा दल में श्रम अधीक्षक, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, ज़िला बाल सरंक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, चाइल्ड हेल्प लाइन के अलावा कई एनजीओ भी शामिल हैं। साथ इस कार्य हेतु नियमित अंतराल पर बाल श्रम के विरुद्ध अभियान चलाया जाता है। बैठक में अपर समाहर्ता ने निर्देश देते हुए कहा कि समय समय पर यह जारी रखने की जरूरत है। विशेष कर कोनार पुल के आस पास विभिन्न होटल, रेस्तराँ, ढाबों एवं पुराना समाहरणालय के आस पास छापेमारी कर बाल श्रम के विरूद्ध अभियान चलाने को कहा। चाइल्ड हेल्प लाइन के लिए जारी टोल फ्री नंबर 1098 का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया। चाइल्ड लाईन को प्राप्त शिकायत का पंजी में संधारित करने का भी निदेश चाइल्ड लाइन को दिया। बैठक में अपर समाहर्ता के अलावा श्रम अधीक्षक, डीसीपीओ संजय प्रसाद , अनुमंडल कार्यालय से कार्यपालक दण्डाधिकारी, सपोर्ट एनजीओ से भवानी शंकर गुप्ता, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक रवीश कुमार सीडब्लूसी से मुन्ना कुमार एवं श्रम कार्यालय से रवि एवं सूरज उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर धूम धाम से निकाली गयी शिव बारात, भक्त झूमे

हुसैनाबाद, पलामू: महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को जपला रेलवे परिसर स्थित आशुतोष धाम मंदिर प्रबंधन द्वारा भव्य शिव बारात निकाली गयी। बैंड बाजा के धुन पर नाचते गाते, झूमते भक्तो की भीड़ शिव बाराती बनी। बारात की शुरूआत मंदिर परिसर से पंडित शम्भू पाठक द्वारा वैदिक मंत्रोचारण के साथ शुरूआत कर किया गया। शिव बारात मंदिर परिसर से शुरू होकर जेपी चौक, अम्बेडकर चौक होते हुए मुख्य बाजार का भ्रमण किया। जहां जगह जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर शिव बाराती का स्वागत किया गया। बारात में भगवान शिव, माता पार्वती सहित अन्य देवी-देवताओं की झांकियां निकाली गई। साथ ही बाराती में बाल गोपाल भी शामिल हुए थे, हर-हर महादेव के जयघोष और भक्तिगीतों से वातावरण भक्तिमय हो गया। शिवरात्रि के दिन जयकारों से शहर का माहौल पूरा शिवमय हो गया। शिव मंत्रों और गीतों की धुन पर श्रद्धालु अबीर-गुलाल उड़ा रहे थे। पूरा हुसैनाबाद क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। मौके पर आरपीएफ इंस्पेक्टर राजेश कुमार मीणा, सब इंस्पेक्टर कार्तिक बिंझा, प्रकाश अग्रवाल, जेपी प्रसाद, युगेश प्रसाद यादव, समाजसेवी राजेश्वर सिंह,रवि यादव, छोटेलाल गुप्ता, राकेश कुमार,संजय सिंह, मिथलेश कुमार, आदि थे।

उपायुक्त के जनता दरबार में कुछ माह पूर्व आए गंभीर रोग से पीड़ित राजेश कुमार के हृदय रोग संबंधी दवाओं के लिए उपायुक्त ने सौंपा चालीस हजार का चेक

जागेश्वर कुमार झारखंड उजाला ब्यूरो।

हजारीबाग। उपायुक्त श्रीमती नैंसी सहाय के द्वारा हर मंगलवार एवं शुक्रवार को जिले के दूर दराज से आए ग्रामीणों के लिए जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस जनता दरबार में जिले के तमाम जनमानस आस लगाए अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखते है तथा उपायुक्त द्वारा भी लगातार आमजनो से मिलकर उनकी समस्याओं को कम करने के प्रयास करतीं है। आज इसी क्रम में कुछ माह पूर्व आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर बड़कागांव प्रखंड के पकरी बरवाडीह निवासी राजेश कुमार ने अपनी हृदय रोग के चिकित्सीय सहायता हेतु मदद की गुहार उपायुक्त के समक्ष लगाई थी। उपायुक्त ने इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल सीएसआर मद से इनके इलाज के उपरांत लगने वाले दवाइयों के खर्च के लिए चालीस हजार का चेक सौंप कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान की। उपायुक्त ने एचडीएफसी बैंक, आनंदा चौक शाखा के सीएसआर मद का उपयोग हेतु एचडीएफसी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सौरभ रंजन एवं शाखा प्रबंधक राजन सिंह से वार्ता कर तत्काल राहत हेतु वित्तीय सहयोग का निर्णय लिया एवं यथाशीघ्र लाभुक को चेक उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। चेक को पाकर प्रभावित लाभुक और इनके परिजनों ने उपायुक्त को इस मदद के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। इस दौरान जिला योजना पदाधिकारी श्री पंकज कुमार तिवारी मौजूद थे।

बारिश के मौसम में मकान को खूबसूरत रखना बड़ा कठिन है। कहीं कोई सामान भीग रहा है तो कहीं फर्नीचर खराब हो रहा है। अगर इन सबसे बचना है तो थोड़ी सी सावधानियां रखकर इनसे बचा जा सकता है।

बरसात में बनाएं घर को खूबसूरत

काफी इंतजार के बाद अब मानसून का मौसम आ गया है। इस मौसम में घर की खूबसूरती बनाए रखने में सबसे अधिक परेशानी आती है। सबसे पहले तो इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि घर में ह्यूमिडिटी को कम से कम किया जा सके। दूसरे इस बात के चलते घर के इंटीरियल पर कोई खास असर न पड़े। यदि आप बारिश के मौसम का भरपूर लुत्फ उठाना चाहते है तो इसके लिए आपको घर में कुछ बदलाव करना जरूरी है। आइए जानें ये बदलाब कैसे करें।

हरी-भरी गली

इंडोर प्लांट्स के लिए मानसून सबसे अच्छा मौसम होता है। इस वक्त धूप कम होती है, इसलिए अपने सभी आउटडोर प्लांट्स को निकाल कर बारिश में रख सकते हैं। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपके प्लांट्स हरे-भरे और आकर्षक लगेंगे।

फ्रेश वार्डरोब

मानसून में अच्छी धूप न मिल पाने के कारण कपड़े गीले रह जाते हैं। इस कारण से वार्डरोब में गीले कपड़ों की बदबू आने लगती है। आडोनिल के एयरफ्रेशनेस पैक्स, नैपथलीन, बाल्स, कपूर, नीम की पत्तियां और लांस का उपयोग इस स्मेल, बैक्टीरिया और फंगस से बचा जा सकता है।

कारपेट एवं रग्स

मानसून में सबसे ज्यादा परेशानी अपने कारपेट्स और रग्स को संभालने में होती है। कारपेट और रग्स को ड्राई क्लीन कराने के बाद इन्हें प्लास्टिक बैग्स में संभाल कर रख देना चाहिए।

लेदर प्रॉडक्ट्स

नमी के कारण लेदर प्राडक्ट्स, शूज, हैंड बैग्स, लैपटॉप बैग्स, सीट्स और सोफा सेट में फंगस से बचाने के लिए लेदर क्लीनर्स से इन्हें साफ किया जा सकता हैं।

कर्टन के तरीके

मानसून में भी फैबिक्स की लेयर्स नहीं होनी चाहिए। इससे ह्यूमिडिटी बढ़ती हैं। परदों में हलके फैब्रिक्स का उपयोग करें। इसके लिए रेग्यूलर बेसिस पर शिफान, नेट और स्पेशल ओकेजंस पर टस्सर सिल्क फैब्रिक में कर्टन चुनें।

चांदी के सामान

चांदी को सर्वाधिक नुकसान आक्सिडाइजेशन से होता है, जो बारिश के मौसम में होता है। नमी और हवा में मौजूद आक्सीजन दोनों मिलकर चांदी को काला बना देते हैं। इन्हें बचाने के लिए ज्यूलरी और बर्तनों को काटन फैब्रिक और पेपर में लपेट कर रख सकते हैं।

टच वुड

मानसून का असर वुडेन फ्लोरिंग पर भी देखने को मिलता है। एक तो ह्यूमिडिटी और दूसरे गीले कारपेट व मेट, दोनों मिलकर वुडेन फ्लोरिंग, किचन वुड शेल्फ को जल्दी खराब कर सकते हैं। अधिक नमी होने से लकड़ी भीगकर टूटने-मुड़ने लगती है। इसके लिए मानसून से पहले इन्हें वैक्स कोटिंग करा लेना चाहिए।

इलेक्ट्रानिक गैजेट्स

मानसून के मौसम में कैमरा लैंस, कम्प्यूटर मॉनिटर, एलसीडी टेलीविजन में फंगस लग जाती है। कैमरा केस में नमी को कंट्रोल करने के लिए उसमें सिलिकन बेग रखे जा सकते हैं। कंप्यूटर मॉनिटर और एलसीडी टेलीविजन के आसपास नमी पैदा करने वाली चीजों जैसे कूलर को दूर रखना चाहिए। क्लीनिंग के वैक्यूम क्लीनर का उपयोग बेहतर विकल्प हैं।

किराए का घर और साज-सज्जा

कई लोग जो किराये के घर में रहते हैं, उनके लिए घर की सजावट को लेकर कई समस्याएं होती हैं। विशेषकर उन लोगों के लिए, जिनका तबादला बार-बार होता रहता है। उनके लिए फर्नीचर भी ऐसा होना चाहिए, जिससे जगह बदलने पर मुश्किल न हो। जो लोग किराए के घरों में रहते हैं, वे अपना घर कैसे सजाएं? हम यहां किराए के घर में रहने वालों के लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं।

- फर्नीचर हल्के बनवाएं। सोफे की जगह केन, रॉट आयरन-वुड कॉम्बीनेशन, मेकेनाइज्ड फर्नीचर या गद्दों का इस्तेमाल करें। ये फर्नीचर जल्दी नहीं टूटते हैं।
- अगर आप सोफा बनवाना चाहती हैं, तो गद्दी अलग रखवाएं।
- स्थानांतरण में इस्तेमाल होने वाले बड़े बॉक्स के ऊपर गद्दा डाल कर सेटी या मेज का काम ले सकती हैं।
- दीवारों पर न्यूट्रल रंग करवाएं, जो हर फर्नीचर के साथ अच्छा लगेगा।
- रोशनी के लिए टेबल लैंप या स्टैंडिंग लैंप लगवाएं। स्थायी व्यवस्था ना करें।
- घर में परदों का बहुत महत्व होता है। किराए के घर में अनेक बदरंगी दीवारों, अलमारियों आदि को ढंकने के लिए खूबसूरत परदे लगाएं।
- परदे खूबसूरत, शालीन व ऐसे रंगों के लें, जो आप घर बदलने पर भी इस्तेमाल कर सकें।
- फोल्डिंग डाइनिंग टेबल बहुउपयोगी होती है। इसे आप किसी भी कमरे में रख सकती हैं। यह जगह भी कम घेरेगी।
- घर के अंदर सिल्क प्लांट का इस्तेमाल करें। ये नकली प्लांट बेहद खूबसूरत, टिकाऊ और इस्तेमाल में आसान होते हैं।
- बेड व सेटी में स्टोरेज बनवाएं, ताकि सामान ले जाते समय दिक्कत न हो।
- किराए के घर में महंगे, भारी-भरकम फर्नीचर रखने का मोह छोड़ें।
- अगर कमरे बड़े हैं, तो दो या तीन सिटिंग अरेंजमेंट कर सकती हैं।
- घर जमाते समय समान की लिस्ट बना लें कि आपके पास क्या-क्या है और कौन-सी चीज आपने अटारी में रखी है।

साफ-सफाई के बेहतर टिप्स

बरसात के मौसम घर में अनेक वस्तुओं की साफ-सफाई करनी पड़ती है। इसके लिए ये टिप्स आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे।

- अगर कपड़े की झाड़न पर गर्द कुछ ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो हाथों को थोड़ा गीला कर कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द आसानी से उतर जाएगी।
- रजाई-तकिए के कवर धोकर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए। अब देखिए चमत्कार, सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार फौरन उतर जाएगा। इससे कवर का कपड़ा भी मुलायम हो जाएगा।
- रजाई के कवर को आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद उलटा सुखा दें। उलटे कवर के अंदर रजाई के दोनों कोने डालकर गोल-गोल लपेटते जाएं। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठाकर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ कवर सीधा होकर रजाई पर आसानी से सीधा होकर चढ़ जाएगा।
- आपके यहां डस्टबिन मेटल का है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान हो सकते हैं। इसका आसान सा इलाज है। मेटल के कूड़ेदान की बदबू खत्म करने के लिए उसमें पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। आग समस्या का समाधान कर देगी।
- टॉयलेट में बहुत बदबू आ रही हो तो थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की तीली जला देना भर काफी है।
- आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकते हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टोंटियां और वाशबेसिन साफ हो जाते हैं। इन पर जमे साबुन की चिकनाई और भी मैल साफ हो जाता है और पैराफिन से इनकी चमक भी लौट आती है।
- बाथरूम में पानी की टपकने या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को नमक और सिरके की बराबर मात्र के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को उन पर भी आजमा सकते हैं।

दीवानगी ड्रेप्ड ड्रेसेज की

आजकल लड़कियां बॉलीवुड और हॉलीवुड की नकल तेजी से कर रही हैं। हॉलीवुड में चर्चित ड्रेप्ड ड्रेसेज का चलन इंडिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। किसी खास पार्टी में इस तरह की ड्रेस पहने कोई न कोई दिख ही जाएगा। इन दिनों लड़कियों को ड्रेप्ड ड्रेस खूब भा रहा है। गाउन से मिलती-जुलती ड्रेप्ड ड्रेस बिल्कुल लेटेस्ट फैशन है।

क्या है ड्रेप्ड ड्रेस

जैसा कि इसके नाम से ही लग रहा है कि यह कोई ऐसा ड्रेस है जो लपेटा हुआ होता है। यदि आप इस ड्रेस को देखें तो ऐसा लगेगा कि किसी ने टॉवेल या बेडशीट लपेट लिया हो, लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक पूरा का पूरा ड्रेस है। अपने देश में इसका चलन अभी शुरुआती दौर में हैं, लेकिन विदेशों में यह खूब पसंद किया जा रहा है। रिएलिटी शो बिग बॉस में हॉलीवुड एक्टर्स पामेला एंडरसन ने इस ड्रेस को पहन कर लोगो को ड्रेप्ड ड्रेस से रूबरू कराया था। अधिकांश लोग तो समझ ही नहीं पाए थे कि टॉवेल जैसी दिखने वाली यह ड्रेस आखिर में है क्या ? क्या पॉमेला ने कोई कपड़ा लपेटा है या यह कोई खास ड्रेस है। फैशन डिजाइनर मानते हैं कि ड्रेप्ड ड्रेस फिटेड हो या लूज, अगर इसे अच्छे से कैरी करेंगी, तो वह खूब फबेगी। ड्रेप्ड ड्रेसेस को अभी तक बड़े महानगरों में ही पार्टियों में पहने देखा गया है।

बेस्ट फैब्रिक

अगर आप ड्रेप्ड ड्रेस डिजाइन करवा रही हैं, तो इसके लिए जरूरी है बेस्ट फैब्रिक का चुनाव। चूंकि ड्रेप्ड ड्रेस में सिलुएट्स व नॉट्स खूब यूज की जाती हैं, ऐसे में लाइट कलर के फैब्रिक का चुनाव करना चाहिए। लाइट फैब्रिक में जॉर्जेट, साटन, जरदोजी, क्रेप, लिनन व जॉर्जेट का चुनाव बेहतर रहता है। यदि आप इंडो-वेस्टर्न लुक चाहती हैं तो उसके लिए भी ड्रेप्ड ड्रेस परफेक्ट है।

परफेक्ट कलर

ड्रेप्ड ड्रेस के लिए ब्राइट कलर चुनें। दरअसल, यह ड्रेस वेस्टर्न कॉन्सेप्ट पर बेस्ड है। ऐसे में ब्लैक, रेड, ग्रे व क्रीम कलर ट्राई कर सकती हैं। वैसे, अम्बर प्रिंट्स में भी ड्रेप्ड ड्रेस खूब पसंद की जा रही है। इसे आप दो से तीन कलर में डिजाइन करवा सकती हैं। वैसे तो ड्रेप्ड ड्रेस प्लेन फैब्रिक में ही ज्यादा पसंद की जाती है, लेकिन आप इसे शादी व पार्टी के पर्पज से चाहती हैं तो इसमें स्वरोस्की, नग, लेस व सितारा वर्क करवा सकती हैं।

स्टाइल व पैटर्न

गाउन जैसा दिखने वाला ड्रेप्ड ड्रेस फैशन में लेटेस्ट ट्रेंड है। इस ड्रेस में सिलुएट्स व नॉट्स पैटर्न को खूब यूज किया जाता है। ड्रेप्ड ड्रेस को लूज ड्रेस माना जाता है, लेकिन डिफरेंट स्टाइल के कारण पतली लड़कियों को भी खूब पसंद आता है। कभी-कभार पहने जाने वाला यह ड्रेस काफी बोल्ड व सेक्सी लुक देती है।

अलग-अलग है वैरायटी

अगर ड्रेप्ड ड्रेस की बात करें, तो यह कई वैरायटी में उपलब्ध हैं। आप इसे शॉर्ट, लॉन्ग, फिटेड व लूज पैटर्न में डिजाइन करवा सकती हैं। वैसे, यह इटैलियन ड्रेस है, जो काफी हद तक जंप सूट से मिलती- जुलती है। इस ड्रेस की खूबी है कि इसे 20 से लेकर 40 साल तक की महिलाएं बड़ी आसानी से कैरी कर सकती हैं।

सिलेब्रिटीज की है खास पसंद

वैसे तो ड्रेप्ड ड्रेस हॉलीवुड एक्ट्रेस की पहली पसंद है, लेकिन अब यह इंडिया में भी पॉपुलर होने लगी है। यह ड्रेस अभी बॉलीवुड तक ही सीमित है। फैशन डिजाइनर मानते भी हैं कि यह बॉलीवुड एक्ट्रेस को खास पसंद आ रहा है। यह एलिगेंट ड्रेस है और इंडियन वुमन की फिगर के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। बॉलीवुड की एक्ट्रेस सोनम कपूर, कंगना राणावत, रानी मुखर्जी को ड्रेप्ड ड्रेस बहुत पसंद है और इनकी वजह से ही आम लड़कियों और महिलाएं भी इस ड्रेस की ओर अट्रैक्ट हो रही हैं।

क्या हुआ इन क्या हुआ आउट

कलरफुल बीड्स

इन दिनों कलरफुल बीड्स का फैशन काफी इन है। खासतौर पर वाइट ड्रेस के साथ इसे खूब कैरी किया जा रहा है। चाहे आप शर्ट पहनें या सूट, बीड्स के साथ कैरी करने के लिए इसे प्लेन होना चाहिए।

सिट्रस शेड्स

आजकल सिट्र्स शेड्स बेहद डिमांड में हैं। इनमें कुर्तियां, फ्लो वाली ड्रेसेज, चूड़ीदार सूट, अनारकली सूट्स, ट्यूनिक्स और साड़ियों जैसी तमाम ड्रेसेज शामिल हैं।

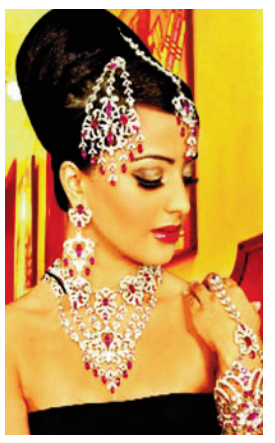

प्लेन जूलरी

इन दिनों प्लेन जूलरी बिल्कुल पसंद नहीं की जा रही है। इसकी जगह थीम पर बेस कॉकटेल जूलरी हॉट बनी हुई है, जो विक्टोरियन व मुगलकाल से इंस्पायर्ड है।

टाइट फिटेड जींस

टाइट फिटेड जींस इस सीजन में फैशन से बाहर हो गई है। हालांकि लेगिंग्स में टाइट लेगिंग्स अभी भी हॉट बनी हुई हैं।

राजद्रोही तत्वों से निपटने के लिए सरकार के पास होने चाहिए पर्याप्त कानून

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

सवाल यह है कि विचारों की स्वतंत्रता विविधता अथवा क्षेत्रवाद की आड़ में जो लोग संविधान और देश की एकता-अखंडता को चुनौती देने के साथ ही उसे छिन्न-भिन्न करने का इरादा रखते हैं उन्हें राजद्रोह के दायरे में लाया जाना चाहिए या नहीं? अंग्रेजों ने 152 साल पहले राजद्रोह का जो कानून बनाया था उसका मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता के आकांक्षी भारतीयों का दमन करना और ऐसा माहौल बनाना था कि कोई भी उनकी हुकूमत को चुनौती न देने पाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय बड़ी संख्या में स्वतंत्रता सेनानी इस कानून का शिकार बने। इनमें बाल गंगाधर तिलक और गांधी जैसे नेता भी शामिल थे। आजादी के बाद हमारे संविधान निमार्ताओं ने एक ऐसा संविधान तैयार किया जो पूरी दुनिया के लिए मिसाल बना, लेकिन जिस तरह इस संविधान के कुछ विधान वही रहे, जो अंग्रेजी सत्ता के दौरान थे उसी तरह भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता के कई नियम-कानून वही बने रहे, जो अंग्रेजों ने बनाए थे। इनमें राजद्रोह कानून भी है।

चूंकि इसे एक दमनकारी कानून माना गया इसलिए इसे लेकर रह-रहकर सवाल भी उठते रहे- कभी राजनीतिक दलों की ओर से, कभी मानवाधिकारवादी संगठनों की ओर से और कभी न्यायपालिका की ओर से भी। यह माना जाता है कि आजादी के बाद भी इस कानून को बनाए रखने की आवश्यकता इसलिए महसूस की गई ताकि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए चुनौती बने तत्वों का सामना किया जा सके। 1962 में सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यों की पीठ ने केदार नाथ सिंह के मामले में राजद्रोह कानून की उपयोगिता और सीमाओं को लेकर एक अहम निर्णय दिया था, फिर भी ऐसे शिकायती स्वर शांत नहीं हुए कि इस कानून का मनमाना इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे शिकायती स्वरों का मूल कारण यह है कि सरकारों के स्तर पर राजद्रोह कानून के ह्यदुरुपयोगह्ण का सिलसिला कायम रहा। अनेक मामलों में यह देखने में आता है कि सरकारें अपने कटु आलोचकों अथवा राजनीतिक विरोधियों को सबक सिखाने के लिए इस कानून का बेजा इस्तेमाल करती हैं।

राजद्रोह कानून के मनमाने इस्तेमाल के

सिलसिले के बीच बीते दिनों इस कानून को रद करने की मांग वाली एक याचिका की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जब केंद्र सरकार से राय जाननी चाही तो पहले तो उसने इस कानून को बनाए रखने की पैरवी की, लेकिन फिर प्रधानमंत्री की अप्रासंगिक कानूनों को खत्म करने की पहल का हवाला देते हुए उस पर पुनर्विचार का भरोसा दिया और इसके लिए तीन माह का समय मांगा। इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल इस कानून के इस्तेमाल पर रोक लगा दी, बल्कि इसकी समीक्षा होने तक ऐसे मामलों में कोई कदम न उठाने का आदेश भी दे दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में जिस तरह यह कहा कि किसी के भी खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज नहीं होगा, उससे उन तत्वों को बल नहीं मिलना चाहिए, जिनका आचरण वास्तव में राजद्रोह के दायरे में आता है। सुप्रीम कोर्ट का अंतिम निर्णय कुछ भी हो, किंतु ऐसे किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता कि राजद्रोह का प्रत्येक मामला सरकार की मनमानी का परिचायक ही होता है। कोई भी ऐसा दावा नहीं कर सकता कि देश में वैसी कोई गतिविधियां नहीं हो रही हैं जो राजद्रोह के दायरे में न आती हों। नक्सलवादी संगठन तो खुलेआम संविधान और लोकतंत्र को चुनौती देने में लगे हुए हैं। शहरों में रह कर इन नक्सलियों को अपना सक्रिय वैचारिक समर्थन देने वाले, जिन्हें अब अर्बन नक्सल कहा जाने लगा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग ही करते हैं। नक्सलियों की तरह पंजाब या कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित राष्ट्रविरोधी गतिविधियां भी किसी से छिपी नहीं हैं। पंजाब की कुछ ताजा घटनाएं नए सिरे से चिंता को बढ़ाने वाली हैं। हाल के समय में पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में युद्ध जैसी विद्रोही सक्रियता कुछ कम अवश्य हुई है, किंतु शून्य नहीं। वास्तव में देश में कई ऐसी ताकतें हैं जो भारत की एकता और अखंडता के लिए खतरा बनी हुई हैं। इनमें से अनेक ताकतें अपने विचारों और विशेषतः अतिवादी विचारों के जरिये ही सक्रिय हैं। ये वे ताकतें हैं जो यह चाहती हैं कि उनके अतिवादी विचारों को भी वैचारिक स्वतंत्रता का हिस्सा माना जाए। यह न तो उचित है और न ही इसकी अनुमति दी जा सकती है, क्योंकि इससे तो अराजकता और अव्यवस्था ही बढ़ेगी।

यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर देश की एकता, अखंडता और संविधान के साथ-साथ नियम-कानूनों को धता बताने वाले अतिवादी विचारों को सहन किया जाता रहा तो लोकतंत्र को सहेज कर रख पाना कठिन ही होगा। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जो अनेक देश राजद्रोह कानून के मामले में भारत को नसीहत देते रहते हैं, उन्होंने भी अपने यहां अलगाववादी शक्तियों से निपटने के लिए कुछ कठोर कानून बना रखे हैं। यह समझा जाना चाहिए कि अंततः कोई विचार ही अपने अतिवादी रूप में चिंगारी बन जाता है और विद्रोह या विध्वंस का कारण बनता है। इतिहास हमें यही सबक देता है कि विचार ही क्रांति का जरिया बनते हैं और वही कभी-कभी विध्वंस और हिंसा का कारण भी बन जाते हैं। सकारात्मक क्रांतिकारी विचारों और अतिवादी विचारों में जो अंतर है, उसे हर किसी को भलीभांति समझना होगा। अतिवादी विचारों के जरिये समाज और देश में वैमनस्य एवं विद्रोह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का कोई कारगर उपाय सरकार के पास होना ही चाहिए। भले ही इसे राजद्रोह के बजाय किसी अन्य संज्ञा से परिभाषित किया जाए, क्योंकि कई बार राजद्रोह शब्द का उल्लेख मात्र अतिरंजित और अनावश्यक प्रतीत होने लगता है।

निश्चित रूप से सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए, लेकिन हर स्वतंत्रता की तरह अभिव्यक्ति की आजादी की भी एक सीमा है। यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ लेकर अतिवादी विचारों के साथ देश के संविधान, उसकी एकता और अखंडता को चुनौती दी जाएगी तो फिर सरकार के पास ऐसे तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त कानून होने ही चाहिए। सवाल यह है कि विचारों की स्वतंत्रता, विविधता अथवा क्षेत्रवाद की आड़ में जो लोग संविधान और देश की एकता-अखंडता को चुनौती देने के साथ ही उसे छिन्न-भिन्न करने का इरादा रखते हैं, उन्हें राजद्रोह के दायरे में लाया जाना चाहिए या नहीं?

आज का राशिफाल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है. जेवर और एंटीक में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा. परिवार के सदस्य आपके नजरिए का समर्थन क्यू करेंगे. आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है. काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी. इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की जरूरत है. आज घर में अधिकतर समय आप सो कर गुजार सकते हैं.

वृषभ राशि :- आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं. बाकी दिनों के मुकाबले आज का दिन आर्थिक दृष्टि से अच्छा रहेगा और आपको पर्याप्त धन की प्राप्ति होगी. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें. इस बारे में बिना देर किए बातचीत करें, क्योंकि एक बार इस समस्या के हल हो जाने पर घर में जीवन बहुत आसान हो जाएगा और परिवार के लोगों को प्रभावित करने में आपको कोई कठिनाई नहीं आएगी.

मिथुन राशि :- आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा. आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं. आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे. आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है.

कर्क राशि :- आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा. जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं. इसलिए आपको यही सलाह दी जाती है कि टैक्स की चोरी न करें. आपकी निजी जिंदगी के बारे में दोस्तों से आपको अच्छी सलाह मिलेगी. अपने प्रिय के साथ सैर-सपाटे पर जाते समय जिंदगी को पूरी शिद्दत से जिएँ. मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी.

सिंह राशि :- किसी ऊँचे और खास इंसान से मिलते समय घबराएँ नहीं और आत्मविश्वास बनाए रखें. यह सेहत के लिए उतना ही जरूरी है, जितना काम-धंधे के लिए पैसा. व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है. जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा. आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा. दोस्त आपको तारीफ से सराबोर कर देंगे, क्योंकि आप बहुत कठिन काम पूरा करने में कामयाब रहेंगे.

कन्या राशि :- पुरानी परियोजनाओं की सफलता आत्मविश्वास में वृद्धि करेगी. पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके खर्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा. घरेलू जिन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है. किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है. ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं.

तुला राशि :- खयाली पुलाव पकाना मदद नहीं करता. परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की जरूरत है. जरूरत से ज्यादा खर्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें. पड़ोसियों से झगड़ा आपका मूड खराब कर सकता है. लेकिन अपना आपा न खोएँ, इससे सिर्फ आग और भड़केगी. अगर आप सहयोग न करें, तो कोई आपसे नहीं झगड़ सकता है. सबसे अच्छा रिश्ता बनाए रखने की कोशिश करें.

वृश्चिक राशि :- खुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे. किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ कारोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है. यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है. किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है. अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं. इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है.

धनु राशि :- अपने जीवन-साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें. एक-दूसरे को फिर से मली-भांति जानने के लिए थोड़ा और वक्त एक-दूसरे के साथ बिताएँ और खुद की स्नेही जोड़ की छवि को मजबूत करें. आपके बच्चे भी घर में खुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. इससे आपको एक-दूसरे के साथ व्यवहार में ज्यादा खुलापन और आजादी मिलेगी. फौरी तौर पर मजे लेने की अपनी प्रवृत्ति पर काबू रखें और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें.

मकर राशि :- हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है. शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फायदेमंद साबित होंगे. आप घूमने-फिरने और पैसे खर्च करने के मूड में होंगे- लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने जाहिर करने में कामयाब रहेंगे जो आपके लिए खास हैं. आपके प्यार के रिश्ते में एक जादूई एहसास छा रहा है,

कुम्भ राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगर्ज और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इजाफा कर सकता है. अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को खुशनुमा बना देगा. जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा. आपका प्रिय आपको खुश रखने के लिए कुछ खास करेगा.

मीन राशि :- खुशी से भरा अच्छा दिन है. इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है. घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की जरूरतों के मुताबिक खुद को ढालें. नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी जिन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है. जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है. इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फायदेमंद साबित होगी.

यूक्रेन युद्ध से उपजा खाद्यान्न एवं ऊर्जा संकट ने दुनिया भर में बढ़ा दी महंगाई

फिर भी दुनिया भर में कायम महंगाई और भारत में बढ़ती कीमतों के बीच एक बुनियादी अंतर अवश्य है। कोविड के बाद बढ़ती मांग यूक्रेन युद्ध से उपजा खाद्यान्न एवं ऊर्जा संकट और चीन में कोविड की नई लहर से बाधित आपूर्ति ने दुनिया भर में महंगाई बढ़ा दी है। कहां तो पिछले साल महामारी जनित मंदी से निकलकर इस साल अर्थव्यवस्था में तेजी आने की बातें हो रही हैं, वहीं अब यूक्रेन पर रूसी हमले, बाधित आपूर्ति और महंगाई के कारण दुनिया में नई किस्म की मंदी का खतरा मंडरा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया विभाग के निदेशक एवरिल हेन्स का कहना है कि राष्ट्रपति पुतिन का मंसूबा यूक्रेन में लंबी लड़ाई लड़ने का है। पुतिन के विजय दिवस भाषण पर मास्को के अखबारों में छपी टिप्पणियों से भी यही संकेत मिल रहा है। यूरोप के देश भी रूस के खिलाफ लामबंद होते जा रहे हैं। अभी तक सामरिक गुटबाजी से परहेज करने वाले स्वीडन और फिनलैंड जैसे देश नाटो में शामिल होने को तैयार हैं। यूरोपीय संघ ने तय किया है कि अगले छह महीनों के दौरान रूस से तेल आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यूक्रेन ने अपनी जमीन से होकर यूरोप को गैस पहुंचाने वाली कुछ पाइपलाइनें बंद करने का फैसला किया है। यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप में गैस के दाम पहले ही चार से पांच गुना बढ़ चुके हैं। पाइपलाइन बंद होने से ये दाम और ऊपर जाएंगे। इससे यूरोपीय देशों में महंगाई को लेकर मचा हाहाकार और भीषण हो जाएगा।

यूक्रेन से होने वाले अनाज और खाद्य तेलों का निर्यात मुख्य रूप से दक्षिण में काला सागर तट पर स्थित बंदरगाह ओडेसा से होता आया है। अब यहां रूसी सेना के लगातार बढ़ते हमलों से दुनिया भर में अनाज, खाद्य तेल के अलावा पशु चारे की आपूर्ति प्रभावित होने से उनकी कीमतों में और तेजी आने की आशंका है। यूक्रेन और रूस गेहूं, तिलहन के अलावा पशु चारे में इस्तेमाल होने वाले सोया और मक्का के प्रमुख निर्यातक हैं। इस लड़ाई के छिड़ने से आपूर्ति का गणित बिगड़ गया है, जिससे दुनिया भर में उक्त वस्तुओं और उनसे तैयार होने वाले उत्पादों के दाम बढ़ गए हैं। चूंकि इस लड़ाई के निकट भविष्य में थमने के कोई आसार भी नहीं दिख रहे तो महंगाई के थमने की भी कोई उम्मीद नहीं दिखती। मानो इतना ही पर्याप्त नहीं। जहां दुनिया के तमाम देश कोविड महामारी से उबर रहे हैं वहीं जहां से यह बीमारी पनपी थी उस चीन में इसकी नई लहर अपना कहर बरपा रही है। इससे वहां कई औद्योगिक शहर ठप पड़ गए हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति तंग हो गई है। इससे या तो कंपनियों का निर्माण कार्य पस्त पड़ गया है या उनकी लागत बढ़ रही है। यह पहलू भी महंगाई की आग में घी डालने का काम कर रहा है। इस प्रकार देखें तो महामारी के बाद खुलती अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ती मांग, यूक्रेन युद्ध से उपजा खाद्यान्न एवं ऊर्जा संकट और चीन में कोविड की लहर से बाधित आपूर्ति ने मौजूदा महंगाई को हवा दी है। अमेरिका में महंगाई ने 40 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। अमेरिकी शेयर बाजार में

भूचाल जैसी स्थिति दिख रही है। दिग्गज टेक कंपनियों के शेयरों में 30 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। महंगाई से निपटने के लिए दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। बिल गेट्स का मानना है कि यूरोप और अमेरिका एक बार फिर मंदी की चपेट में आ सकते हैं। महंगाई और मंदी के इस दोहरे संकट का असर आर्थिक वृद्धि पर पड़ना तय है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने इस साल की आर्थिक विकास दर के अनुमान को घटाकर 3.6 प्रतिशत कर दिया है। ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी से कई देशों का भुगतान संतुलन बिगड़ गया है। मुद्रा कोष के अनुसार दुनिया भर में कर्ज का बोझ बढ़कर 70 लाख करोड़ (टिलियन) डालर के आंकड़े को पार कर पूरी दुनिया की जीडीपी के बराबर पहुंचने पर आमादा है। अकेले अमेरिका पर ही 16 लाख करोड़ डालर कर्ज है। दक्षिण एशिया के अपेक्षाकृत समृद्ध माने जाने वाले श्रीलंका में अराजक स्थितियां उत्पन्न हो गई हैं। पाकिस्तान में भुगतान समस्या के कारण चीन की दो दर्जन से ज्यादा बिजली कंपनियों ने कारोबार बंद कर देने की धमकी दी है। नेपाल की आर्थिक स्थिति भी नाजुक है।

फिलहाल भारतीय रुपये की हालत भी पतली दिख रही है। दरअसल भारत अपनी खपत का 80 प्रतिशत तेल और गैस आयात करता है। इसलिए उनकी कीमतों में तेजी का सीधा असर भारत के भुगतान संतुलन और रुपये की सेहत पर पड़ता है। रुपये की हैसियत गिरने से विदेशी निवेशकों के निवेश का मूल्य भी गिरता है। दूसरी ओर अमेरिका के बांड सस्ते हो रहे हैं। उनमें जोखिम भी कम है। इसी कारण विदेशी निवेशक भारत से पैसा निकालकर अमेरिकी बांड में लगा रहे हैं। व्यापार घाटा बढ़ने और विदेशी निवेशकों की बिकवाली का असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखाई दे रहा है, जो 600 अरब डालर के स्तर से नीचे आ गया है। रुपये की गिरावट और विदेशी निवेश का पलायन रोकने के लिए रिजर्व बैंक ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए समीक्षा बैठक से पहले ही नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी की। जानकारों के अनुसार इसका असर सीमित ही होगा। भारत सरकार ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को भरोसा दिलाकर अपनी निवेश रेटिंग बचाने के प्रयास तो किए हैं, लेकिन यदि भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बहाल करना है तो बजट का संयम बनाए रखना होगा। साथ ही निवेश के लिए खुला और स्थिर माहौल बनाने के अलावा महंगाई को भी काबू करना जरूरी है।

कश्मीर बनाम हिमाचल-1

मां के द्वार में आस्था की झोली जिस तरह भरती है, उसका एक नमूना अक्षय तृतीया के दिन ज्वालामुखी मंदिर में देखने को मिला। तकरीबन दो किलो स्वर्ण आभूषणों का चढ़ावा केवल भक्तिरस ही नहीं, बल्कि धार्मिक पर्यटन की ऐसी क्षमता है जिसे फिलहाल सरकारी व्यवस्था केवल एक आंख से देखती है या इसे महज आंकड़ों में तौलती है, जबकि यह पर्यटन का गुणात्मक फल है और जिसे हासिल करके हिमाचल अपने आर्थिक दायरे को बड़ा कर सकता है। पर्यटन की मंजिलें गिनने वाले दूसरी तरफ खड़ा होकर मनाली में घटते पर्यटकों की संख्या पर कश्मीर में आई बहारों को कोस सकते हैं, लेकिन यह अंगीकार नहीं करते कि हिमाचल को किस तरह पेश करें। क्या वास्तव में हिमाचल को एक पर्यटन राज्य के रूप में पेश करने की कोई गंभीरता पिछले वर्षों में हुई, जहां प्रवेश से डेस्टिनेशन तक एकरूपता आई हो। पर्यटन की एकरूपता का सवाल शिमला, मनाली या मकलोडगंज पहुंच कर पूरा नहीं होगा, बल्कि यह प्रदेश के तमाम प्रवेश द्वारों से शुरू होकर हर तरह के मनोरंजन, जानकारियों, आस्था तथा विविधता से जुड़ेगा तो पूर्णता प्रदान करेगा। हैरानी यह कि जिस धार्मिक पर्यटन के तहत अस्सी फीसदी सैलानी हिमाचल आते हैं, उसकी क्षमता विस्तार के बजाय मंदिर आय की अनुपयोगी आधार पर फिजूलखर्ची हो जाती है। इसी तरह पौंग, गोविंदसागर, कौल बांध के अलावा प्राकृतिक झीलों को अगर पर्यटन की पेशकश में संवारा जाए, तो इनका भी एक सीजन होगा।

प्रवासी पक्षियों के कलरव को शायद हमारी योजनाएं अंगीकार ही नहीं करतीं। आश्चर्य यह कि हमारा पर्यटन तब चलता है, जब कश्मीर अपने विपरीत हालात की कैद में फंसा होता है। क्या हमने यह सोचा कि कश्मीर हमसे बेहतर क्यों हो जाता है और यह सरकारी तौर पर नहीं, बल्कि होटल इंडस्ट्री को भी सोचना होगा कि किस तरह इस छवि को बदल कर राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की प्राथमिकता बनें। आश्चर्य यह भी कि हिमाचल में पर्यटन को दो ध्रुवों के बीच बांट दिया गया है। निजी क्षेत्र केवल होटल खड़े करते-करते यह भूल गया कि घाटियां, नजारे और जलसंसाधनों को बचाना कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण है। उधर पर्यटन का सार्वजनिक पक्ष राजनीति की गुल्लक में बंद हो गया। राजनीतिक आधार पर हुआ सार्वजनिक निवेश या तो खंडहर बन गया या इसकी अप्रासंगिक स्वरूप किसी न किसी बहाने बिक गया। पर्यटन के नाम पर योजनाएं-परियोजनाएं या तो सियासी चाटुकारिता में अपना उद्देश्य भूल गईं या पर्यटकों को सकून देने की जरूरतें ही नजरअंदाज हो गईं। हिमाचल के पर्यटन को एक सशक्त गवर्निंग बाडी चाहिए जो प्रदेश की छवि को नए ढंग से प्रस्तुत करते हुए, ऐसी परिकल्पना व संरचना प्रदान करे, जिसके तहत प्रदेश एक पैकेज की तरह संपूर्ण हो। पर्यटन के कश्मीरी संबंध उनके प्रदर्शन, मौलिक प्राकृतिक आकर्षण, मनोरंजन और कनेक्टिविटी के आधार पर पुष्ट हुए हैं। हिमाचल में इस दृष्टि से न तो सड़कें तैयार हुईं और न ही रेल विस्तार हुआ। हवाई अड्डों के नाम पर एक अलग तरह का क्षेत्रवाद पैदा हो गया। उदाहरण के लिए प्रदेश में कुल नौ हवाई सेवाओं में से अगर आठ कांगड़ा एयरपोर्ट पर उतर रही है, तो विस्तार की अधिकतम संभावना वाले इस हवाईअड्डे को क्यों पिंजरे में बंद कर रखा है।

कांग्रेस और खालिस्तान में गर्भनाल का रिश्ता!

देश के समक्ष अब यह रहस्य नहीं रहा कि अलगाववादी सोच के व्यक्ति जरनैल सिंह भिण्डरांवाले को पंजाब की अकाली राजनीति को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने मैदान में उतारा और उस पर खालिस्तानी लेबल चस्पा किया। माँ और सन्तान के बीच गर्भनाल का रिश्ता ही ऐसा होता है, कि प्रसव के बाद शरीर अलग होने के बावजूद भी आत्मीयता बनी रहती है। सन्तान को पीड़ा हो तो माँ बिलख उठती है। ऐसा ही गत 25 जुलाई को संसद भवन में देखने को मिला जब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और जालन्धर से कांग्रेस के सांसद चरनजीत सिंह चन्नी ने खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल के पक्ष में आह भरी। चन्नी के शब्दों में 20 लाख लोगों के खडूर साहिब लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि अमृतपाल को जेल में रखा जा रहा है, यह भी एमरजेंसी है। ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में डिब्रूगढ़ जेल में नजरबन्द खालिस्तान प्रचारक व अजनाला कोतवाली हिंसा का मुख्य आरोपी अमृतपाल निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता है और कांग्रेस सांसद चन्नी लोकसभा में उसके ही पक्ष में बोल रहे थे। रोचक बात तो ये है कि अमृतपाल को जेल में भेजने वाली पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के सांसद भी सुन्न अवस्था में चन्नी के साथ वाली सीटों पर ही बैठे थे।

वैसे चन्नी के बौद्धिक व प्रशासनिक योग्यता के स्तर का इसी बात से अनुमान लगाया जा सकता है कि फरवरी, 2018 में कैप्टन अमरिन्द्र सिंह की सरकार के तकनीकी शिक्षा मन्त्री रहते हुए उन्होंने प्राध्यापकों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि क्रिकेट की तरह टॉस करके की थी। उस समय देश-दुनिया में इस घटना को बड़े हास्यस्पद अन्दाज में कहा और सुना गया था। बाद में मुख्यमन्त्री बनने के बाद चन्नी प्रधानमन्त्री की सुरक्षा भी सुनिश्चित नहीं कर पाए और बठिण्डा से फिरोजपुर जाते हुए कथित किसान आन्दोलनकारियों ने प्रधानमन्त्री के काफिले को घेर लिया था। इस पर चन्नी ने सुरक्षा की सारी जिम्मेवारी केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों पर डालने का प्रयास किया। केवल इतना ही नहीं, लोकसभा चुनावों के समय जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमलों को चन्नी ने भाजपा की रणनीति बताया था। अब चन्नी द्वारा किसी खालिस्तानी का समर्थन करना चाहे किसी को चौंकाता हो परन्तु 1980 के दशक की राजनीतिक कलाबाजियां देख चुकी पीढ़ी अच्छी तरह जानती है कि चन्नी का अमृतपाल के प्रति दुःख अनायास नहीं बल्कि यह कांग्रेस और खालिस्तान के बीच गर्भनाल के रिश्ते की टीस है।

देश के समक्ष अब यह रहस्य नहीं रहा कि अलगाववादी सोच के व्यक्ति जरनैल सिंह भिण्डरांवाले को पंजाब की अकाली राजनीति को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने मैदान में उतारा और उस पर खालिस्तानी लेबल चस्पा किया। रिसर्च एण्ड एनालाइसेज विंग (रॉ) के सेवानिवृत अधिकारी जी.बी.एस. सिद्धू अपनी पुस्तक ह्यखालिस्तान षड्यन्त्र की इनसाइड स्टोरीह्ण में दावा करते हैं कि जब भी भिण्डरांवाले से कोई संवाददाता खालिस्तान की मांग के बारे पूछते तो उसका यही जवाब होता था कि- हम खालिस्तान की मांग नहीं करते पर सरकार इसका प्रस्ताव करती है तो हम इन्कार भी नहीं करेंगे।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, 4 बाराती की मौत, 20 से 25 घायल

एजेंसी

बेगूसराय।बिहार के बेगूसराय में सड़क हादसा से कोहराम मच गया।मिनी बस और दूध टैंकर में भीषण टक्कर हो गयी, जिसमें चार किशोर की मौत हो गई।दर्जनों लोग घायल हो गए हैं, जिनका इलाज चल रहा है।घटना जिले के बछवाड़ा एनएच-28 रानी पेट्रोल पंप के समीप की बतायी जा रही है। मिनी बस में सवार सभी लोग बारात जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया।सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस राहत बचाव कार्य की।घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।मिली जानकारी के अनुसार भगवानपुर के दुलारपुर विकास सुल्तान वार्ड नंबर-3 निवासी नरेश दास के पुत्र रविरंजन कुमार की शादी थी। मंगलवार की रात सभी मिनी बस में सवार होकर समस्तीपुर जिले के देसुआ में बारात जा रहे थे। मंगलवार की रात दस बजे के करीब रानी पेट्रोल पंप के समीप दूध टैंकर और मिनी बस में टक्कर हो गयी। टक्कर इतना जबरदस्त था कि मौके पर ही मिनी बस सड़क पर पलट गई। बस में सवार तकरीबन 20 से 25 लोग घायल हो गए। तीन की मौत मौके पर हो गई। एक की मौत इलाज के दौरान हो गई। मृतकों में दो किशोर दूल्हा का सगा भांजा सौरभ कुमार और सोनू कुमार, पिता संजीत राम चमथचा, बछवाड़ा और दो भतीजा आदित्य कुमार और अमन कुमार के रूप में हुई है। सौरभ कुमार और सोनू कुमार आपस में सहोदार भाई थे। बताया जाता है कि नरेश दास के पुत्र रविरंजन कुमार की शादी थी। सभी लोग समस्तीपुर के देसुआ गांव जा रहे थे। इसी दौरान बछवाड़ा के पास एक तेज रफ्तार दूध टैंकर और मिनी बस की टक्कर हो गई। फिलहाल शादी की खुशी मातम में तब्दील होने के बाद मरने वाले के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

नीतीश कुमार बिहार के आधुनिक भागीरथ जैसे : नवल शर्मा

पटना : जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि सीएम नीतीश बिहार के आधुनिक भागीरथ जैसे हैं। जिन्होंने अपनी शासकीय साधना से बिहार की धरती पर सुशासन और विकास की गंगा को उतारा। इसीलिए नीतीश कुमार के नाम के साथ दो चीजें हमेशा के लिए जुड़ गई हैं-सुशासन बाबू और विकास पुरुष। जदयू प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस और लालू राज के रंगबाजी, जातीय संहार और आर्थिक गतिहीनता से क्षत विक्षत बिहार में ठोस शासनतंत्र की स्थापना, चारों ओर विकास की बयार बह रही है। बिहारी अस्मिता का जागरण और नागरिकों के स्वतंत्र अधिकार की बहाली, ये ऐसे भागीरथ कार्य हैं जिनके लिए सीएम नीतीश को सदैव याद किया जाएगा। नीतीश कुमार सही मायने में आधुनिक बिहार के निमार्ता हैं।

18 लाख के इनामी नक्सली की गोली मारकर हत्या वर्चस्व की लड़ाई में मर्डर की आशंका

पटना : सूबे बिहार के गया जिले में बिहार-झारखंड के इनामी नक्सली की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।आपसी वर्चस्व में हार्डकोर नक्सली की हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।बिहार और झारखंड की सरकार ने नक्सली के ऊपर 18 लाख का इनाम घोषित कर रखा था।दरअसल,बिहार-झारखंड के इनामी नक्सली विवेक यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने विवेक यादव का शव जंगल से बरामद किया है।बताया जा रहा है कि नक्सलियों के आपसी वर्चस्व की लड़ाई को लेकर उनके साथियों ने ही गोली मार कर हत्या कर दिया है।मारा गया नक्सली के ऊपर झारखंड में 15 लाख और बिहार में 3 लाख का इनाम घोषित था।नक्सली विवेक यादव के शव की पहचान उनकी पत्नी के द्वारा देर रात किया गया है।पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है।नक्सली विवेक यादव को किसने गोली मारा है इसकी जांच पुलिस कर रही है। मारा गया नक्सली कई नाम से जाना जाता था।उस पर पुलिस पर हमला,लेवी सहित कई मामले दर्ज है। पुलिस ने शव को डुमरिया थाना क्षेत्र के तेकरा खुर्द पकवा डैम के पास से बरामद किया है।नक्सली विवेक यादव कोठी थाना क्षेत्र का रहने वाला था।मारा गया नक्सली विवेक यादव के शरीर पर दो गोलियां दागी गई है।एक गोली चेहरे पर लगी है जबकि दूसरी पीठ में लगी है।पुलिस ने विवेक यादव के शव के पास से कुछ सामान बरामद किया है। जिसमें खैनी,मास्क और कुछ कागजात शामिल है।बता दें कि इससे पहले कुख्यात नक्सली संदीप यादव की मौत बीमारी के कारण हो गई थी। जिनका शव जंगल मे ही मिला था।संदीप यादव को दक्षिणी बिहार का कमांड मिला था।उनकी मौत होने के बाद भाकापा माले के द्वारा जिसकी जगह को विवेक यादव को सौपा था और तब से अपना धीरे-धीरे वर्चस्व और जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में खौफ कायम कर रखा था।पुलिस ने भी कई बार सरेंडर करने के लिए इश्तिहार और उनके घर पर भी पहुंचा था लेकिन उन्होंने सरेंडर नहीं किया था। अब उसका शव जंगल में मिला है और आपसी वर्चस्व की लड़ाई में हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के 'लोगो' एवं 'शुभंकर' का किया अनावरण

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित कार्यक्रम में बिहार में आयोजित होने वाले सेपक टाकरा वर्ल्ड कप-2025 के लोगो एवं शुभंकर का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने 'शुभंकर' एवं 'लोगो' का अनावरण आधुनिक श्री डी होलोग्राम प्रोजेक्टर के माध्यम से किया,जो बिहार में पहली बार हुआ है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का 'लोगो' बिहार की संस्कृति, खेल भावना और भविष्य की ऊर्जा को एक साथ समेटे हुए है।इस खेल का 'शुभंकर' बिहार की ताकत और गौरव का प्रतीक है।

बिहार पहली बार सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने जा रहा है। सेपक टाकरा वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 20 से 25 मार्च 2025 तक पाटलिपुत्र खेल परिसर, पटना में आयोजित किया जाएगा जिसमें 25 से अधिक देशों के खिलाडी अपनी ताकत, कौशल और जुनून का प्रदर्शन करेंगे। ज्ञातव्य है कि सेपक टाकरा खेल मलेशिया का राष्ट्रीय खेल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 38वें राष्ट्रीय खेल में बिहार के पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। 38वां राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किया गया था जिसमें बिहार ने विभिन्न खेल विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक तथा 5 कांस्य पदक सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए जो राज्य के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बिहार के खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में स्वर्ण पदक और तीरंदाजी, वुशू, तलवारबाजी, लॉन बॉल्स, योगा एवं रग्बी में रजत पदक तथा वुशू, लॉन बॉल्स, तलवारबाजी एवं मॉर्डन पेंटाथलॉन में कांस्य पदक जीता। कार्यक्रम के दौरान सेपक टाकरा गेम्स एवं खेलो इंडिया यूथ पर आधारित एक लघु फिल्म की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.बी. राजेन्दर ने हरित पौधा तथा इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया ने प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी,उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा,जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा,पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, सामान्य प्रशासन एवं खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.बी. राजेन्दर,मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक डॉ.रविंद्रन शंकरण, खेल विभाग के निदेशक महेंद्र कुमार, इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह दहिया, इंडियन सेपक टाकरा फेडरेशन के उपाध्यक्ष विपिन कामदार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

पलासी थाना पुलिस 168 लीटर देशी शराब के साथ मोटरसाइकिल किया जब्त

अररिया : जिले की पलासी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर 168 लीटर देशी शराब के साथ एक अपाची मोटरसाइकिल को मंगलवार को जब्त किया। पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर यह बरामद किया। हालांकि पुलिसिया कार्रवाई देख तस्कर मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पलासी थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार को यह गुप्त सूचना मिली थी कि लाल रंग के अपाची मोटरसाइकिल से शराब का खेप तस्करी कर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर टीम का गठन कर वाहनों का जांच करना शुरू किया।पुलिस की ओर से कार्रवाई की भनक लगने के बाद तस्कर बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया।

राज्यपाल के भोज में शामिल हुए सीएम नीतीश शपथ ग्रहण समारोह के बाद राजभवन में पार्टी

पटना : राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सीएम नीतीश कुमार समेत उनकी कैबिनेट के सभी मंत्रियों को भोज दिया। शपथ ग्रहण के बाद सीएम नीतीश कुमार समेत दोनों डिप्टी सीएम और अन्य मंत्री राज्यपाल की भोज में शामिल हुए। दरअसल, बिहार में लंबे समय से नीतीश कैबिनेट के विस्तार की चर्चा चल रही थी और आखिरकार चुनाव से पहले बिहार में नीतीश कैबिनेट का विस्तार हो गया। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सात विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सभी सात विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई है। बीजेपी कोटे के सात विधायकों को नीतीश कैबिनेट में मंत्री के तौर पर जगह मिली है। बीजेपी विधायक संजय सरावगी, डॉ सुनील कुमार, जीवेश कुमार मिश्रा, राजू सिंह, मोतीलाल प्रसाद,कृष्ण कुमार मंटू और विजय कुमार मंडल को राज्यपाल ने मंत्री पद की शपथ दिलाई है। जल्द ही मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राजभवन में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की तरफ से भोज का आयोजन किया गया।जिसमें सीएम नीतीश कुमार,डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा समेत सभी पुराने मंत्री और नए मंत्री शामिल हुए और लजीज व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया।

इनामी अंतरजिला गिरोह का कुख्यात भोला गिरफ्तार, एक पिस्टल व बीस कारतूस बरामद

एजेंसी

डेहरी आन सोन : जिले के नासरीगंज थाना के पडुरी गांव के पास डेहरी बिक्रमगंज मार्ग से 50हजार का इनामी कुख्यात अपराधी भोला यादव उसके एक सहयोगी के साथ मंगलवार देर रात गिरफ्तार किया गया।

इसके पास से एक देशी कट्टा ,20 जिंदा कारतूस ,एक बाइक व एक मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया गया।इस पर रोहतास,भोजपुर,औरंगाबाद ,पटनाजिले के विभिन्न थानों में 23 मामले दर्ज है।

एसपी रौशन कुमार के अनुसार

मंगलवार देर रात सूचना मिली कि काराकाट थाना क्षेत्र के सिकरिया गांव निवासी अपराधी भोला यादव अपने एक सहयोगी के साथ नासरीगंज थाना क्षेत्र के ही किसी बालू घाट में पुनः किसी घटना को अंजाम देने के लिए साबदला गांव के पास एकत्रित होने वाले हैं। इस सूचना के आलोक में बिक्रमगंज एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा कार्रवाई प्रारंभ किया गया। नासरीगंज थाना क्षेत्र के बिक्रमगंज - डेहरी मार्ग पर पडुरी गांव के पास बाइक सवार भोला यादव व उसके सहयोगी दरिहट थाना क्षेत्र के बेरकप गांव निवासी मिथिलेश चौधरी को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक देशी पिस्तौल 20 जिंदा कारतूस मोबाइल और पल्सर बाइक बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि सरगना भोला राज्य के कई जिलों में अपराध को अंजाम दिया है ।इसकी गिरफ्तारी के लिए सरकार द्वारा 50 हजार रुपए का इनाम की राशि भी घोषित की गई थी।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी पर नासरीगंज , दावथ ,दिनारा सासाराम नगर, काराकाट , संझोली, सीमावर्ती औरंगाबाद जिले के नवीनगर, दाउदनगर भोजपुर जिले के शाहपुर, बिहटा, सहार और पटना जिले के नौबतपुर में लूट डकैती और आर्म्स एक्ट के कांड अंकित है। उन्होंने बताया कि भोला नवयुवकों को लालच देकर अपराध जगत में लाने का भी कार्य करता था। जिले के अधिकतर लूट डकैती की घटनाओं में इसकी संलिप्तता पाई गई थी।

उन्होंने बताया कि नासरीगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर बालू घाट पर गत 17 जनवरी को घटित डकैती कांड में भी यह शामिल था।इस डकैती कांड में शामिल एक दर्जन अपराधियों की अब तक गिरफ्तारी हो चुकी है ।उन्होंने बताया कि गत एक दिसंबर को भी नासरीगंज थाना क्षेत्र के बालू घाट पर एक लाख नगद और एक लैंप टॉप लुट कांड में इसकी संलिप्तता पाई गई थी।इस कांड में गिरोह के काराकाट थाना के सिकरिया गांव निवासी मनीष कुमार और उदय कुमार को एक राइफल,एक देशी कार्बाइन,दो देशी कट्टा ,42 कारतूस व 45 हजार नगद के साथ गिरफ्तार किया गया था।

बिहार के विकास के लिए 120 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर

पटना : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार देर शाम कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण एजेडों पर कैबिनेट की मुहर लगी है। बिहार के विकास के लिए आज 120 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सरकार की मुहर लगी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान जो घोषणाएं की थी, उस पर आज कैबिनेट ने मुहर लगाई है। दक्षिण बिहार के विभिन्न जिलों से संबंधित 120 योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन योजनाओं पर कुल 30 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके पूर्व उत्तर बिहार की कुल 187 योजनाओं के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति पिछली कैबिनेट मीटिंग में दी गई थी। इस तरह से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं के कार्यान्वयन में कुल 50 हजार करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

राजस्व मंत्री ने मंत्री पद से दिया इस्तीफा, स्वीकार

एजेंसी

पटना : बिहार में कैबिनेट विस्तार की चर्चा के साथ ही बिहार सरकार में राजस्व एंव भूमि सुधार मंत्री रहे दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया , जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया है। इसको लेकर कैबिनेट विभाग ने अधिसूचना भी जारी कर दी है।

बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में चुनावी साल को देखते हुए बिहार में एक बार फिर से नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा रहा है। नीतीश कैबिनेट के विस्तार को लेकर बिहार में सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा कोटे के विधायक नीतीश कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ लेंगे। शाम चार बजे राज्यपाल सभी भाजपा विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाएंगे।इसको लेकर राजभवन में तैयारी भी शुरू कर दी गयी है।

इससे पहले आज सुबह मीडिया से बात करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा था कि भाजपा विचारधारा और सिद्धांत वाली पार्टी है। एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत को अपनाते हुए में मंत्री पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। इसके बाद उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट का हिन्दू मिलन सह हनुमान चालीसा पाठ आयोजित

एजेंसी

अररिया : राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट की ओर से साप्ताहिक हिन्दू मिलन सह हनुमान चालीसा पाठ का कार्यक्रम परवाहा के दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित हुआ,जिसमें सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ के साथ भजन, कीर्तन और हिन्दू राष्ट्र निर्माण को लेकर संवाद स्थापित किया गया।

फ्रंट के प्रदेश महासचिव सुबोध मोहन ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा रेणुगांव मंडल अध्यक्ष विकाश कुमार झा ने सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ करवाया,जिसके उपरांत मिशन हिन्दू राष्ट्र निर्माण के लिए देश मे शीघ्र जनसंख्या नियंत्रण कानून,समान नागरिक संहिता कानून लागू करने, वक्फ बोर्ड और काशी मथुरा सहित सभी धर्मिक स्थलों की मुक्ति हेतु पूजा स्थल कानून की समाप्त करने तथा धर्मांतरण पर रोक आदि मांगो के समर्थन में निरंतर साप्ताहिक हिन्दू मिलन सह हनुमान चालीसा पाठ और संवाद जारी रखने की बात कही।

मौके पर फ्रंट के प्रदेश महासचिव सुबोध मोहन ठाकुर ने फ्रंट द्वारा साप्ताहिक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम होने की बात कही।मौके पर राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के सदस्य राकेश कुमार मिश्र,कृत्यानंद मंडल,राजेश केशरी, छोटू पूर्वे,अशर्फी मंडल,गिरधारी मंडल,मनोज केशरी,पप्पू केशरी,अंशू झा आदि सनातनी मौजूद थे।

अधिवक्ता तरुण सिन्हा और अरविंद कंठ बने नोटरी पदाधिकारी

एजेंसी

अररिया : बिहार सरकार के विधि विभाग द्वारा फारबिसगंज अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता तरुण सिन्हा और अरविंद कंठ को नोटरी पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

दोनों अधिवक्ता फारबिसगंज अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता के तौर पर प्रैक्टिस करते हैं।दोनों अधिवक्ताओं को पांच वर्षों के लिए नोटरी के पद पर नियुक्त किया गया है। जानकारी अनुमंडलीय बार एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सह युवा अधिवक्ता राहुल रंजन ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व पांच अधिवक्ता दुर्गानन्द प्रसाद साह, भूपेंद्र प्रसाद साह , युगल किशोर धाडेवाल, बिनोद कुमार, चंद्रशेखर मिश्रा नोटरी का कार्य कर रहे थे।अब कुल सात अधिवक्ता नोटरी पदाधिकारी बन गए हैं।जिससे न्यायार्थियों को किसी भी प्रकार के शपथ पत्र एग्रीमेंट, आदि कार्यों में काफी सहुलियत होगी।

इधर, एडवोकेट एसोसिएशन फारबिसगंज के अध्यक्ष विश्वजीत प्रसाद अधिवक्ता ने बताया कि वर्षो पूर्व से एडवोकेट एसोसिएशन में एक भी अधिवक्ता का चयन नोटरी के रूप में नहीं हो पाया था।एक साथ दो नोटरी पब्लिक के रूप नियुक्ति होने से तमाम अधिवक्तों में हर्ष का माहौल है।अधिवक्ताओं ने दोनों चयनित नोटरी अधिकारी को बधाई दी।

36 लीटर शराब और मोटरसाइकिल के साथ तस्कर हुआ गिरफ्तार

एजेंसी

अररिया : जिले की बसमतिया थाना पुलिस ने नेपाल से तस्करी कर शराब ला रहे एक शराब तस्कर को मंगलवार को मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। शराब तस्कर नेपाल से शराब लेकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किए थे और शराब को लेकर सुपौल के वीरपुर की ओर जा रहे थे कि इसी क्रम में गुप्त सूचना पर बसमतिया थानाध्यक्ष अमर कुमार के नेतृत्व में बसमतिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शराब तस्कर को धर दबोचा।

गिरफ्तार तस्कर सुपौल के वीरपुर थाना क्षेत्र के कोशिकापुर वार्ड संख्या 11 के रहने वाले हैं।पुलिस ने तस्कर के पास से काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल भी बरामद किया है,जो प्रथमदृष्टया चोरी का प्रतीत होता है।गाड़ी में लगा नंबर प्लेट गाड़ी के इंजन के चेसिस नंबर से मिलान नहीं है।पुलिस गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ कर रही है और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर तस्कर के खिलाफ अग्रतर कार्रवाई में जुटी है।

खबर संक्षेप

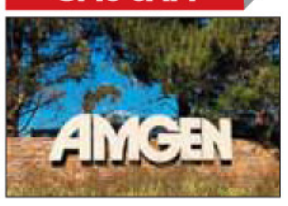

एमजेन अपने नए केंद्र में 20 करोड़ डॉलर करेगी निवेश

हैदराबाद। अमेरिका की प्रमुख बायोफार्मा कंपनी एमजेन इस साल यहां अपने नये केंद्र में 20 करोड़ डॉलर का निवेश कर रही है और आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रॉबर्ट ब्रैडवे ने यह जानकारी दी। वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। ब्रैडवे ने कहा, "एमजेन 2025 के दौरान इस केंद्र में 20 करोड़ डॉलर का प्रारंभिक निवेश कर रहा है और हम भविष्य के वर्षों में अतिरिक्त महत्वपूर्ण निवेश करने की योजना बना रहे हैं।"

अक्जो नोबेल पाउडर कोटिंग कारोबार मूल कंपनी को बेचेगी

नई दिल्ली। पेंट विनिर्माता अक्जो नोबेल इंडिया अपने पाउडर कोटिंग कारोबार और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र को अपनी मूल कंपनी अक्जो नोबेल एनवी को 2,143 करोड़ रुपये में बेचेगी। कंपनी कारोबार को सुव्यवस्थित करने के लिए अंतर-समूह लेनदेन के रूप में यह सौदा करेगी। अक्जो नोबेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने अक्जो नोबेल एनवी के बाध्यकारी प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है।

रोजगार बढ़ाने कंपनियां कौशल केंद्र करे स्थापित

कोलकाता। केंद्र ने कॉरपोरेट जगत से अपने यहां कौशल केंद्र स्थापित करने का आग्रह किया है, ताकि स्नातक कर रहे युवाओं की रोजगार क्षमता में सुधार हो। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज में कुशल युवाओं की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। वर्ष 2024 में शुरू की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के तहत पायलट चरण में 1.25 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आईसीएआई 15 हजार सीए को एआई पर करेगा प्रशिक्षित

नई दिल्ली। सनदी लेखाकारों (सीए) का शीर्ष संगठन आईसीएआई 15,000 और सीए को कृत्रिम मेधा (एआई) पर प्रशिक्षण देगा। आईसीएआई के अध्यक्ष चरणजोत सिंह नंदा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने प्रौद्योगिकी को अपनाने के महत्व पर जोर दिया। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है और इसकी एआई पर एक समिति भी है।

रुपया 51 पैसे लुढ़ककर 87.23 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी व्यापार शुल्कों को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बीच आयातकों की मासांत की डॉलर मांग के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 51 पैसे लुढ़ककर 87.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की सतत निकासी ने भी रुपये की गिरावट में योगदान दिया।

अदाणी दौलत गंवाने में दुनिया में दूसरे नंबर पर, लेकिन अरबपतियों की सूची में चढ़े

नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी इस साल दौलत गंवाने में दुनिया में दूसरे नंबर पर हैं। सोमवार को भी अदाणी के नेटवर्थ में कमी दर्ज की गई। इसके बावजूद दुनिया के अरबपतियों में उनका रुतबा थोड़ा बढ़ गया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अडाणी अब 23वें पायदान से एक पायदान ऊपर 22वें पर पहुंच गए हैं। उनकी रैंकिंग में सुधार की वजह थामस पीटरफ्फी और मा हुतेंग की संपत्ति में गिरावट है। इन दोनों अरबपतियों की संपत्ति में गिरावट की वजह से अडाणी एक पायदान ऊपर चढ़ गए हैं।

दौलत गंवाने में मस्क टॉप पर

इस साल दौलत गंवाने के मामले में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क टॉप पर हैं। मस्क इस साल अबतक 52.2 अरब डॉलर की संपत्ति गंवा चुके हैं। अब मस्क का नेटवर्थ 380 अरब डॉलर रह गया है। ट्रंप के जीतने के बाद वह तेजी से 500 अरब डॉलर की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन टेस्ला के शेयरों में लगातार हो रही गिरावट ने उनकी संपत्ति में सेंध लगा दी।

मस्क के बाद सबसे अधिक दौलत अदाणी ने गंवाई

गौतम अदाणी इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। मस्क के बाद इस साल सबसे अधिक दौलत अदाणी ने गंवाई है। साल 2025 में अदाणी के नेटवर्थ से 14.2 अरब डॉलर निकल गए हैं। अगर भारतीय अरबपतियों की बात करें तो अदाणी के बाद दौलत गंवाने में शिव नादर हैं। सोमवार को उन्हें 1.08 अरब डॉलर का झटका लगा। इस झटके के साथ नादर इस साल 5.28 अरब डॉलर गंवा चुके हैं। अब उनके पास 37.8 अरब डॉलर का नेटवर्थ है और वह दुनिया के 45वें सबसे रईस शख्स हैं।

17वें नंबर पर काबिज अंबानी

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में मुकेश अंबानी 86.2 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ 17वें पोजीशन पर हैं। अंबानी के नेटवर्थ में भी इस साल 4.41 अरब डॉलर की सेंध लगी है। इसी क्रम में दिलीप सांघवी को 2.29 अरब डॉलर, सावित्री जिंदल को 3.70 अरब डॉलर, शापूर मिस्त्री को 3.57 अरब डॉलर, रवि जयपुरिया को 3.54 अरब डॉलर और केपी सिंह को 3.54 अरब डॉलर का झटका केवल इस 55 दिनों में लगा है।

वैश्विक ऊर्जा शोध संस्थान 'एम्बर' की नई रिपोर्ट में कहा गया

उच्च पूंजी लागत के कारण 2030 तक भारत नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य से चूक सकता है

नई दिल्ली

भारत के 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए 300 अरब अमेरिकी डॉलर के संचयी निवेश की आवश्यकता होगी, जिसके लिए वार्षिक वित्तपोषण को हर वर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ाना होगा। ऐसा न करने पर वह इस महत्वपूर्ण लक्ष्य से चूक सकता है। भारत अगर वार्षिक वित्त पोषण के वर्तमान स्तर से 20 प्रतिशत नहीं बढ़ाता है तो वह 2030 तक 500 गीगावाट (जीडब्ल्यू) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने के अपने लक्ष्य को हासिल करने में विफल हो सकता है।

देरी से पूंजी की लागत 400 आधार अंक बढ़ सकती है

वैश्विक ऊर्जा शोध संस्थान 'एम्बर' की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि नए युग की 'फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी' (एफडीआरई) परियोजनाओं से संबंधित योजनाओं की शुरुआत में देरी और अनिश्चितताओं के कारण पूंजी की लागत 400 आधार अंकों तक बढ़ सकती है।

खास बातें

- भारत के 2030 तक 500 गीगीवाट ऊर्जा लक्ष्य है
- लक्ष्य पूरा करने 300 अरब डॉलर की आवश्यकता होगी
- वार्षिक वित्त पोषण भारत को 20 फीसदी बढ़ाना होगा

पीपीए पर हस्ताक्षर में विलंब

इसमें कहा गया है कि परियोजना के चालू होने में देरी.. भूमि अधिग्रहण संबंधी समस्याओं, 'ग्रिड कनेक्टिविटी' में देरी तथा बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर करने में विलंब के कारण हुई है।

बिजली लागत बढ़ेगी

रिपोर्ट के अनुसार, वित्तपोषण लागत में 400 आधार अंकों की वृद्धि के परिणामस्वरूप भारत अपने 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य से 100 गीगावाट तक पीछे रह सकता है। इसमें कहा गया है कि पूंजी की उच्च लागत से उपभोक्ताओं के लिए बिजली की लागत भी बढ़ेगी।

निवेश 13.3 अरब डॉलर होने का अनुमान

वित्त वर्ष 2023-24 में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं पारेषण में निवेश 13.3 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है, "हालांकि, एनईपी-14 में उल्लिखित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वार्षिक वित्तपोषण को हर वर्ष 20 प्रतिशत की निरंतर दर से बढ़ाना होगा, जो 2032 तक 68 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।"

300 अरब डॉलर की आवश्यकता होगी

इसमें कहा गया है कि भारत के 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पूरा करने के लिए 300 अरब अमेरिकी डॉलर के संचयी निवेश की आवश्यकता होगी, जो 14वीं राष्ट्रीय विद्युत योजना (एनईपी-14) के तहत बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है।

वित्तपोषण जोखिमों को समझना होगा

एम्बर में भारत के लिए वरिष्ठ ऊर्जा विश्लेषक नेशविन रोढ्रिग्स ने कहा, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए परियोजना-विशिष्ट वित्तपोषण जोखिमों को समझना लक्षित शमन उपायों को तैयार करने की कुंजी है जो पूंजी की लागत को कम रखते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा में जोखिम विकसित करने वाले कारकों के प्रति सजग रहना उनके विकास को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करे।

पांच दिन की गिरावट के बाद सेंसेक्स 147 अंक चढ़ा

निफ्टी में रहा मामूली नुकसान

मुंबई

बीएसई सेंसेक्स में मंगलवार को पिछले कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा और मानक सूचकांक 147 अंक के लाभ में रहा। वित्तीय और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 147.71 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,602.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 330.67 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स के 17 शेयर लाभ में जबकि 13 नुकसान में रहे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी में हालांकि छठे दिन गिरावट जारी रही और यह मामूली 5.80 अंक यानी 0.03 प्रतिशत फिसलकर 22,547.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के अंतिम घंटे में औषधि, धातु और आईटी शेयरो में बिकवाली से निफ्टी नुकसान में रहा। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी के बीच अमेरिका तथा एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा सर्वाधिक 2.61 प्रतिशत के लाभ में रहा। भारती एयरटेल में 2.55 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, जोमैटो, नेस्ले, बजाज फिनसर्व, मारुति और टाइटन प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

- वित्तीय व एफएमसीजी के शेयरों में रही तेजी

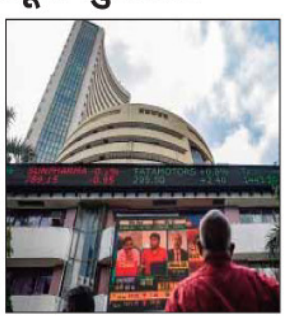

निवेशक जोखिम लेने से बच रहे

मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, "हल्के कारोबार में मानक सूचकांकों में मिला-जुला रुख रहा। एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से निवेशकों ने सतर्क रवैया अपनाया। वैश्विक अनिश्चितताओं के साथ एफआईआई की बिकवाली जारी रहने के साथ निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं।

तीसरे वर्ष भारत ने 49 अरब यूरो मूल्य का रूसी तेल किया आयात

नई दिल्ली

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता और आयातक भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीसरे वर्ष में रूस से 49 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा है। वैश्विक शोध संस्थान ने यह जानकारी दी। भारत पारंपरिक रूप से पश्चिम एशिया से अपना तेल खरीदता रहा है।

- वैश्विक शोध संस्थान ने दी जानकारी
- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता

हालांकि उसने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के तुरंत बाद रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण यह है कि पश्चिमी प्रतिबंधों और कुछ यूरोपीय देशों द्वारा खरीद से परहेज के कारण रूसी तेल अन्य अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क की तुलना में काफी छूट पर उपलब्ध था। इसके परिणामस्वरूप भारत के रूसी तेल आयात में वृद्धि हुई, जो कुल कच्चे तेल आयात के एक प्रतिशत से बढ़कर अल्प अवधि में 40 प्रतिशत तक पहुंच गया। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, आक्रमण के तीसरे वर्ष में नए बाजारों पर रूस की पकड़ मजबूत हुई है। तीन सबसे बड़े खरीदार चीन (78 अरब यूरो), भारत (49 अरब यूरो) और तुर्किये (34 अरब यूरो) रहे। आक्रमण के तीसरे वर्ष में जीवाश्म ईंधन से रूस के कुल राजस्व में इनकी हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रही।"

भारत को सस्ती दर पर तेल खरीदने का मौका मिला

रूसी तेल पर कीमत में छूट (जो कभी-कभी अन्य तेलों के बाजार मूल्य से 18-20 डॉलर प्रति बैरल कम होती है) ने भारत को बहुत सस्ती दर पर तेल खरीदने का मौका दिया। हालांकि, हाल के दिन में छूट घटकर तीन डॉलर प्रति बैरल से भी कम रह गई है।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 4.61%

नई दिल्ली। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में थोड़ी कम होकर 4.61 प्रतिशत रह गई, जो दिसंबर 2024 में 5.01 प्रतिशत थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन अवधि में ग्रामीण कामगारों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 5.05 प्रतिशत से घटकर 4.73 प्रतिशत पर आ गई। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कृषि श्रमिकों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण कामगारों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जनवरी 2025 के महीने के लिए क्रमशः चार अंक और तीन अंक घटकर 1,316 और 1,328 अंक पर पहुंच गया। बयान के अनुसार, दिसंबर 2024 में सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल क्रमशः 1,320 अंक और 1,331 अंक थे।

कंपनी के सीईओ कर्मचारियों को ईमेल भेजने के भी खिलाफ

कैपजेमिनी ने सप्ताह में 47.5 घंटे काम करने की वकालत की

मुंबई

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी कैपजेमिनी इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अश्विन यार्डी ने मंगलवार को प्रति सप्ताह 47.5 घंटे काम करने की वकालत की। वह सप्ताहांत में कर्मचारियों को ईमेल भेजने के भी खिलाफ हैं। सीईओ ने यहां नैसकॉम टेक्नोलॉजी एंड लीडरशिप फोरम (एनटीएलएफ) में कहा, "साढ़े सैंतालीस घंटे हमारे यहां काम की अवधि प्रतिदिन करीब नौ घंटे और सप्ताह में पांच दिन है।" एक कर्मचारी ने यार्डी से पूछा था कि आदर्श रूप से प्रति सप्ताह कितना काम करना चाहिए। इसके जवाब में उन्होंने उक्त बात कही। यार्डी ने कहा कि पिछले चार वर्षों से उनका मार्गदर्शक सिद्धांत यह है कि सप्ताहांत में ईमेल न भेजें, जब तक कि ऐसा करना बहुत जरूरी न हो। यार्डी ने स्वीकार किया कि वह कभी-कभी सप्ताहांत में भी काम करते हैं। उन्होंने कहा कि वह कर्मचारियों को ई-मेल भेजने से बचते हैं।

- काम की अवधि प्रतिदिन करीब नौ घंटे और सप्ताह में पांच दिन

मूर्ति 70 व सुब्रह्मण्यन 90 घंटे कार्य के पैरोकार

गौरतलब है कि आईटी उद्योग के दिग्गज और इन्फोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति 70 घंटे के कार्य सप्ताह की वकालत कर रहे हैं। दूसरी ओर लार्सन एंड टुब्रो के चेयरमैन एस एन सुब्रह्मण्यन ने 90 घंटे के कार्य सप्ताह की पैरोकारी की है। इसी कार्यक्रम में नैसकॉम की चेयरपर्सन सिंधु गंगाधरन ने कहा कि परिणाम काम से अधिक मायने रखने चाहिए।

अक्टूबर-दिसंबर में घरों की कीमतें 10 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख शहरों में मजबूत मांग और कच्चे माल की उच्च लागत के कारण अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में घरों की कीमतों में औसतन 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई, रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स और डेटा विश्लेषक कंपनी लियासेस फोरास की मंगलवार को जारी संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अक्टूबर-दिसंबर, 2024 में आवास कीमतें सालाना आधार पर सबसे अधिक 31 प्रतिशत बढ़ीं। रिपोर्ट में कहा गया, "दिलचस्प बात यह है कि 2021 से शुरू होकर लगातार 16वीं तिमाही में औसत आवास कीमतें बढ़ रही हैं।" सभी आठ प्रमुख शहरों में कीमतों में बढ़ोतरी स्पष्ट दिखी। क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, "आवास की कीमतों में निरंतर वृद्धि मकान खरीदने वालों के बीच मजबूत आत्मविश्वास को रेखांकित करती है...हालांकि, बदलती प्राथमिकताएं तथा जीवनशैली में सुधार प्रमुख प्रेरक बने हुए हैं, लेकिन निर्माण व भूमि अधिग्रहण में लागत दबाव भी मूल्य निर्धारण प्रवृत्तियों पर दबाव बना रहे हैं।"

मारुति ने हरियाणा के खरखौदा संयंत्र में उत्पादन किया शुरू

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया ने हरियाणा के खरखौदा संयंत्र में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से अगस्त 2022 में इस सुविधा की आधारशिला रखी थी। मोटर वाहन विनिर्माता ने बयान में कहा, शुरुआत में खरखौदा संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई होगी और यहां कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का उत्पादन किया जाएगा। इसके साथ ही, मारुति सुजुकी की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 26 लाख इकाई प्रति वर्ष हो जाएगी। इस आंकड़े में सुजुकी मोटर गुजरात (कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी) की उत्पादन क्षमता भी शामिल की गई है। कंपनी का हरियाणा में यह तीसरा संयंत्र है।

अदाणी विल्मर ने नाम बदलकर एग्री बिजनेस लिमिटेड रखा

बदल गया अदाणी के विल्मर का नाम, हुआ एडब्ल्यूएल

नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप की फास्ट-मूविंग कंज्यूमर ग्रुप (एफएमसीजी) यूनिट अदाणी विल्मर ने अपना नाम बदलकर एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड कर लिया है। कंपनी एडब्ल्यूएल ने मंगलवार को एक प्रेस रिलीज में कहा कि यह कदम शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिलने के बाद ही उठाया गया है। रीब्रांडिंग का उद्देश्य कंपनी की पहचान को उसकी कोर बिजनेस एक्टिविटीज और एग्री-बिजनेस इंडस्ट्री में भविष्य की विकास संभावनाओं के साथ जोड़ना है। कंपनी ने कहा कि यह फैसला कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव है। यह

- यह कदम शेयर होल्डर से मंजूरी मिलने के बाद उठाया गया

नए प्रोडक्ट्स पेश करेगी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड अब वित्त वर्ष 2026 में नए प्रोडक्ट्स को पेश करने के अपने प्रयासों को तेज करेगी। कंपनी किचन एसेंशियल्स यानी रसोई के आवश्यक सामानों के अंतर्गत किफायती और उच्च-स्तरीय दोनों सेगमेंट को टारगेट करेगी।

कंपनी की कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी में भी तेजी आएगी

इसके अलावा कंपनी की कैपिटल इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी में भी तेजी आ सकती है। क्योंकि कंपनी के चल रहे प्रोजेक्ट्स, जिसमें लगभग 1,300 करोड़ रुपए की वैल्यू की फूड प्रोसेसिंग फैसिलिटी शामिल है, जो कंपनी के 2022 में आईपीओ से जुटाए गए फंड से फंडेड है। हरियाणा के सोनीपत जिले में स्थित इस फूड प्रोसेसिंग फैसिलिटी का ऑपरेशन पिछले महीने शुरू हुआ था। यह कंपनी एडिबल ऑयल और कई फूड आइटम्स का उत्पादन करेगी। इससे पहले अदाणी एंटरप्राइजेज ने अक्टूबर 2024 में अदाणी विल्मर के साथ अपने फूड और एफएमसीजी बिजनेस को अलग करने के अपने प्लान को कैंसिल कर दिया था।

अदाणी विल्मर का मुनाफा तीसरी तिमाही में दोगुना हुआ

अदाणी विल्मर का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) 104% बढ़कर 411 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 201 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 15,859 करोड़ रुपए रहा। सालाना आधार पर इसमें 23.62% की बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में कंपनी ने 12,828 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया था।

सोना 250 रुपए चढ़ा, चांदी एक लाख के स्तर से फिसली

नई दिल्ली

रुपये के मूल्य में गिरावट आने के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने में दूसरे दिन भी तेजी जारी रही। सोने की कीमत 250 रुपये बढ़कर 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 250 रुपये बढ़कर 88,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 88,700 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 20 फरवरी को 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने ने क्रमशः 89,450 रुपये और 89,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ था।

- सोना मामूली बढ़कर 89,350 रुपए प्रति दस ग्राम

निवेशकों को फेड के आंकड़ों का इंतजार

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी के अनुसार व्यापारियों को मंगलवार को जारी होने वाले सीबी उपभोक्ता विश्वास सूचकांक और रिचमंड विनिर्माण सूचकांक सहित वृहद आर्थिक आंकड़ों का इंतजार रहेगा। साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कुछ सदस्यों की टिप्पणियों का भी इंतजार रहेगा, जो सर्राफा कीमतों को दिशा प्रदान करेंगे।

भारत से हार के बाद पाक टीम में भूचाल, कोच की होगी छुट्टी, सेलेक्टर्स भी नहीं बचेंगे

नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पाकिस्तान की शर्मनाक विदाई के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा। भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार हार के बाद अंतरिम मुख्य कोच आकिब जावेद और उनके सपोर्ट स्टाफ को हटाने की संभावना जताई जा रही। आकिब जावेद को 2024 के अंत में अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद व्हाइट और रेड बॉल दोनों फॉर्मेट की जिम्मेदारी संभाली थी। हालांकि, उनके कार्यकाल में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और रणनीतिक स्पष्टता की कमी नजर आई।

चयन समिति पर भी गिरेगी गाज

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस पर मंथन कर रहे हैं कि क्या वर्तमान सेलेक्टर्स को बरकरार रखा जाए। टीम सेलेक्शन में मनमानी और लंबी सोच की कमी के लिए चयनकर्ताओं की आलोचना हो रही है। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा,'बोर्ड को जबरदस्त आलोचना का सामना करना पड़ रहा और बदलाव अब अनिवार्य हो गए हैं। हमें स्थायी और दीर्घकालिक योजना की जरूरत है, न कि बार-बार परिवर्तन करने की।

बड़े मैचों में खरी नहीं उतरी टीम

बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान जैसे सितारों से सजी पाकिस्तान टीम बड़े मैचों में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। भारत के खिलाफ 6 विकेट की हार टीम के लिए बड़ा झटका थी। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ 60 रन की हार ने उनके अभियान को पूरी तरह खत्म कर दिया।

पूर्व क्रिकेटरों ने भी की जमकर आलोचना

पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम, शोएब अख्तर, वकार यूनुस ने टीम की रणनीति और प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम दबाव वाले मैचों में ढीली मानसिकता और गलत शॉट चयन के कारण पिछड़ रही। 'पाकिस्तान क्रिकेट खराब निर्णय लेने के चक्र में फंसा हुआ है। कोचिंग सेटअप को पूरी तरह बदलने की जरूरत है। हम अस्थायी समाधान के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।'

आकिब की जगह इनके नाम चल रहे आगे

आकिब जावेद की विदाई लगभग तय मानी जा रही और पीसीबी घरेलू कोच की ओर रुख कर सकता। विदेशी कोच को बनाए रखने में बोर्ड को हाल के सालों में दिक्कतें आई हैं, इसलिए इस बार स्थानीय उम्मीदवारों पर जोर दिया जा सकता। संभावित उम्मीदवारों में मिस्बाह-उल-हक, मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक का नाम सामने आ रहा है। पीसीबी भारतीय और इंग्लैंड की तर्ज पर टेस्ट और सीमित ओवरों के लिए अलग-अलग कोच रखने पर भी विचार कर रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : ब्रायडन कार्स बचे हुए टूर्नामेंट से हुए बाहर, रेहान अहमद को मिला मौका

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम को अपने अगले मैच में 26 फरवरी को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम से भिड़ना है।इस अहम मैच से पहले इंग्लिश टीम के लिए बुरी खबर है। दरअसल, इंग्लिश तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स बचे हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने पिछले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

रेहान अहमद को मिला मौका

क्रिकइंफो के मुताबिक, कार्स बाएं पैर की चोट के कारण सोमवार को इंग्लैंड के ट्रेनिंग सत्र में शामिल नहीं हो पाए थे। दिलचस्प रूप से वह इसी चोट के कारण भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी 2 मैचों के लिए भी उपलब्ध नहीं थे। उनकी जगह पर रेहान अहमद को टीम में शामिल किया गया है। बता दें कि इंग्लैंड को अपने आखिरी ग्रुप मैच में 1 मार्च को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ना है ।

इंग्लैंड को अपने पहले मैच में मिली थी शिकस्त

इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पहले मैच में हार मिली थी। लाहौर में हुए मैच में इंग्लिश टीम ने बेन डकेट के बड़े शतक की मदद से 351/8 का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में कंगारू टीम ने जोस इंग्लिस के शतक की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल किया।

खबर संक्षेप

युकी-पोपिरिन ने दुनिया की नंबर एक जोड़ी को हराया

दुबई। भारत के युकी भांबरी और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सी पोपिरिन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को दुबई टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के राउंड 16 मैच में मार्सेलो अरेवालो और मेट पाविक की दुनिया की नंबर एक जोड़ी को हरा दिया। पहला सेट हारने के बाद भांबरी और पोपिरिन ने शानदार वापसी करते हुए एल साल्वाडोर और क्रोएशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी को 4-6, 7-6(1), 10-3 से हराया।

रणजी ट्रॉफी : विदर्भ का केरल पर पलड़ा भारी

नागपुर। अपने प्रमुख खिलाड़ियों के शानदार फॉर्म और घरेलू परिस्थितियों के कारण पूर्व चैंपियन विदर्भ की टीम केरल के खिलाफ

बुधवार से नागपुर में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। अक्षय वाडकर की अगुवाई वाली विदर्भ की टीम ने इस सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अब तक अपने नौ मैचों में से आठ में जीत हासिल की है और एक ड्रा खेला है। केरल की टीम ने क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर को उसने केवल एक रन से हराया जबकि सेमीफाइनल में गुजरात के खिलाफ पहली पारी में दो रन की मामूली बढ़त के आधार पर वह फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा।

पाक के लिए भारत की 'बी' टीम को हराना मुश्किल होगा: गावस्कर

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के एक दिन बाद भी पाकिस्तान की क्रिकेट टीम की

तीखी आलोचना हो रही है और महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि उनको दूसरी श्रेणी की भारतीय टीम को हराने में भी संघर्ष करना पड़ेगा। 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने वाले भारत ने रविवार को दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी में गत चैंपियन पाकिस्तान को छह

मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दोपहर 2:30 बजे से होगा शुरू

अपने पहले मैच हार चुकी अफगानिस्तान और इंग्लैंड के बीच आज होगी कश्मकश जंग

लाहौर

इस समय खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 8वें मैच में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का सामना इंग्लैंड क्रिकेट टीम से 26 फरवरी को लाहौर में होगा। ग्रुप-बी में मौजूद इन दोनों टीमों को अपने पहले मैच में हार मिली थी। ऐसे में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला अहम रहने वाला है। इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाला यह मैच 26 फरवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से शुरू होगा।

इंग्लैंड ने अफगानिस्तान के खिलाफ जीते हैं 2 वनडे

वनडे प्रारूप में अब तक दोनों टीमें कुल 3 मैचों में आमने-सामने थी, जिसमें से 2 में इंग्लैंड को जीत मिली और 1 मैच को अफगानिस्तान ने अपने नाम किया था। आखिरी बार ये दोनों टीमें वनडे विश्व कप 2023 में आपस में भिड़ी थी, उस मैच को अफगानिस्तान ने 69 रन से जीता था। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में वो विश्व कप का मुकाबला खेला गया था।

अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी इंग्लिश टीम

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स चोट के कारण बचे हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। इंग्लैंड के गेंदबाज पिछले मैच में 352 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके थे। इंग्लिश टीम अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

डकेट ने अपने पिछले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 143 गेंदों पर 165 रन बनाए थे। उन्होंने अपनी इस शतकीय पारी में 17 चौके और 3 छक्के लगाए थे। रूट ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाकर अच्छी फॉर्म के संकेत दिए हैं। अफगानिस्तान के मध्यक्रम के बल्लेबाज रहमत शाह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 9 चौकों और 1 छक्के की मदद से 90 रन की पारी खेली थी।

संभावित टीमें

अफगानिस्तान एकादश: रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, राशिद खान, फजलहक फारूकी और नूर अहमद।

इंग्लैंड एकादश: फिलिप साल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), जो रूट, हैरी ब्रूक, जोस बटलर (कप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, जोफ्रा आर्चर, रेहान अहमद, आदिल राशिद और मार्क वुड।

दोनों टीमों की बढ़ीं मुश्किलें

बारिश की भेंट चढ़ा दक्षिण अफ्रीका-ऑस्ट्रेलिया मैच

लाहौर

चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच रावलपिंडी में लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। अंपायर भारतीय समयनुसार 5 बजकर 40 मिनट पर बाहर आए और लगभग पांच मिनट तक ग्राउंडस्टाफ से बात की और उन्होंने फिर इसके बाद मैच रद्द कर दिया। दोनों टीमों को अब एक-एक अंक से संतोष करना पड़ेगा।

दोनों ही टीमों की मुश्किलें बढ़ीं

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का यह मुकाबला रद्द होने से दोनों ही टीमों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऑस्ट्रेलिया का अंतिम ग्रुप मैच शुक्रवार 28 फरवरी को लाहौर में अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ है। वहीं दक्षिण अफ्रीका शनिवार को कराची में इंग्लैंड से खेलेगा। अब ये मैच तय करेंगे कि ग्रुप बी से कौन सेमीफ़ाइनल में पहुंचेगा। फैंस इन मुकाबलों का इंतजार बेसब्री के साथ कर रहे हैं।

अफगानिस्तान और इंग्लैंड मैच पर भी खतरा

अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ अपने शुरुआती मैच हार गईं। अफगानिस्तान और इंग्लैंड मुकाबले पर भी संकट के बाद हैं। अफगानिस्तान और इंग्लैंड के बीच मैच न होने की मांग की जा रही है। कुछ लोगों का कहना है कि इंग्लैंड को अफ़गानिस्तान में तालिबान की कार्रवाइयों के जवाब में मैच का बहिष्कार करना चाहिए। लगातार हो रही बारिश और गीले मैदान के चलते इस मैच में टॉस भी संभव नहीं हो पाया।ऑस्ट्रेलिया को नुकसान, इंग्लैंड के पास मौकाऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने अपने पहले मैच में जीत दर्ज की थी। रद्द होने के बाद दोनों के 2-2 मैच में 3-3 पॉइंट हो जाएंगे। लेकिन अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दोनों ही टीमों को अपना आखिरी ग्रुप मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं इस मैच के रद्द होने से इंग्लैंड को फायदा पहुंचा है। इंग्लैंड के पास अब दो मुकाबले जीतकर सीधा सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। ग्रुप बी में शीर्ष पर है दक्षिण अफ्रीकी टीम ग्रुप-बी में मौजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम के अब 3 अंक (+2.140) हो गए हैं ।

जेस जोनासेन का अर्धशतक, दिल्ली कैपिटल्स ने गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया

बेंगलुरु। दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार गेंदबाजी के बाद जेस जोनासेन (नाबाद 61 रन) के अर्धशतक की मदद से मंगलवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मुकाबले में गुजरात जायंट्स को 29 गेंद रहते छह विकेट से शिकस्त दी। टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करने वाली दिल्ली कैपिटल्स ने शानदार गेंदबाजी की और गुजरात जायंट्स का शीर्ष क्रम ध्वस्त कर उसे महज नौ विकेट पर 127 रन बनाने दिए। फिर कप्तान मेग लैनिंग की टीम ने 15.1 ओवर में चार विकेट पर 131 रन बनाकर जीत दर्ज की जिसमें जोनासेन ने 32 गेंद की नाबाद पारी के दौरान नौ चौके और दो छक्के जमाये। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 27 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के से 44 रन का योगदान दिया। जोनासेन और शेफाली ने दूसरे विकेट के लिए 37 गेंद में 74 रन की साझेदारी निभाई। इस जीत से दिल्ली कैपिटल्स की टीम छह अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। इससे पहले भारती फूलमाली ने नाबाद 40 रन की पारी खेलकर खराब शुरुआत करने वाली गुजरात जायंट्स को नौ विकेट पर 127 रन पर पहुंचाने में मदद की। दिल्ली कैपिटल्स के लिए शिखा पांडे, मारिजाने काप और एनाबेल सदरलैंड ने दो दो विकेट हासिल किए। गुजरात जायंट्स ने 60 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद आठवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रही फूलमाली ने 29 गेंद में दो छक्के और चार चौके लगाकर टीम को 100 रन तक पहुंचाने में मदद की। डायंड्रा डॉटिन (26) ने पारी की शुरुआत में पांच चौके लगाए लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों के एकजुट प्रदर्शन के कारण वह पारी को आगे नहीं बढ़ा सकीं।

अगर कप्तानी का मौका मिला तो केकेआर की अगुआई करने तैयार: वेंकटेश अय्यर

नई दिल्ली

ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का कहना है कि अगर उन्हें आईपीएल 2025 में मौका मिला तो वह कोलकाता नाइट राइडर्स की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश को हालांकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में किसी भी स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है।

गत चैंपियन केकेआर ने अभी तक अपने कप्तान की घोषणा नहीं की है। टीम इस सत्र के शुरुआती मैच में ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से भिड़ेगी। केकेआर ने पिछले सत्र मे श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था लेकिन उन्हें बड़ी नीलामी में पंजाब किंग्स ने खरीद लिया और बाद में अपना कप्तान बना दिया।

अब तक सभी मैच केकेआर के लिए खेले

बता दें कि वर्ष 2021 में केकेआर में शामिल हुए वेंकटेश को पिछले साल की नीलामी से पहले टीम ने छोड़ दिया था लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के साथ नीलामी में कड़ी टक्कर के बाद 23.75 करोड़ रुपये में वापस खरीद लिया गया। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 51 आईपीएल मैच में 1,326 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने सभी आईपीएल मैच नाइट राइडर्स के लिए खेले हैं।

कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है : अय्यर

वेंकटेश ने कहा, "निश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। मैंने हमेशा यह कहा है कि कप्तानी सिर्फ एक ठप्पा है। मैं नेतृत्व में विश्वास करता हूं। एक नेतृत्वकर्ता होने के नाते यह एक बड़ी भूमिका है।" उन्होंने कहा, "इस बारे में कोई अस्पष्टता नहीं है। अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं निश्चित रूप से इसे करूंगा। ऐसा नहीं करने का कोई कारण नहीं है।" वेंकटेश ने कहा कि कप्तान को अच्छा आदर्श बनकर उदाहरण स्थापित करने की जरूरत है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग: भारत ने किया ऐतिहासिक कमबैक

भुवनेश्वर : भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में विश्व नंबर-एक नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से शूटआउट में हराकर इतिहास रच दिया। कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की और शूटआउट में बेहतरीन प्रदर्शन कर जीत दर्ज की। भारत की इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी को 01 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के हर सदस्य को 50,000 रुपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की है। यह इनाम बोर्ड की मौजूदा नीति के अतिरिक्त दिया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक जीत के लिए खिलाड़ियों को 50,000 रुपये दिए जाते हैं। पहले क्वार्टर में नीदरलैंड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। वहीं दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में कप्तान पिएन सैंडर्स ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल कर नीदरलैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद 28वें मिनट में फे वान डेर एल्स्ट ने एक शानदार फील्ड गोल कर बढ़त को 2-0 कर दिया। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में भारत ने जबरदस्त वापसी की। 35वें मिनट में दीपिका ने नीदरलैंड की डिफेंस को भेदते हुए शानदार गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद 43वें मिनट में बलजीत कौर ने तेजतर्रार शॉट मारकर भारत के लिए बराबरी का गोल दाग दिया। चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने विजयी गोल करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और मुकाबला शूटआउट में चला गया। शूटआउट में भारत की ओर से दीपिका और मुमताज खान ने गोल किए, जबकि गोलकीपर सविता पुनिया ने शानदार बचाव करते हुए भारत को 2-1 से ऐतिहासिक जीत दिलाई।

24 फरवरी 2010 में क्रिकेट के इतिहास में लिखा गया था एक नया अध्याय

सचिन को दोहरे शतक का 15 साल बाद मिला इनाम

मुंबई

साल 2010 में 24 फरवरी के दिन भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखा गया था। सचिन तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट में पहला दोहरा शतक जड़कर नया कीर्तिमान स्थापित किया था। आज 15 साल बाद भी यह ऐतिहासिक पारी क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में ताजा बनी हुई है। इस खास मौके पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सचिन के लिए एक सरप्राइज प्लान किया और इंडियन मास्टर्स टीम के साथ मुंबई में इस उपलब्धि का जश्न मनाया।

सचिन से मिली विनम्रता सीखने : युवराज

युवराज सिंह ने इस अवसर पर सचिन की विनम्रता की तारीफ करते हुए कहा, "पहले वनडे दोहरा शतक लगाने वाले इंसान। उनके लिए यह मैदान पर एक और दिन जैसा था, लेकिन हमने उनसे हमेशा विनम्रता सीखने को मिला। वह हमेशा पहले मौजूद रहते हैं।

सचिन तेंदुलकर को मिला खास तोहफा

इस समय इंटरनेशनल मास्टर्स लीग खेली जा रही है, जिसमें भारतीय दिग्गज खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं। इसी दौरान सोमवार (24 फरवरी) को सचिन तेंदुलकर द्वारा 15 साल पहले बनाए गए ऐतिहासिक दोहरे शतक को सेलिब्रेट किया गया। इस मौके पर सचिन ने केक काटा और मजाकिया अंदाज में कहा, मैं नॉट आउट था, इसलिए अभी भी पैड पहनकर तैयार हूं।

सचिन तेंदुलकर ने रचा था इतिहास

साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में खेले गए वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर ने नाबाद 200 रन बनाकर इतिहास रच दिया था। वह वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी थे। बाद में वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, मार्टिन गुप्टिल, क्रिस गेल, फखर जमान और ईशान किशन ने भी वनडे में दोहरे शतक जड़े, लेकिन क्रिकेट इतिहास में पहला दोहरा शतक लगाने का गौरव हमेशा सचिन तेंदुलकर के नाम रहेगा।

इंडिया मास्टर्स की श्रीलंका मास्टर्स पर शानदार जीत

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में भारत मास्टर्स टीम ने कुमार संगकारा की श्रीलंका मास्टर्स टीम को रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से हराया। यह मैच डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में खेला गया, जहां सचिन की टीम ने आखिरी पलों में अपना संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की।

प्राग मास्टर्स जीतने के प्रबल दावेदार प्रज्ञानानंदा

प्राग (चेक गणराज्य)। टाटा स्टील मास्टर्स में रोमांचक जीत के बाद ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा बुधवार से यहां शुरू होने वाले प्राग मास्टर्स में जीत के प्रबल दावेदार के तौर पर शुरूआत करेंगे। टाटा स्टील मास्टर्स में पहला स्थान प्राप्त करने के लिए प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैंपियन डी गुकेश को कड़ी टक्कर दी थी और अब वह इस टूर्नामेंट में भी इसी लय को बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं चैलेंजर्स वर्ग में भी भारतीय चुनौती होगी जिसमें दिव्या देशमुख कुछ मजबूत ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगी। दोनों वर्गों का पहला दौर बुधवार को शुरू होगा। ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने पिछले साल लगातार अपने प्रदर्शन और रेटिंग में सुधार की बदौलत शीर्ष शतरंज में पदार्पण किया है। लाइव रेटिंग में 2730 अंक प्राप्त करने के बाद अरविंद विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 के करीब पहुंच रहे हैं और अभी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी, प्रज्ञानानंदा और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद देश में पांचवें स्थान पर हैं।

'बांग्लादेश के अल्पसंख्यक भारत की चिंता नहीं', जयशंकर के बयान पर पड़ोसी देश को लगी मिर्ची

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि बांग्लादेश ने आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर भारत के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं भारत के लिए चिंता का विषय नहीं होनी चाहिए। उनकी टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की हालिया चिंताओं और उन आरोपों के जवाब में आई है कि ढाका अपने आंतरिक मुद्दों के लिए नई दिल्ली को दोषी ठहरा रहा है।

हुसैन के हवाले से कहा गया है कि बेशक, बांग्लादेश अपना रुख तय करेगा। लेकिन साथ ही, भारत को भी यह तय करने की जरूरत है कि वह बांग्लादेश के साथ किस तरह का रिश्ता चाहता है। यह आपसी मामला है और इसे कहने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देते हुए भारत के साथ अपने संबंधों पर बांग्लादेश के स्पष्ट रुख पर जोर दिया। हुसैन ने संवाददाताओं से कहा, हम आपसी समझ पर आधारित संबंध चाहते हैं और हमारी स्थिति में कोई अस्पष्टता नहीं है। इससे पहले दोनों देशों के बीच संबंधों में अभूतपूर्व तनाव के बीच, ओमान में पड़ोसी देश के कार्यवाहक प्रशासन के अपने समकक्ष तौहीद हसन से मुलाकात के कुछ दिनों बाद, विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर ने भारत के खिलाफ बिल्कुल हास्यास्पद आरोप लगाने के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नेताओं को खूब सुनाया है। एस जयशंकर ने नई दिल्ली में एक सार्वजनिक समारोह में कहा कि अगर हर दिन, अंतरिम सरकार में कोई खड़ा होता है और हर चीज के लिए भारत को दोषी ठहराता है, तो अगर आप रिपोर्टों को देखें तो उनमें से कुछ चीजें बिल्कुल हास्यास्पद हैं।

50 लाख डॉलर खर्च करो, अमेरिकी नागरिकता पाओ : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए गोल्ड कार्ड योजना पेश की है. उन्होंने कहा कि निवेशकों के लिए 35 साल पुराने वीजा के स्थान पर 50 लाख अमेरिकी डॉलर डोनाल्ड ट्रंप में गोल्ड कार्ड पेश करने की योजना बनाई गयी है. इसे लेने वालों को अमेरिकी नागरिकता मिल जायेगी. ट्रंप ने कहा कि नये वीजा प्रोग्राम गोल्ड कार्डह्लके जरिए भविष्य में लगभग एक मिलियन (10 लाख कार्ड) बेचे जाने का लक्ष्य है. इस कार्ड को पाने के लिए 5 मिलियन डॉलर देने होंगे. ह्यगोल्ड कार्डह्ल एइ-5 वीजा का रिप्लेसमेंट है, इसे खरीदकर अमीर लोग अमेरिका में

आएंगे, जिससे निवेश और नौकरियां बढ़ेंगी.

अमीर और सफल लोगों को यह वीजा मिल सकता है

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) में कहा कि अमीर और सफल लोगों को यह वीजा मिल सकता है, वे काफी पैसा निवेश करेंगे, काफी टैक्स का भुगतान करेंगे, कई लोगों को नौकरियां देंगे, कहा कि मुझे लगता है कि यह योजना बहुत ही सफल होने वाली है. ट्रंप ने कहा कि नया गोल्ड कार्ड एक ग्रीन कार्ड की तरह होगा. यह किसी भी तरह की गडबड़ी से मुक्त होगा. कहा कि यहखासकर अमीर और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए अमेरिकी नागरिकता लेने का रास्ता बनायेगा. इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी नागरिकता के लिए योग्यता कांग्रेस निर्धारित करती है, लेकिन गोल्ड कार्ड के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी.

दो सप्ताह में ईबी-5 वीजा की जगह ट्रंप गोल्ड कार्ड ले लेगा

डोनाल्ड ट्रंप के बयान को विस्तार देते हुए वाणिज्य मंत्री होवार्ड ल्युटनिक ने कहा कि दो सप्ताह में ईबी-5 वीजा की जगह ट्रंप गोल्ड कार्ड ले लेगा. कहा कि संसद ने 1990 में विदेशी निवेश को ध्यान में रखते हुए ईबी-5 वीजा पेश किया थ. यह 10 लाख अमेरिकी डॉलर का निवेश करने वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है.

दुनियाभर में निवेशक वीजा का आम चलन हैं

आव्रजन से संबंधित गृह मंत्रालय के वार्षिक आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2022 तक 12 महीने के दौरान लगभग 8,000 लोगों ने निवेशक वीजा लिया था. संसद की शोध सेवा ने 2021 में कहा था कि ईबी-5 वीजा में धोखाधड़ी का खतरा बरकरार रहता है. परामर्श कंपनी हेनली एंड पार्टनर्स के अनुसार दुनियाभर में निवेशक वीजा का आम चलन हैं. कंपनी ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इटली समेत दुनियाभर के 100 से अधिक देश अमीर लोगों को गोल्डन वीजा देते हैं.

महाशिवरात्रि पर्व पर महाकुंभ में डुबकी लगानेवाले श्रद्धालुओं का उमड़ा जन सैलाब

दोपहर तक एक करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई है

एजेंसी

प्रयागराज। महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर आज बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा है. महाकुंभ मेले में महाशिवरात्रि के मौके पर श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे हैं. दोपहर तक एक करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई है. संगम तट पर अमृत स्नान करते श्रद्धालुओं पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुष्प वर्षा की गयी. महाकुंभ में शुरूआत से लेकर अब तक करीब 66 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं. एडीजी प्रयागराज भानु भास्कर ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर महाकुंभ मेला क्षेत्र के सभी घाटों पर स्नान के लिए लोगों की भारी

भीड़ उमड़ रही है. स्नान के बाद श्रद्धालु मंदिरों के दर्शन कर रहे हैं..श्रद्धालुओं में अंतिम स्नान को लेकर उत्साह भी दिखाई दे रहा है.

193 देशों की जनसंख्या ज्यादा लोग कर चुके हैं स्नान

अनुमान लगाया गया है कि संगम में डुबकी लगाने वालों की संख्या 193 देशों की जनसंख्या से ज्यादा हो चुकी है. केवल भारत और चीन की आबादी महाकुंभ में आये श्रद्धालुओं से ज्यादा है. योगी सरकार का दावा है कि दुनिया में हिंदुओं की आधी आबादी के बराबर लोग यहां आ चुके हैं. योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि पर लोगों को शुभकामनाएं दीं हैं. सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने सभी श्रद्धालुओं, पूज्य साधु संतों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान शिव और पुण्य सलिला मां गंगा से सभी के कल्याण की प्रार्थना की.

महाकुंभ मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन : योगी सरकार

यूपी की योगी सरकार के अनुसार सनातन धर्म को मानने वाले दुनिया के 60 फीसदी से अधिक लोगों ने संगम में स्नान कर लिया है . अमेरिका की आबादी से दोगुने, रूस की चार गुने और जापान की आबादी से पांच गुन से अधिक लोग संगम में डुबकी लगा चुके है. यूपी सरकार ने कहा है कि यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा आयोजन है. इतनी बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने के इससे पहले सबूत नहीं मिले हैं.

अयोध्या और वाराणसी में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अयोध्या, वाराणसी सहित देश के कई शहरों के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है. जान लें कि महाकुंभ स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर श्रद्धालु अयोध्या और वाराणसी पहुंच रहे हैं. महाकुंभ में आज आखिरी स्नान है. अयोध्या के नागेश्वर नाथ मंदिर पर भक्त जलाभिषेक कर रहे हैं. सुबह से ही स्नान-दान और अभिषेक शुरू हो गया है. स्थानीय प्रशासन ने सरयू के घाटों से लेकर के मठ मंदिरों तक सुव्यवस्थित इंतजाम किये हैं, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में भी भक्त जलाभिषेक कर रहे हैं.

संक्षिप्त खबर

केजरीवाल, सिसोदिया और संजय सिंह शराब घोटाला मामले में कोर्ट ने ईडी को दिया निर्देश

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपियों को महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत आप नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने 25 फरवरी को कई आरोपी व्यक्तियों के आवेदनों के बाद आदेश पारित किया, जिन्होंने दावा किया था कि उन्हें मामले में दायर आरोपपत्र से संबंधित कुछ दस्तावेज नहीं मिले हैं। अदालत, वर्तमान में दस्तावेजों की जांच कर रही है, मामले को आगे की कार्यवाही के लिए 3 मार्च को निर्धारित किया है। न्यायाधीश ने कहा, सुनवाई की अगली तारीख, यानी 3 मार्च को आगे की कार्यवाही के लिए रखा जाए। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा उत्पाद शुल्क नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच की सिफारिश करने के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा शुरू की गई जांच से मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सामने आया। सीबीआई और ईडी के अनुसार, नीति में संशोधन के दौरान महत्वपूर्ण अनियमितताएं हुईं और कुछ लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर, 2021 को विवादास्पद उत्पाद शुल्क नीति लागू की थी, लेकिन भ्रष्टाचार के बढ़ते आरोपों के बीच सितंबर 2022 के अंत तक इसे रद्द कर दिया। अदालत के हालिया आदेश से आरोपियों को उम्मीद है कि आने वाले दस्तावेज मामले पर प्रकाश डालेंगे और चल रही जांच में सहायता करेंगे।

चीन पर जयशंकर ने कसा तंज, भारत-अफ्रीका रिलेशन पर बोले- शोषणकारी मॉडल नहीं साझेदारी पर फोकस

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को अफ्रीका के साथ चीन के शोषणकारी मॉडल जिक्र करते हुए कहा कि इस बात पर जोर दिया कि अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक, पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता द्वारा निर्देशित रहा है। जापान-भारत-अफ्रीका बिजनेस फोरम को वर्चुअली संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा दीर्घकालिक, पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता द्वारा निर्देशित रहा है। जयशंकर ने कहा कि जुड़ाव के निष्कर्षण मॉडल के विपरीत, भारत क्षमता निर्माण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि अफ्रीकी देशों को न केवल निवेश से लाभ होता है बल्कि आत्मनिर्भर विकास पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत अफ्रीका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है और लगातार बढ़ रहा है। भारत ने अफ्रीका की कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें 12 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का रियायती ऋण और रेलवे, बिजली उत्पादन, कृषि और जल आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में पूरे महाद्वीप में 200 से अधिक पूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

सूडान विमान हादसा: सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आम नागरिक के घर पर गिरा, 49 लोगों की मौत

सूडान। सूडान के ओमदुरमान शहर में एक सैन्य विमान एक नागरिक के घर से टकरा गया। इस दुर्घटना में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई है और 10 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को ओमदुरमान के उत्तर में वादी सैयदना एयरबेस से उड़ान भरते समय 'एंटोनोव' विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में सैन्य कर्मियों और नागरिकों की जान चली गई है। बयान में कहा गया, 'घायलों को अस्पताल ले जाया गया है और अग्निशमन दल दुर्घटना स्थल पर आग पर काबू पाने में कामयाब रहे।' एक सैन्य सूत्र ने पहले एएफपी को बताया था कि एंटोनोव विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के पीछे तकनीकी खराबी थी। मंत्रालय ने कहा कि विमान ओमदुरमान के करारी जिले में दुर्घटनाग्रस्त होकर एक नागरिक के घर पर गिरा, जिससे जमीन पर लोगों के मारे जाने की भी आशंका है। सूडान 2023 से गृहयुद्ध की स्थिति में है, जब सेना और अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' के बीच तनाव खुले युद्ध में बदल गया था। हाल के महीनों में युद्ध और भी तेज हो गया है, सेना खार्तूम और देश के अन्य हिस्सों में आरएसएफ के खिलाफ लगातार आगे बढ़ रही है। आरएसएफ, जो दारफुर के पश्चिमी क्षेत्र के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करता है, ने कहा कि उसने सोमवार को दक्षिण दारफुर प्रांत की प्रांतीय राजधानी न्याला में एक सैन्य विमान को मार गिराया।

गुतारेस मार्च में बांग्लादेश का दौरा करेंगे, एजेंडे में जबरन विस्थापित रोहिंग्या का मुद्दा शामिल

ढाका। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस 13-16 मार्च तक ढाका का दौरा करने वाले हैं, और उन्होंने कहा है कि विश्व निकाय जबरन विस्थापित रोहिंग्याओं के मेजबान के रूप में बांग्लादेश का समर्थन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अपील जारी रखेगा। सरकारी समाचार एजेंसी ह्यबांग्लादेश संगबाद संस्थाह्ल (बीएसएस) ने बुधवार को कहा कि गुतारेस के कार्यालय ने उनकी यात्रा की तारीखों की पुष्टि की है। यह यात्रा बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के निमंत्रण के बाद हो रही है। बीएसएस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश के स्थायी मिशन की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, यह निमंत्रण रोहिंग्या मुद्दे और प्राथमिकता मामलों पर मुख्य सलाहकार के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान ने सात फरवरी को न्यूयॉर्क में महासचिव के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें दिया था। गुतारेस ने 25 फरवरी को यूनुस को लिखे एक पत्र में कहा कि वह बांग्लादेश और क्षेत्र में रोहिंग्या संकट के प्रभाव के साथ-साथ म्यांमा के रखाइन में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बारे में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार की चिंताओं को साझा करते हैं।

मित्र ट्रम्प से मुलाकात के बाद अब रूस जाएंगे पीएम मोदी, विक्ट्री डे परेड के बन सकते हैं मुख्य अतिथि

एजेंसी

नयी दिल्ली। महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ में भाग लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के 9 मई को रूस जाने की उम्मीद है। रूसी मीडिया ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है। रूसी समाचार एजेंसी ळअरर ने सैन्य सूत्रों के हवाले से दावा किया कि पीएम मोदी के दौरे की 'उच्च संभावना' है। टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के सूत्र ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को में होने वाली परेड में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। इसकी अत्यधिक संभावना है।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रेड स्क्वायर पर परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक इकाई की भागीदारी पर भी काम किया जा रहा है। विशेष रूप से, भारतीय दल को रिहर्सल के लिए परेड से कम से कम एक महीने पहले पहुंचना होगा। इससे

पहले, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि कई आमंत्रित देशों ने महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर 9 मई को मास्को में आगामी कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने कहा कि 9 मई के जश्न में भाग लेने के लिए सीआईएस ही नहीं बल्कि विभिन्न देशों के विदेशी नेताओं को मास्को में आमंत्रित किया जाएगा। पिछले अक्टूबर में, पीएम मोदी ने पुतिन के निमंत्रण पर 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस का दौरा किया था, जिसकी अध्यक्षता मॉस्को कर रहा था। पीएम मोदी की आगामी रूस यात्रा इसलिए महत्व रखती है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब रूस और यूक्रेन दोनों युद्ध समाप्त करने की दिशा में बातचीत में लगे हुए हैं। भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है और रूस और यूक्रेन के बीच शत्रुता समाप्त करने की वकालत करता है। इससे पहले पुतिन की मौजूदगी में पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए जोर देकर कहा, यह युद्ध का युग नहीं है।

अमित शाह ने कोयंबटूर में भाजपा कार्यालय का किया उद्घाटन स्टालिन सरकार पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का लगाया आरोप

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार रात तमिलनाडु के तीन दिवसीय दौरे पर कोयंबटूर पहुंचे. श्री शाह ने आज बुधवार सुबह भाजपा के तीन नये कार्यालयों का उद्घाटन किया. कार्यालय कोयंबटूर, तिरुनेलवेली और रामनाथपुरम में खोले गये हैं. इस दौरान शाह ने पौधारोपण भी किया. इस कदम को दक्षिण भारत में बीजेपी के विस्तार की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे. खबर है कि उन्होंने तमिलनाडु में 2026 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की. साथ ही कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड और पड़ोसी जिलों वाले कोंगु क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने पर वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ चर्चा की.

जिन क्षेत्रों में पार्टी का अच्छा मतदाता आधार है, वहां पर विशेष ध्यान देने को कहा.

एमके स्टालिन और उनके बेटे असली मुद्दों से भटका रहे हैं

इस अवसर पर अमित शाह ने कहा, कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे डीएमके ने सदस्यता अभियान चलाकर समाज के सभी भ्रष्टाचारियों को डीएमके में शामिल करा दिया है. कहा, भ्रष्टाचार के मामलों में डीएमके के सभी नेताओं के पास मास्टर डिग्री है. उनका एक नेता नौकरी के लिए पैसे के मामले में फंसा है, दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रेत खनन में शामिल है और तीसरा आय से अधिक संपत्ति से संबंधित आरोपों का सामना कर रहा है. एमके स्टालिन और उनके बेटे असली मुद्दों से भटकाने के लिए कई मुद्दे उठा रहे हैं. आज वे परिसीमन को लेकर बैठक करने जा रहे हैं. पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि परिसीमन के बाद भी दक्षिण के किसी भी राज्य की सीटें कम नहीं होंगी। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन हमेशा कहते हैं कि मोदी सरकार ने राज्य के साथ अन्याय किया है. शाह ने जवाब देते हुए कहा कि मैं उन्हें यह बताने के लिए यहां हूं, अगर आप सच्चे हैं, तो राज्य के लोगों के सामने मैं जो पूछ रहा हूं उसका जवाब दें. यूपीए सरकार 2004 से 2014 तक थी, और उसने राज्य को अनुदान सहायता और हस्तांतरण के रूप में 1,52,901 करोड़ रुपये दिये थे, जबकि मोदी सरकार ने 10 वर्षों में 5,08,337 करोड़ रुपये दिये.

केंद्र सरकार का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, दोषी नेताओं के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध नहीं लगा सकते

अगर कोई सरकारी कर्मचारी दोषी ठहराया जाता है तो वह जीवन भर के लिए सेवा से बाहर हो जाता है, फिर दोषी व्यक्ति संसद में कैसे लौट सकता है?

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर उस याचिका का विरोध किये जाने की खबर है, जिसमें दोषी सांसदों पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी है. केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा है कि सांसदों की अयोग्यता पर फैसला करने का अधिकार पूरी तरह से संसद के पास है. इसकी न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती. बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों केंद्र सरकार से जवाब तलब किया था कि क्या दोषी सांसदों और विधायकों के चुनाव लड़ने पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगना चाहिए. इसके जवाब में केंद्र सरकार ने रउ को जवाब दिया कि आपराधिक मामले में दोषी राजनेताओं के सजा काटने के बाद उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से

प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता. हलफनामे में कहा गया है कि संसद ने स्थितियों को ध्यान में रखकर व्यवस्था तय की है. सदन से किसी को अयोग्य करार देने की स्थितियां भी स्पष्ट हैं.

याचिकाकर्ता द्वारा दाखिल की गयी याचिका में विभिन्न पहलुओं को अस्पष्ट तौर पर पेश किया गया है. जान लें कि केंद्र सरकार ने 2016 में दाखिल याचिका को खारिज किये जाने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की है. कुछ साल पीछे जायें तो वकील अश्विनी उपाध्याय ने 2016 में जनहित याचिका दायर की थी. याचिका में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गयी है. बता दें कि मौजूदा कानून के तहत आपराधिक मामलों में 2 साल या उससे अधिक की सजा होने पर सजा की अवधि पूरी होने के 6 साल बाद तक चुनाव लड़ने पर रोक है. अश्विनी उपाध्याय ने याचिका में दोषी राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने सहित अलग-अलग अदालतों में उनके खिलाफ लंबित मुकदमे तेजी से निपटाने की मांग की थी

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में इस संबंध में सरकार और चुनाव आयोग से जवाब तलब करते हुए कहा था कि एक सरकारी कर्मचारी रेप या हत्या के मामले में दोषी करार दिया जाता है तो उसकी नौकरी चली जाती है. उसे नौकरी वापस नही मिलती है, लेकिन एमपी/एमएलए को दोषी करार दिया जाता है तो चुनाव लड़ने पर 6 साल के लिए प्रतिबंध लगाया जाता है. उसके बाद दोबारा चुनाव लड़ कर सांसद या विधायक बन सकता है, मंत्री बन सकता है. साथ ही कोर्ट द्वारा नियुक्त एमिकस क्यूरी वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने सलाह दी थी कि सजायाफ्ता नेताओं को जीवन भर चुनाव नहीं लड़ने देना चाहिए.

कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी, सूखे से लोगों को मिली राहत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार रात को मध्यम से हल्की बारिश और बर्फबारी हुई, जिससे सर्दियों के मौसम के आखिरी चरण का सूखा खत्म हो गया. फरवरी का महीना ज्यादातर सूखा रहा, लेकिन ताजा वेस्ट्रन डिस्टर्बेंस की वजह से लंबे समय से चल रहे सूखे से थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है. भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बारामुल्ला, कुपवाड़ा के उत्तरी जिलों में मध्यम से हल्की बारिश और बर्फबारी हुई, जबकि पुलवामा, अनंतनाग और कुलगाम और शोपियां के दक्षिणी जिलों में मंगलवार रात को हल्की से मध्यम बारिश हुई. आईएमडी ने 25 से 28 फरवरी के बीच गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम के पर्यटक स्थलों सहित घाटी के ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश का अनुमान लगाया है. वहीं, जम्मू-कश्मीर मौसम विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने कहा कि कश्मीर क्षेत्र में 26 से 28 फरवरी तक व्यापक वर्षा होने की संभावना है. यातायात अधिकारियों के अनुसार बारिश के बावजूद श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोनों ओर से यातायात सुचारू रूप से चल रहा है, लेकिन शोपियां को राजौरी-पुंछ से जोड़ने वाली मुगल रोड, एसएसजी रोड/भद्रवाह-चंबा रोड और सिंथन रोड सहित अन्य राजमार्ग बंद हैं.

पीएम मोदी चीन के फायदे के लिए काम कर रहे हैं, कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर पोस्ट किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी चीन के फायदे के लिए काम कर रहे हैं. मोदी हर मोर्चे पर फेल हैं. इसकी गवाही आंकड़े देते हैं. कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर कहा है कि चीन 2024-25 में भारत को लगभग 101 अरब डॉलर का सामान बेचेगा. ये सामान चीन की धरती पर बन रहे है. इनमें इलेक्ट्रॉनिक सामान, किसानों के लिए खाद, दवाइयों के लिए कच्चा माल, फोन, कंप्यूटर, प्लास्टिक से जुड़े सामान और जरूरत की हर छोटी-बड़ी चीज शामिल है. जिसे भारत में बेचा जा रहा है. लिखा कि आप कह सकते हैं, चीन अपने सामानों की वजह से हमारे घरों में घुसा हुआ है. और यह सब इसलिए है क्योंकि मोदी है तो मुमकिन है।

हर साल चीन से आने वाले सामान की खेप बढ़ती जा रही है

कांग्रेस ने कहा कि हर साल चीन से आने वाले सामान की खेप बढ़ती जा रही है. अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 तक चीन से 95 अरब डॉलर का सामान भारत आया है.

इससे पहले अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 तक चीन से 85 अरब डॉलर का सामान भारत निर्यात किया गया था. चीन से आयात एक साल में 11फीसदी से ज्यादा बढ़ गया.

भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 83 अरब डॉलर तक पहुंच गया

चीन से भारत सामान तो खूब खरीद रहा है, लेकिन चीन को कुछ खास बेच नहीं रहा है. इसकी वजह से भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 83 अरब डॉलर तक पहुंच गया है. इससे साफ है कि नरेंद्र मोदी की चीन को लाल आंख दिखाने की बात खोखली थी. इसके उलट वे चीन को फायदा पहुंचाने में लगे हुए हैं. पीएम मोदी की देशविरोधी नीतियों से जहां चीन मालामाल हुआ जा रहा है, वहीं भारत की अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो रही है.

आगे खिसकी 'द डिप्लोमैट' की रिलीज डेट...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द डिप्लोमैट' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का दमदार ट्रेलर भी जारी किया गया था, जिसके बाद दर्शकों के बीच फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साह बढ़ गया, लेकिन अब उन्हें फिल्म की रिलीज के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि 'द डिप्लोमैट' अब तय समय पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट को आगे खिसका दिया गया है। अब यह फिल्म 14 मार्च को रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 7 मार्च को रिलीज होने वाली थी। द डिप्लोमैट की कहानी, पटकथा और संवाद रितेश शाह ने लिखे हैं।

लाइफ Style

सामंथा

लव लाइफ को रखेंगी प्राइवेट

सामंथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। 'सिटाडेल' फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

सामंथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। उन्होंने बताया है कि वह जल्द ही 'बंगाराम' फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि 'रक्त ब्रह्मांड' सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है। सामंथा रुथ प्रभु ने बताया 'मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं।' उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार 'सिटाडेल; हनी बनी' में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था। सामंथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि 'सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।'

हॉलीवुड मसाला

अब भारत में धूम मचाने तैयार

लॉस एंजिल्स। 'द ब्रूटलिस्ट' अब भारत में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 28 फरवरी को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ब्रैडी कॉर्बेट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एड्रियन ब्रॉडी, फेलिसिटी जोन्स, गाइ पीयर्स, जो अल्विन, राफे कैसिडी, स्टेसी मार्टिन, इसाक डी बैंकोले और एलेसेंड्रो निवोला जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं। कहानी लास्जलो टोथ (एड्रियन ब्रॉडी) की है, जो एक दूरदर्शी वास्तुकार है, जो युद्ध के बाद के यूरोप से भाग जाता है और अपने जीवन, अपने काम और अपनी पत्नी एर्जबेट (फेलिसिटी जोन्स) के साथ अपने विवाह को फिर से बनाने के लिए अमेरिका आता है।

ऑस्कर में परफॉर्म करेंगी एरियाना ग्रांडे

लॉस एंजिल्स। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड में हॉलीवुड इंडस्ट्री के बड़े सितारे अपना परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। विकेड फिल्म के चर्चित कलाकार एरियाना ग्रांडे और सिंथिया एरिवो स्टेज पर अपना परफॉर्मेंस देने जा रही हैं। वैराइटी के अनुसार, एरियाना ग्रांडे और सिंथिया एरिवो के साथ लिसा की भी प्रस्तुति होने वाली है। लिसा को 'ब्लैकपिंक' ग्रुप पॉप के साथ 'द व्हाइट लोटस' में उनकी हालिया भूमिका के लिए जानी जाती हैं। वैराइटी की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने लॉस एंजिल्स मास्टर चोरेल की विशेष उपस्थिति की भी घोषणा की गई है। ऑस्कर समारोह का आयोजन 2 मार्च 2025 को होगा। भारतीय समयानुसार ऑस्कर अवॉर्ड इस साल 3 मार्च 2025 को सुबह 5:30 बजे से 8:30 बजे तक प्रसारित होगा।

हनी सिंह ने मेरा करा दिया कमबैक...

नई दिल्ली। हाल ही में सिंगर, रैपर हनी सिंह ने अपना एक नया गाना रिलीज किया है, इस गाने में एक्ट्रेस ईशा गुप्ता नजर आ रही हैं। हनी के गाने में ईशा के डांस की खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में एक्ट्रेस ने भी इस गाने पर बात की। इसे अपने करियर के लिए काफी खास बताया। पैपराजी से बात करते हुए एक्ट्रेस ईशा ने हनी सिंह की तारीफ की है। वह मानती हैं कि हनी के गाने में तहलका मचाया हुआ है। अचानक एक पैपराजी ईशा को कहता है कि आपने तो हनी सिंह का कमबैक करवा दिया। इस पर ईशा कहती हैं कि अरे नहीं, ऐसा नहीं। बल्कि, हनी सिंह ने मेरा कमबैक करवाया। हनी सिंह और ईशा गुप्ता वाले जिस गाने की चर्चा इन दिनों सोशल मीडिया पर हो रही है, उसकी खास बात ये हैं इसमें एक भोजपुरी सिंगर को भी रैपर ने गाने का मौका दिया है।

37 साल बाद तलाक लेंगे गोविंदा-सुनीता

नई दिल्ली। गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने कथित तौर पर अलग होने का फैसला किया है। इन दोनों ने यह फैसला शादी के 37 साल बाद लिया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा अक्सर एक साथ कई शोज में साथ नजर आते थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड का यह कपल बीते कुछ वक्त से एक-दूसरे से अलग रह रहा है। कथित तौर पर बताया जा रहा है कि गोविंदा और सुनीता आहूजा की अलग-अलग लाइफ स्टाइल ने उनके बीच दूरियां पैदा कर दी हैं। गोविंदा और सुनीता आहूजा पिछले कुछ समय से अलग रह रहा है। अभी तक, न तो गोविंदा और न ही सुनीता आहूजा ने तलाक की अफवाहों पर कोई आधिकारिक बयान दिया है। बॉलीवुड नाउ के मुताबिक, गोविंदा का एक मराठी एक्ट्रेस के साथ कथित संबंध तलाक का कारण बना है।

टीवी मसाला

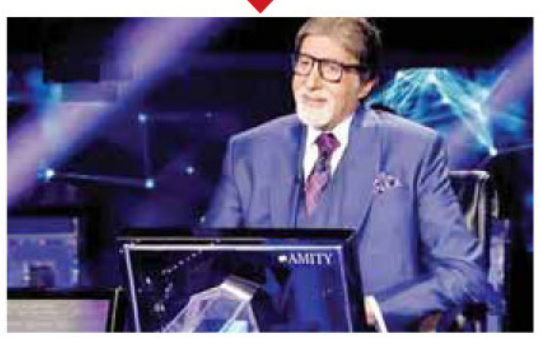

एआई के गलत इस्तेमाल से परेशान हुए अमिताभ

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' के लेटेस्ट एपिसोड में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने एआई पर बात की। अमिताभ ने 'केबीसी 16' के कंटेस्टेंट प्रियांशु से कहा, "मेरा अभी तक एआई के साथ जो परिचय हुआ है, वो गलत ही हुआ है। लोग मेरे चेहरे का इस्तेमाल कर न जाने क्या-क्या बना देते हैं और लिपसिंक कर देते हैं।

'पठान' के सीक्वल में शाहरुख-दीपिका

तपन बक्सी ▶▶ मुंबई

हिंदी सिनेमा के दर्शकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी! 2023 में आई हाई-वोल्टेज स्पाई एक्शन एडवेंचर फिल्म 'पठान' से शाहरुख खान ने अपने कॅरियर में जबरदस्त वापसी की थी। इस फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। अब उसी ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल लेकर आ रही है यशराज फिल्म्स। 'पठान 2' की स्क्रिप्ट लिखने का काम पूरा हो चुका है और फिलहाल डायलॉग्स को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सबसे बड़ी खबर यह है कि इस साल ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने की तारीख तय हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली इस फिल्म के मुख्य कलाकार इसके सीक्वल में भी बने रहेंगे। यानी हमें फिर से पठान के रूप में शाहरुख खान, रुबीना के रूप में दीपिका पादुकोण,और कर्नल सुनील लूथरा के किरदार में आशुतोष राणा नजर आएंगे। स्क्रिप्ट राइटर अब्बास टायरवाला ने बताया चूंकि 'पठान' की तरह 'पठान 2' में भी तालियों और सीटी बजाने लायक डायलॉग्स होंगे, इसलिए उन्हें और बेहतर बनाने का काम चल रहा है ताकि दर्शकों पर जबरदस्त असर पड़े। हिंदी सिनेमा के दर्शकों को याद होगा कि 2023 में रिलीज हुई शाहरुख और दीपिका की फिल्म "पठान" ने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक नया इतिहास रचा था। इस समय शाहरुख खान अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत, सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में "किंग" फिल्म की शूटिंग की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी अभिनय कर रही हैं। यह फिल्म 2026 के मध्य में रिलीज होने वाली है। यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स में पहले भी कैटरीना कैफ को जोया के रूप में टाइगर फ्रेंचाइजी में दोहराया गया था। इस सीरीज की एक था टाइगर , टाइगर जिंदा है और अन्य फिल्मों ने शानदार सफलता हासिल की।

'शिवाय' से लेकर 'ब्रह्मास्त्र' तक भगवान शिव को समर्पित हैं ये फिल्में

नई दिल्ली। आज (26 फरवरी) को देशभर में महाशिवरात्रि मनाई जा रही है। इस खास मौके पर हम आपको उन फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो भगवान शिव को समर्पित हैं।

शिवाय : शिवाय फिल्म में अजय देवगन ने एक माउंटेनियर का रोल निभाया था, जिसका नाम शिवाय होता है। फिल्म में उन्होंने भगवान शिव के चरित्र को दिखाने को कोशिश की थी। दिलचस्प बात ये है कि अजय देवगन ने अपनी सीने में भगवान शिव का टैटू भी बनवाया है।

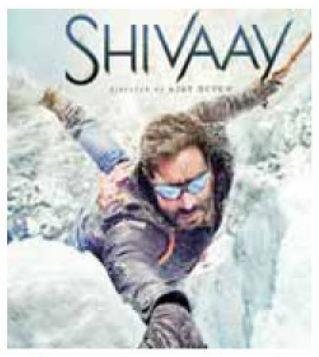

केदारनाथ : सारा अली खान और सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म केदारनाथ को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। इस मूवी की कहानी पूरी तरह से केदारनाथ मंदिर के ईर्द गिर्द घूमती हैं, जहां पर भगवान शिव की मूर्ति स्थापित है।

बाहुबली : एसएस राजामौली की 'बाहुबली' का सीन एक सीन तो याद होगा, जिसमें प्रभास भारी-भरकम शिवलिंग को उठाकर अपने कंधे पर उठा लेते हैं और फिर उसे झरने के नीचे रख देते हैं। ये बाहुबली फिल्म का सबसे पॉपुलर सीन है।

सैटेलाइट शंकर : सूरज पंचोली की फिल्म सैटेलाइट शंकर भी काफी चर्चा में रही। ये मूवी भी भगवान शिव से कनेक्टेड है। इसकी कहानी भगवान शिव के बारे में बहुत कुछ बयां करती है।

ब्रह्मास्त्र : अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर ने शिवा का किरदार निभाया था, जिसके कुछ खास शक्तियां हैं। इस फिल्म का लोगो साल 2019 में महाशिवरात्रि के मौके पर प्रयागराज के कुंभ मेले से लॉन्च किया गया था।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.